राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

07 वैश्विक बाजार में धनौरा की धमक......

इन रंगों जैसा कुछ नहीं, फाइनल में पहुंचने..... 11

वर्ष : 17 | अंक : 161 | नई दिल्ली, शुक्रवार 02 अक्टूबर, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

सरकार माई-बाप नहीं, नागरिक देवो भव है यूपीएससी के नए दौर का मंत्र : पीएम मोदी

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें यूपीएससी के इतिहास और भविष्य को लेकर मंथन किया जा रहा है। अपने संबोधन की शुरुआत में पीएम मोदी ने कैप्टन स्मित मच्छर का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ह्लकल एक घटना घटी और भारत के कैप्टन स्मित ने जिस प्रकार से धैर्य, सूझबूझ और साहस का परिचय दिया और जैसे आज इजरायल के प्रधानमंत्री ने कहा कि इस हिंदुस्तानी ने 9/11 होने से बचा लिया। हर देशवासी के मन में स्मित मच्छर का ये पराक्रम गौरव से भर देता है। पीएम मोदी ने कहा कि जब वे यहां गैलरी देख रहे थे तो उन्होंने देखा कि 1920 में सुभाष चंद्र बोस भी इसी प्रक्रिया से गुजरे थे। उन्होंने कहा, ह्लमेरा इस बात पर ध्यान गया कि उस समय अंग्रेजों की हुकूमत थी लेकिन संस्कृत का पेपर हुआ करता था और सुभाष बाबू ने संस्कृत में पेपर लिखा है। आज के ऐतिहासिक

अवसर पर पीएम ने सरदार वल्लभ भाई पटेल को भी नमन किया। उन्होंने कहा, ह्लआजादी के बाद उनके सामने केवल एक देश को आजाद रखने की चुनौती नहीं थी बल्कि उसे सामने एक राष्ट्र को चलाने की चुनौती भी थी। राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए जिस सिस्टम फ्रेम की जरूरत थी, वो सरदार वल्लभ भाई पटेल ने दिया। उन्होंने इस संस्था को आजाद भारत का एक प्रमुख स्तंभ बनाया, इसे सशक्त किया। युवाओं की भर्ती पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने कहा, ह्लआज आप जिन युवाओं की भर्ती कर रहे हैं, वो विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे और वही विकसित भारत के सबसे बड़े लाभार्थी भी होने वाले हैं। हमें दो कसौटियों को हमेशा याद रखना है। एक- नेशन फर्स्ट, दूसरी-सिटीजन फर्स्ट। यही दो कसौटियां हैं, जिन पर हर सेलेक्शन को कसा जाना है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे युवाओं को पब्लिक सर्विस में लाना होगा जो पब्लिक ऑफिस से नहीं बल्कि पब्लिक सर्विस से आकर्षित हों। इसलिए जरूरी है कि भर्ती परीक्षा सिर्फ यह न परखे कि उम्मीदवार कितना जानता है बल्कि यह भी देखे कि वह युवा सिविल सर्विस में आना क्यों चाहता है। पीएम मोदी ने कहा, ह्लहमने अतीत का वो दौर देखा है, जब माना जाता था कि सरकार ही माई-बाप है लेकिन आज का ये दौर नागरिक देवो भव का है। यानी देश का नागरिक हमारे लिए किसी देव से कम नहीं है। हमारे लिए नागरिक की सेवा सर्वोपरि है। आज 21वीं सदी का भारत, एक नई कार्य-संस्कृति के साथ आगे बढ़ रहा है। इसका मूल सिद्धांत प्रो-पीपल, प्रो-एक्टिव गुड गवर्नेंस है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे प्रोफेशनल्स की जरूरत है जिनमें गरीबों का दर्द समझने की संवेदनशीलता हो, जो समस्या के समाधान में इनोवेटिव हों और देश की जरूरतों को समझते हों।

मौसम

अधिकतम तापमान 42.0°C

न्यूनतम तापमान 34.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	50%
नहीं	20%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,51,000

चांदी 2,52,000

संसेक्स 74,323.11

निफ्टी 24,552.21

संक्षिप्त खबरें

लेफ्टिनेंट जनरल शमशेर सिंह विर्क बने उपसेना प्रमुख, संभालेंगे क्षमता विकास की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय सेना में वरिष्ठ स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी में बदलाव हुआ है। लेफ्टिनेंट जनरल शमशेर सिंह विर्क ने भारतीय सेना में उपसेना प्रमुख (क्षमता विकास एवं सस्टेनेंस) का पदभार संभाला है। गुरुवार को उन्होंने यह महत्वपूर्ण पद व जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले लेफ्टिनेंट जनरल शमशेर सिंह विर्क पश्चिमी मोर्चे पर एक कोर के कमांडर के रूप में अहम जिम्मेदारी निभा रहे थे। नई नियुक्ति के अंतर्गत लेफ्टिनेंट जनरल विर्क भारतीय सेना की क्षमता विकास और उसे बनाए रखने से जुड़ी पहलों की निगरानी करेंगे। बदलते सुरक्षा माहौल में सेना की सैन्य क्षमताओं को लगातार मजबूत और प्रभावी बनाए रखना इस जिम्मेदारी का अहम हिस्सा होगा। इससे एक दिन पहले को भारतीय सेना के कई अधिकारी सेवानिवृत्त हुए। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी। सेना प्रमुख ने राष्ट्र के प्रति उनके निस्वार्थ और समर्पित सेवा भाव की सराहना की। ये अधिकारी बुधवार को अपनी सैन्य सेवा से सेवानिवृत्त हुए। सेना के अनुसार, उनका योगदान केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। अपने अनुभव, मूल्यों और ज्ञान के माध्यम से वे आगे भी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। सेना प्रमुख ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के योगदान को भारतीय सेना की विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। भारतीय सेना ने भी उनके समर्पण और सेवा को सलाम करते हुए उनके भविष्य के प्रयासों के लिए सफलता की शुभकामनाएं दीं। इस तरह एक ओर भारतीय सेना में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का नया अध्याय शुरू हुआ, वहीं दूसरी ओर लंबे समय तक राष्ट्र की सेवा करने वाले अधिकारियों को सम्मान के साथ विदाई दी गई। इसी बीच, सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ और भारतीय सेना के सभी रैंकों ने मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं हैं। इस अवसर पर सेना ने एकीकृत रक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में मुख्यालय की भूमिका के प्रति सम्मान व्यक्त किया। गौरतलब है कि भारतीय हर मोर्चे पर लगातार अपनी तैयारी मजबूत कर रही है बीते सप्ताह ही सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने जम्मू-कश्मीर में चिनार कोर के अग्रिम इलाकों का दौरा किया था।

सीएम रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, सीआर पाटिल और जी. किशन रेड्डी ने दिल्ली में चलाया स्वच्छता अभियान

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, सीआर पाटिल, जी. किशन रेड्डी और कई अन्य नेताओं ने गुरुवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत अलग-अलग सफाई अभियानों में हिस्सा लिया। उन्होंने देशभर में इस आंदोलन को और मजबूत करने के लिए नए सिरे से कोशिशें करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता गुरुवार को ह्यस्वच्छता ही सेवाह्न अभियान के तहत ह्यएक दिन, एक घंटा, एक साथह्न कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने कमला नेहरू रिज पर मरम्मत कार्यों और सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, ह्लप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे ह्यसेवा संकल्प अभियानह्न के अंतर्गत आज ह्यएक दिन, एक घंटा, एक साथह्न स्वच्छता ही सेवा अभियान में कमला नेहरू रिज पर श्रमदान किया। जब दिल्ली एक साथ आगे बढ़ती है, तो बदलाव भी बड़ा होता है। आज हजारों स्वच्छाग्रहियों और साथियों ने अपने श्रम और सेवा से स्वच्छ दिल्ली के संकल्प को नई शक्ति दी है। इस अभियान से जुड़े प्रत्येक साथी का हृदय से आभार। आइए, इसी साथ और इसी संकल्प के साथ अपनी दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाएं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने नई दिल्ली के नवयुग स्कूल का दौरा किया और ह्यस्वच्छता ही सेवाह्न कार्यक्रम में भाग लिया। पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि ह्यस्वच्छ भारतह्न मिशन शुरू हुए लगभग 12 साल हो चुके हैं और इस अभियान को और मजबूत करने की कोशिशें की जा रही हैं। रिजिजू ने कहा, ह्लह्यस्वच्छ भारत मिशनह्न शुरू हुए लगभग बारह साल हो चुके हैं। जब प्रधानमंत्री ने लाल किले से इसकी घोषणा की थी, तब देश भर में ह्यस्वच्छ भारत मिशनह्न से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। अब, हम नए सिरे से इस अभियान को और मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। एनडीएमसी के तहत आने वाले नवयुग स्कूल के अपने दौरे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वह छात्रों में स्वच्छता को लेकर जागरूकता देखकर प्रभावित हुए। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने आज यमुना नदी के तट पर कालिंदी कुंज में आयोजित स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। इस अवसर पर ह्यटीम- जल शक्तिह्न ने एकजुट होकर स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना जी, सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग अशोक के. मीणा जी, सचिव, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग अर्चना वर्मा सहित मंत्रालय व इसके विभिन्न संगठनों के अधिकारी-कर्मचारी, गंगा टास्क फोर्स, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि और स्थानीय समुदाय के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान किया।

ऊर्जा सुरक्षा में नौसेना की अहम भूमिका, चिप उत्पादन में आत्मनिर्भरता पर फोकस : जितिन प्रसाद

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में नौसेना की कमांडर्स कॉन्फ्रेंस चल रही है। यह नौसेना का यह सर्वोच्च स्तर का प्लेटफार्म है, जहां महत्वपूर्ण रणनीतिक निर्णय व संवाद होते हैं। गुरुवार को नौसेना की कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद शामिल हुए। उन्होंने यहां बताया कि देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में नौसेना का महत्वपूर्ण योगदान है। सरकार देश में सेमीकंडक्टर और चिप उत्पादन के क्षेत्र में संप्रभुता मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि एक मजबूत और संकट के समय भी टिकाऊ प्रौद्योगिकी तंत्र तैयार किया जा सके। गौरतलब है कि नौसेना की कमांडर्स कॉन्फ्रेंस 29 सितंबर को शुरू हुई थी और 1 अक्टूबर को इसका अंतिम चरण पूरा हो रहा है। नौसेना कमांडरों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि बदलते तकनीकी दौर में देश की सुरक्षा और तकनीकी क्षमता एक-दूसरे से तेजी से जुड़ रही हैं। ऐसे में अत्याधुनिक तकनीकों को तेजी से अपनाना और उन्हें देश की जरूरतों के अनुरूप विकसित करना बेहद महत्वपूर्ण

है। इस दौरान जितिन प्रसाद को भारतीय नौसेना की ओर से नवाचार, स्वदेशीकरण और नई तकनीकों को अपनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। उन्होंने व्यापक तकनीकी क्षेत्र में एआई, क्वांटम प्रौद्योगिकी और उभरती तकनीकों की बढ़ती उपयोगिता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों का महत्व केवल सामान्य तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रक्षा बलों के लिए भी इनकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने रक्षा व्यापार में मौजूद महत्वपूर्ण अड़चनों और संवेदनशील कड़ियों तथा उभरती तकनीकों के साथ उनके संबंधों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सरकार इन नई तकनीकों को तेजी से और प्रभावी तरीके से अपनाने की दिशा में प्रतिबद्ध है। इसका उद्देश्य ऐसी रक्षा व्यवस्था तैयार करना है जो तकनीक से सक्षम होने के साथ-साथ आत्मनिर्भर और मजबूत भी हो।

अमेरिका जाने के डंकी रूट में इथियोपिया में लापता गुजरात के तीन लोग भारत लौटे

प्रात : किरण, एजेंसी

मेहसाणा। अमेरिका पहुंचने के लिए कथित अवैध प्रवासी मार्ग का इस्तेमाल करने के दौरान इथियोपिया में लापता हुए गुजरात के तीन निवासी भारत लौट आए हैं। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि रुत्विक जंसारी, ममता चावड़ा और मयूरी मुंबई पहुंच चुके हैं और अपने गृह जिले मेहसाणा के लिए रवाना हो गए हैं। लांघणज पुलिस इंस्पेक्टर अंकुश गेहलोत ने बताया कि तीनों आज तड़के करीब 3 बजे विदेश मंत्रालय और स्थानीय अधिकारियों के समन्वय से मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे। इसके बाद वे मेहसाणा के लिए रवाना हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीनों के कथित अपहरणकताओं के तार बाबा खान नेटवर्क से जुड़े होने की बात सामने आई है, हालांकि मामले की जांच अभी जारी है। गेहलोत ने कहा, ह्लकथित अपहरणकताओं के बाबा खान नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी मिली है। मामले की फिलहाल जांच की जा रही है पुलिस के मुताबिक, तीनों ने 20 सितंबर को गुजरात से अपनी यात्रा शुरू की थी। अमेरिका पहुंचाने के लिए कथित एजेंटों को प्रति व्यक्ति लाखों रुपये दिए गए थे। तीनों जयपुर और अबू धाबी होते हुए इथियोपिया पहुंचे थे। 22 सितंबर के बाद परिजनों का उनसे संपर्क टूट गया था। इसके बाद ममता चावड़ा के पिता किरीट चौहान ने लांघणज पुलिस से संपर्क किया था। शिकायत के अनुसार, ममता के पति चिरागकुमार करीब छह महीने पहले स्टूडेंट वीजा पर अमेरिका गए थे। ममता ने कथित तौर पर अमेरिका का वीजा हासिल करने के लिए छह बार प्रयास किया था, लेकिन हर बार असफल रही। इसके बाद परिवार ने कथित तौर पर अवैध रास्ते से अमेरिका भेजने के लिए बिचौलियों से संपर्क किया। गेहलोत के अनुसार, परिवार ने शुरूआत में जितुभाई नाम के एक व्यक्ति से संपर्क किया था। उसने मेहसाणा के एजेंट अल्पेश पटेल से संपर्क कराया। अल्पेश ने इसके बाद उन्हें वडोदरा के भार्गव पटेल से मिलवाया। पुलिस के मुताबिक, तीनों को अमेरिका पहुंचाने के लिए कथित तौर पर प्रति व्यक्ति करीब 75 लाख रुपये में सौदा तय हुआ था। हालांकि, इससे पहले परिवार के सदस्यों ने मीडिया को बताया था कि उन्होंने एजेंटों को प्रति व्यक्ति करीब 70 लाख रुपये दिए थे। इथियोपिया पहुंचने के बाद खुद को खान बताने वाले एक व्यक्ति ने कथित तौर पर परिवार से संपर्क किया और तीनों की रिहाई के बदले एक करोड़ रुपये की मांग की।

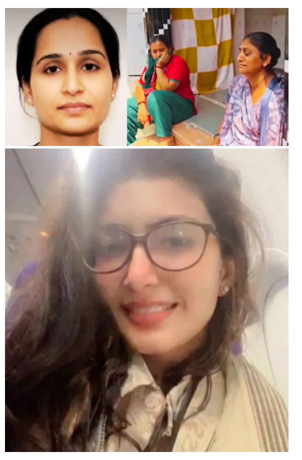

भारत-ईयू एफटीए को लागू करने की दिशा में हुई तेज प्रगति की समीक्षा की गई: पीयूष गोयल

प्रात : किरण, एजेंसी

मिल्वौकी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक के इतर यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस शेफचोविच से मुलाकात की और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हुई प्रगति की समीक्षा की। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर जानकारी देते हुए कहा कि बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-ईयू एफटीए पर हस्ताक्षर और उसे लागू करने की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा, भारत-ईयू ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सुधार और जी20 के साझा प्राथमिकता वाले मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया। गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए दोनों पक्ष लगातार काम कर रहे हैं और मुक्त व्यापार समझौते को प्रभावी बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि भारत और यूरोपीय संघ ने इस वर्ष 27 जनवरी 2026 को मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता सफलतापूर्वक पूरी की थी। इस समझौते पर बातचीत की प्रक्रिया वर्ष 2007 में शुरू हुई थी, लेकिन लंबे समय तक ठहरी रहने के बाद इसे 2022

में फिर से शुरू किया गया था। समझौते को लागू करने की दिशा में इस महीने एक और महत्वपूर्ण कदम तब उठा, जब यूरोपीय आयोग ने इसे हस्ताक्षर और अंतिम मंजूरी के लिए ईयू परिषद को भेज दिया। इससे पहले सितंबर में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा था कि लगभग 17 वर्षों की बातचीत के बाद पूरा हुआ भारत-ईयू एफटीए दोनों पक्षों के बीच व्यापार और निवेश के नए अवसर खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा था कि तकनीकी हस्तांतरण, स्थानीय विनिर्माण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत के औद्योगिक विकास के अगले चरण की आधारशिला बन सकते हैं। जितिन प्रसाद ने इस बात पर भी जोर दिया था कि भारत में निवेश करने वाली विदेशी कंपनियों को केवल निवेश तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि संयुक्त उद्यमों और तकनीकी हस्तांतरण के माध्यम से देश की विनिर्माण और तकनीकी क्षमताओं को भी मजबूत करना चाहिए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्वच्छता ही सेवा 2026ह्न के तहत किया श्रमदान, डॉ. राजीव बहल ने किया नेतृत्व

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को ह्यस्वच्छता ही सेवा 2026ह्न अभियान के तहत राजधानी दिल्ली में एक विशेष श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया। यह स्वैच्छिक स्वच्छता अभियान नई दिल्ली के डॉ. राजेंद्र प्रसाद मार्ग स्थित कर्तव्य भवन-1 के गेट नंबर 3 के पास आयोजित किया गया। इस अभियान का नेतृत्व स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने किया। इस मौके पर मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे और उन्होंने पूरे उत्साह के साथ सफाई अभियान में हिस्सा लिया। अभियान में नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) की अतिरिक्त सचिव और मिशन निदेशक आराधना पटनायक, नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (एनएसीओ) के अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक डॉ. राकेश गुप्ता, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (जीडीएचएस) डॉ. लोवनीश जी. कृष्णा सहित मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए। अधिकारियों और कर्मचारियों ने ह्यएक दिन, एक घंटा, एक साथह्न कैंपेन की थीम के साथ पूरे जोश और लगन से साफ-सफाई की और सामूहिक प्रयास की भावना को दोहराया। सभी ने हाथों में झाड़ू लेकर परिसर की सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया।

स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के मामले में मध्य प्रदेश सरकार फेल: राहुल गांधी

बालाघाट। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुरुवार को मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में कुपोषण और बीमारियों से जान गंवाने वाले आदिवासी बच्चों के परिवार से मिलने पहुंचे, जहां उन्होंने राज्य सरकार के स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के मामले में पूरी तरह फेल होने का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने आदिवासियों से वादा किया है कि वह उनकी समस्याओं को लोकसभा में उठाएंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी गुरुवार को बालाघाट जिले के जगला गांव पहुंचे। यह गांव बैगा आदिवासियों का है और यहां के कई परिवारों ने अपने बच्चों को बीमारी के चलते खोया है। राहुल गांधी ने पीड़ित परिवारों से संवाद किया और उनकी बात सुनी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि बीमारी और कुपोषण के कारण बच्चों की मौत हुई और जो सरकार को सहयोग करना चाहिए वह नहीं किया। स्वस्थ, शिक्षा, रोजगार बंद पड़ा है। यहां जमीन का मुद्दा है, मनरेगा का मुद्दा है, वन अधिकार कानून (पट्टे) का मुद्दा है, यहां पर कोई भी सपोर्ट नहीं किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि यहां बहुत बच्चों की मौत हुई। आधे लोगों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। सरकार से मांग है कि वह अपनी जिम्मेदारी को पूरा करे। आदिवासियों को पट्टा मिलना चाहिए, रोजगार मिलना चाहिए, अस्पताल हो और स्कूल हो। नेता प्रतिपक्ष ने बगैर किसी का नाम लिए कहा कि 24 घंटे विकास की बात करते हैं, 24 घंटे भ्रष्टाचार होता है, मगर आदिवासी को जब जरूरत है आप गायब हो गए। विपक्ष की तरफ से कांग्रेस पार्टी की तरफ से यह संदेश देना चाहता हूं कि सरकार अपना काम करे, यहां पर शिक्षा की सुविधा दी जाए, अस्पताल बनाए जाए।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने यशवंत पैलेस में चलाया स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में पूरे देश में ह्यस्वच्छता ही सेवा 2026ह्न अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को राजधानी दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित यशवंत पैलेस मार्केट में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान वह खुद हाथों में झाड़ू लेकर सफाई करते नजर आए। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री के साथ संबंधित विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी भी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर मार्केट परिसर में साफ-सफाई की और लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने भी अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि गांधी जयंती से लेकर 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती तक, लगभग 30 दिनों के लिए सभी को पूरे देश में ह्यस्वच्छ भारत अभियानह्न कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए। उन्होंने देश के सभी लोगों से इस अभियान में हिस्सा लेने की अपील की है। उन्होंने कहा, ह्लकल से पूरे देश में भारत सरकार, अलग-अलग राज्य सरकारें, सरकारी और प्राइवेट शिक्षण संस्थान, सरकारी और प्राइवेट दफ्तर, एनजीओ, कॉलोनियों के संगठन और स्वच्छ भारत वॉरियर्स यानी सफाई कर्मचारी, ये सभी मिलकर 30 दिनों का अभियान चलाएंगे। स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। केंद्रीय मंत्री ने ई-वेस्ट को लेकर भी एक महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

उन्होंने कहा कि तीनों सेनाएं जब मिलकर काम कर रही हैं, तो उनके वित्तीय तंत्र भी एकीकृत हों......

रक्षा लेखा विभाग को भी संयुक्तता और एकीकरण की दिशा में बढ़ना चाहिए : राजनाथ सिंह

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि जिस तरह आज भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच संयुक्तता और एकीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है, उसी भावना को रक्षा लेखा विभाग के वित्तीय तंत्र में भी लागू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाएं जब मिलकर काम कर रही हैं, तो उनके वित्तीय तंत्र भी एकीकृत हों, तो इससे पूरी रक्षा प्रबंधन व्यवस्था और अधिक प्रभावी और कुशल बन सकती है। राजनाथ सिंह ने गुरुवार को रक्षा लेखा विभाग के 279वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा लेखा विभाग रक्षा मंत्रालय का एक ऐसा साझा सूत्र है, जिससे मंत्रालय के लगभग सभी काम किसी न किसी रूप में जुड़े हुए हैं। उन्होंने

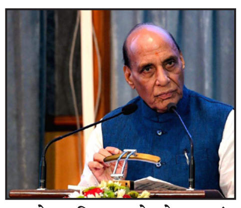

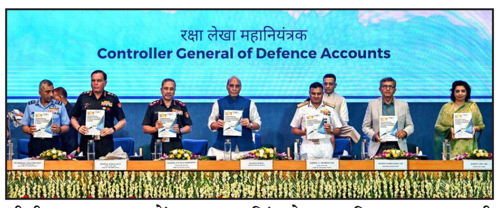

रक्षा लेखा विभाग को पूरे रक्षा तंत्र की रीढ़ बताया। राजनाथ सिंह ने कहा, ह्लपिछले वित्त वर्ष, यानी 2025-26 में हमारी जो व्यय बुकिंग रही है, वह लगभग 100 प्रतिशत रही है। यह आपके और तीनों सेवाओं के संयुक्त प्रयासों का बहुत ही बड़ा पड़ाव है, बहुत ही अच्छा उदाहरण है। यह उपलब्धि आपकी प्रतिबद्धता, आपकी कड़ी मेहनत, और आपकी कार्यकुशलता को दिखाती है। और मैं चाहूंगा कि इस वर्ष भी, आप उसी गति को बरकरार रखें, उसी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें। राजनाथ सिंह ने कहा कि अब बजट की शेष राशि केवल वार्षिक समीक्षा तक सीमित रहने के बजाय ऐसी व्यवस्था की जरूरत है जिसमें किसी भी समय वित्तीय स्थिति की जानकारी मिल सके। उन्होंने रक्षा लेखा विभाग के 279वें स्थापना दिवस पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ह्ल मैं आप सभी को, रक्षा लेखा विभाग के, 279वें स्थापना दिवस पर, शुभकामनाएं देता हूं। किसी भी संस्था के लिए, लगभग तीन शताब्दियों तक काम करते रहना, गौरव का विषय होता है। रक्षा लेखा विभाग की जो इतनी बड़ी विरासत है, उसको आप सबने न सिर्फ बनाए रखा है, बल्कि आगे बढ़ाने का भी काम किया है। इसके लिए, आप सभी बधाई के पात्र हैं। रक्षा मंत्री ने गुणवत्ता लेखा-परीक्षण के क्षेत्र में देश और दुनिया में उपलब्ध बेहतर कार्यप्रणालियों को अपनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता लेखा-परीक्षण के क्षेत्र में जो बेहतर कार्यप्रणालियां राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध हैं, उन्हें अपनाएं, उन्हें आत्मसात करें, अपने कार्य क्षेत्र में लागू करने का प्रयास करें, और देश-दुनिया के साथ आगे बढ़ें। रक्षा मंत्री ने रक्षा लेखा विभाग में एआई के इस्तेमाल को बढ़ाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने विभाग से ऐसी बातचीत आधारित एआई व्यवस्था तैयार करने का प्रयास करने को कहा, जिसमें संपर्क के अलग-अलग माध्यमों को जोड़ा जा सके।

फ्रांस में नौसेना का त्रिशूल, वरुण में दिखी भारत-फ्रांस की समुद्री साझेदारी

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली । भारत और फ्रांस की नौसेनाओं के बीच होने वाला द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास ह्यवरुणह्न एक बार फिर दोनों देशों की मजबूत समुद्री साझेदारी का प्रतीक बना है। भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस त्रिशूल फ्रांस के टूलॉन बंदरगाह पहुंचा। यहां भारतीय युद्धपोत ने अभ्यास ह्यवरुणह्न के 24वें संस्करण में हिस्सा लिया। अभ्यास में एनएच90 हेलीकॉप्टरों और अटलांटिक-2 समुद्री गश्ती विमानों ने भी हिस्सा लिया। दोनों नौसेनाओं ने पनडुब्बी रोधी युद्ध, सतह पर मौजूद लक्ष्यों के खिलाफ अभियान

और वास्तविक फायरिंग अभ्यास किए। इसके अलावा दोनों नौसेनाओं के हेलीकॉप्टरों की एक-दूसरे के जहाजों पर उतरने की गतिविधियां भी की गईं। इन अभ्यासों से समुद्र में दोनों नौसेनाओं के बीच संचालन क्षमता, तालमेल और आपसी समझ को और बेहतर करने का अवसर मिला। सबसे पहले टूलॉन पहुंचने पर फ्रांसीसी नौसेना ने आईएनएस त्रिशूल का गर्मजोशी से स्वागत किया। जहाज को औपचारिक जल तोपों की सलामी दी गई। इसके बाद बंदरगाह चरण में दोनों नौसेनाओं के बीच पेशेवर, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां हुईं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच आपसी समझ, समुद्री सहयोग और पेशेवर संबंधों को और मजबूत करना था। आईएनएस त्रिशूल के कमांडिंग ऑफिसर ने फ्रांसीसी नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने रियर एडमिरल मैकारा ऊक, संचालन के लिए उपकमांडर-इन-चीफ से भी मुलाकात की।

मुनस्यारी के दूरस्थ गांव नामिक, भदेली तक पहुंचेंगे वाहन, बनेंगी सड़कें

पिथौरागढ़, एजेंसी। आखिरकार मुनस्यारी विकासखंड के दूरस्थ गांव नामिक और भदेली तक सड़क पहुंचने की उम्मीद जगी है। दोनों गांवों को जोड़ने के लिए सड़कों के निर्माण को स्वीकृति मिली है। लोनिवि जल्द सर्वे, डीपीआर तैयार कर इसे शासन को भेजेगा। मुनस्यारी के दूरस्थ गांव नामिक और भदेली तक सड़क न पहुंचने से यहां की दो हजार से अधिक आबादी दुश्वारियां झेल रही है। ग्रामीणों के लिए पैदल सफर करना मजबूरी है। यहां तक कि बीमारों और गर्भवतियों को डोली के सहारे अस्पताल पहुंचाना नियती बना है। लंबे समय से ग्रामीण सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे। आखिरकार उनकी आवाज सिस्टम के कानों तक पहुंची है। दोनों गांवों को जोड़ने के लिए सड़क को स्वीकृति मिलने से ग्रामीणों में खुशी है। लोनिवि जल्द सड़कों का सर्वे कर डीपीआर शासन को भेजेगा। हिमालय के नजदीक बसे नामिक और भदेली गांव आलू और राजमा उत्पादन के लिए प्रसिद्ध हैं। गांवों में आलू और राजमा का उत्पादन तो खूब होता है। सड़क न होने से ग्रामीणों के लिए इन उत्पादों को बाजार तक पहुंचाना मुश्किल है। मजदूरों के भाड़े में अधिक खर्च होने से किसानों का इन उत्पादों का उचित दाम भी नहीं मिल रहा है। सड़क बनने के बाद किसान आलू-राजमा को आसानी से बाजार तक पहुंचा सकेंगे और उन्हें इनकी उचित कीमत मिलेगी।

37 घंटे बाद खुली झूलाघाट सड़क, मिली राहत

झूलाघाट, एजेंसी। आखिरकार 37 घंटे बाद पिथौरागढ़-झूलाघाट सड़क पर आवाजाही शुरू हुई। यातायात बहाल होने से क्षेत्र के लोग जरूरी काम से बाहर निकल सके। दरअसल, नेपाल सीमा पर झूलाघाट कस्बे सहित आसपास के 20 से अधिक गांवों को जोड़ने वाली सड़क जामिरपानी के पास बोल्डर और मलबा गिरने से बीते सोमवार सुबह करीब नौ बजे बंद हो गई थी। ऐसे में क्षेत्र के लोगों का जरूरी काम से जिला मुख्यालय पहुंचना मुश्किल हो गया था। पहाड़ी से बोल्डर गिरने बंद हुए तो लोनिवि ने बुधवार दोपहर को काम शुरू किया। बमुश्किल शाम चार बजे मलबा और बोल्डर हटाकर सड़क पर आवाजाही सुचारू कराई गई इससे क्षेत्र के लोगों को राहत मिली। विधायक बिशन सिंह चुफाल ने मौके पर पहुंचकर लोनिवि को सड़क के दोनों तरफ चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। इस मौके पर नायब तहसीलदार युगल किशोर पांडे, कानूनगो जीवन लाल वर्मा, लोनिवि की जेई दीपा बोहरा, भूपेंद्र प्रसाद, मनोज धरियाल आदि मौजूद रहे।

बच्चों की प्रतिभा, रचनात्मक्ता और सपनों को मंच मिलना जरूरीः शिक्षा मंत्री

हल्द्वानी, एजेंसी। सेवा संकल्प अभियान व 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत कार्यक्रम के तहत बुधवार को यहां गोरापड़ाव स्थित एक निजी स्कूल में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उनके सपनों को मंच प्रदान करने का सबसे मजबूत माध्यम बनते हैं। कार्यक्रम के जिला संयोजक और बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य योगेश सिंह रजवार ने बताया कि 25, 26 एवं 28 सितंबर को नैनीताल जिले के सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं कराई गई थी। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों में से 20 बच्चों का जिला स्तरीय कार्यशाला के लिए चयन किया गया। उन्होंने बताया कि भाषण प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में भवाली की मोबिन जहां प्रथम, हल्द्वानी की हर्षिता पनेरू और रामनगर के सोमक्ष श्रीवास्तव द्वितीय और मल्ला रामगढ़ के शिवम सिंह व रामनगर की निधि सजवाण तृतीय रहे। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, दायित्वधारी सुरेश भट्ट, ध्रुव रौतेला, देवेंद्र ढेला, दिनेश आर्या, जिला पंचायत अध्यक्षा दीपा दर्मवाल, मनोज साह, नैनीताल जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष रविंद्र रैकुनी, निश्चल पांडे आदि मौजूद रहे।

हर माह 50 यूनिट रक्तदान से जरूरतमंदों को राहत

नैनीताल, एजेंसी। जरूरत के समय रक्त की उपलब्धता किसी मरीज के लिए जीवनदान साबित होती है। नैनीताल में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति लोगों की जागरूकता से बीडी पांडे अस्पताल के ब्लड बैंक में सालभर रक्त की उपलब्धता बनी हुई है। यहां हर माह औसतन 50 यूनिट रक्तदान होता है, जबकि अस्पताल में 40 से 50 यूनिट रक्त की खपत रहती है। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर रक्तदान के महत्व के साथ ही अधिक से अधिक लोगों से इस मुहिम से जुड़ने की अपील की जा रही है। बीडी पांडे अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. प्रियांशु श्रीवास्तव ने बताया कि नैनीताल के लोग लगातार स्वैच्छिक रक्तदान कर रहे हैं। रक्तदान पुण्य का काम है। इससे जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। वहीं, अयारपाटा वार्ड के सभासद मनोज साह जगाती अब तक 38 बार स्वैच्छिक रक्तदान कर चुके हैं। उन्होंने अस्पतालों में स्थानीय रक्तदाताओं के नाम और मोबाइल नंबर की सूची प्रदर्शित करने की मांग की, ताकि जरूरतमंद मरीजों के तीमारदार आसानी से रक्तदाताओं से संपर्क कर सकें।

यूपीएल में प्रतिभाओं का दम, मैदान में दिखाया जलवा

देहरादून, एजेंसी। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में चल रही उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) के इस सत्र में उत्तराखंड की नई क्रिकेट प्रतिभाएं अपने प्रदर्शन से लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। टूर्नामेंट के आंकड़ों में जहां बल्लेबाजों के बल्ले से चौकों-छक्कों की बौछार देखने को मिल रही है। वहीं गेंदबाज भी विकेटों की झड़ी लगाकर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। रनों के मामले में विजय शर्मा सबसे आगे चल रहे हैं। उन्होंने अब तक 221 से अधिक रन बनाए हैं। उनके बाद युवराज चौधरी 183 रन और आंजनेया सूर्यवंशी 182 रन के साथ मौजूद हैं। इस सत्र की अब तक की एकमात्र शतकीय पारी दीक्षांशु नेगी के बल्ले से निकली। उन्होंने नाबाद 108 रन की तूफानी पारी खेलकर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अर्धशतक लगाने के मामले में भी विजय शर्मा आगे हैं। उन्होंने तीन बार पचास रन का आंकड़ा पार किया है। युवराज चौधरी और आंजनेया सूर्यवंशी ने दो-दो अर्धशतक लगाए हैं। छक्के लगाने के मामले में विजय शर्मा का दबदबा कायम है। उन्होंने अब तक 24 छक्के जड़े हैं। आंजनेया सूर्यवंशी के नाम 13 और युवराज चौधरी के नाम 12 छक्के हैं। चौकों के मामले में शतकवीर दीक्षांशु नेगी 17 चौकों के साथ सबसे आगे हैं।

भवन को दरार से खतरा, दो परिवार शिफ्ट

चंपावत, एजेंसी। विकासखंड चंपावत के चनोला तोक में एक आवासीय भवन के आंगन में दरार आने की सूचना पर तहसील प्रशासन ने निरीक्षण किया। स्थिति गंभीर देख प्रशासन ने रमेश सिंह कठायत और गिरधर सिंह के परिवारों को सुरक्षा के लिए देव सिंह कठायत के मकान में शिफ्ट किया। उपजिलाधिकारी बीसी पंत ने मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त आंगन से आवासीय भवन को खतरा बना हुआ है।

हनुमान अंश' प्रभाव!

बाबा नीम करोली के दर्शन को वीकेंड पर उमड़ रही भारी भीड़, अब सरकार का है ये प्लान

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के नैनीताल जिले में स्थित बाबा नीम करौली (नीब करौरी) और कैंची धाम की ख्याति विश्व प्रसिद्ध है. एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स, फेसबुक/मेटा के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग समेत कई देसी और विदेशी हस्तियां कैंची धाम के दर्शन कर चुके हैं. हर साल लाखों लोग कैंची धामी में बाबा नीब करौरी के दर्शन के लिए आते हैं. मान्यता है कि बाबा नीब करौरी को उनके भक्त हनुमान जी का अवतार मानते हैं और उन्हें चमत्कारिक सिद्धियों व असीम करुणा वाले संत के रूप में पूजते हैं. लेकिन इन दिनों फिल्म 'हनुमान अंश' के कारण बाबा नीब करौरी और कैंची धाम की चर्चा देशभर में हो रही है. इसने लोगों की जिज्ञासा को और भी बढ़ा दिया है.

हाल ही में रिलीज हुई कैंची धाम वाले बाबा नीब करौरी (बाबा नीम करौली) के जीवन पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' ने देश दुनिया में सुर्खियां बटोरी है. विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी 2 करोड़ की लागत वाली फिल्म वर्ल्ड वाइड 408 करोड़ रुपए का कारोबार कर चुकी है. फिल्म देखने के बाद देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु और पर्यटक कैंची धाम पहुंच रहे हैं.

कई लोगों के लिए यह सिर्फ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा नहीं, बल्कि उस स्थान को करीब से महसूस करने की कोशिश है, जिस कहानी को उन्होंने फिल्म के जरिए जाना है. यही वजह है कि फिल्म के बाद कैंची धाम में आने वाले लोगों की आवाजाही को लेकर स्थानीय स्तर पर भी बदलाव महसूस किया जा रहा है. इन दिनों पहले के मुताबिक अब भीड़ बेहद अधिक होने लगी है.

नैनीताल पुलिस का मानना है, फिल्म के रिलीज होने के बाद कैंची धाम आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा हुआ है. जहां पहले 4 से 5 हजार श्रद्धालु हर दिन बाबा के दर्शन के लिए धाम पहुंचते थे, वहीं अब रोजाना लगभग 6 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जो कि पहाड़ की क्षमता के लिहाज के काफी अधिक है. खास बात है कि ये आंकड़ा वीकेंड पर 15 से 20 हजार के करीब पहुंच जाता है.

फिल्म ने जोड़ा नया आकर्षणः कैंची धाम उत्तराखंड के नैनीताल अल्मोड़ा मार्ग पर भवाली से करीब 9 किलोमीटर की दूरी पर शिप्रा नदी के किनारे स्थित आध्यात्मिक स्थल है. बाबा नीब करौरी महाराज का इस स्थान से गहरा जुड़ाव रहा है. देश विदेश की कई चर्चित हस्तियों के कैंची धाम पहुंचने के बाद पिछले कुछ वर्षों में इसकी चर्चा लगातार बढ़ी है. अब फिल्म 'हनुमान अंश' ने इस चर्चा में एक नया अध्याय जोड़ दिया है. फिल्म के जरिए बाबा की जीवन यात्रा और उनसे जुड़ी मान्यताओं को देखने के बाद लोगों में उस स्थान तक पहुंचने की इच्छा बढ़ी है, जहां बाबा ने साधना और सेवा का लंबा समय बिताया.

करीब एक सप्ताह पहले फिल्म 'हनुमान अंश' फिल्म देखी थी. फिल्म देखने के बाद कैंची धाम जाने की उनकी इच्छा पहले से कई अधिक मजबूत हो गई. फिल्म के प्रसंगों ने बाबा नीब करौरी से जुड़े जीवन को जानने की उत्सुकता बढ़ाई और इसके बाद कैंची धाम पहुंचकर बाबा के दर्शन करना, उनके लिए जरूरी सा हो गया.

विक्रम ने कैंची धाम की दर्शन व्यवस्था को बेहतर बताया. कैंची धाम के साथ भीमताल और नैनीताल स्थित मां नयना देवी मंदिर में भी दर्शन किए. वहीं साथ आए प्रवीण का कहना है कि,

कैंची धाम से नैनीताल तकः कैंची धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा केवल मंदिर तक सीमित नहीं रही है. बड़ी संख्या में लोग दर्शन के बाद नैनीताल, भीमताल और आसपास के पर्यटन स्थलों की ओर भी जा रहे हैं. इसका सीधा असर स्थानीय पर्यटन और कारोबार की गतिविधियों पर दिखाई देता है. नैनीताल में होटल एसोसिएशन से जुड़े कमल बताते हैं कि,

कैंची धाम की बढ़ती लोकप्रियता का असर स्थानीय व्यापार किस कदर हो रहा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी, नाव संचालन और स्थानीय दुकानों से जुड़े कारोबारियों को श्रद्धालुओं और पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही से नए अवसर मिलने की उम्मीद है. होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट का कहना है,

हनुमान अंश के सिनेमाघरों में आने के बाद कैंची धाम पर्यटन को अच्छा प्रोत्साहन मिला है. दूर दराज से बाबा के भक्त दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, जिससे आसपास के पर्यटन कारोबार को भी लाभ मिल रहा है. धार्मिक विषयों पर बनने वाली फिल्मों को टैक्स फ्री करने पर विचार करने की मांग के साथ उत्तराखंड के प्रमुख धार्मिक स्थलों और उनसे जुड़ी मान्यताओं पर डॉक्यूमेंट्री बनाने का सुझाव भी दिया है.

भीड़ ने बढ़ाई व्यवस्थाओं की चुनौतीः कैंची धाम में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के साथ व्यवस्थाओं की चुनौती भी बढ़ रही है. नैनीताल एसएसपी मंजुनाथ टीसी का कहना है,

09 महीने में करीब 50 लाख श्रद्धालुओं के दर्शनः कैंची धाम की बढ़ती आस्था और लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि साल 2026 में सितंबर माह यानी 9 महीने में करीब 50 लाख श्रद्धालुओं ने कैंची धाम के दर्शन कर लिए हैं. इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही ने कैंची धाम को सिर्फ धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि उत्तराखंड के बड़े धार्मिक-पर्यटन स्थलों में शामिल कर दिया है. यही वजह है कि अब सरकार के सामने चुनौती केवल श्रद्धालुओं को धाम तक पहुंचाने की ही नहीं, बल्कि बढ़ती भीड़ के अनुरूप पूरे क्षेत्र के परिवहन और पर्यटन ढांचे को तैयार करने की भी है.

प्रदेश में एसआईआर खत्म, डाटा फ्रीज हुआ, तीन अक्तूबर को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची

देहरादून, एजेंसी। पहले अंतिम सूची 15 सितंबर को जारी होनी थी, पर पांच जिलों के मतदाताओं के यूपी से सत्यापन के कारण तिथि बदली गई। उत्तराखंड में चुनाव आयोग का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सोमवार रात 12 बजे समाप्त हो गया। इसके साथ ही आयोग ने पूरा डाटा फ्रीज कर दिया है। अब तीन अक्तूबर को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी।

इससे स्पष्ट होगा कि कितने वोट कटे और कितने नए मतदाता जुड़े। चुनाव आयोग ने आठ जून से एसआईआर की शुरुआत की थी। मतदाताओं को गणना प्रपत्र भेजे गए, जो सात जुलाई तक भरकर वापस लिए गए। 14 जुलाई को आयोग ने ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की थी। दावे और आपत्तियां 14 जुलाई से 13 अगस्त तक दर्ज करने का मौका दिया गया। इनकी सुनवाई और निस्तारण 10 जुलाई से 28 सितंबर तक हुआ। पहले अंतिम सूची 15 सितंबर को जारी होनी थी, पर पांच जिलों के मतदाताओं के यूपी से सत्यापन के कारण तिथि बदली गई। सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास ने बताया कि अब पूरा डाटा फ्रीज हो चुका है। इसमें किसी भी तरह का कोई बदलाव संभव नहीं है। छूटे हुए, नए मतदाताओं को फॉर्म-6 भरकर दोबारा मतदाता बनने का मौका दिया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से चलाया गया मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान लगातार मतदाताओं से जुड़ने का माध्यम बना रहा। प्री-एसआईआर के दौरान करीब पांच लाख ऐसे वोट हटाए गए जो शिफ्ट हो चुके थे या निधन हो गया था। एसआईआर में बीएलओ ने घर-घर गणना प्रपत्र पहुंचाए। ड्राफ्ट सूची के बाद करीब आठ लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम के निर्देश पर सोमवार को बैठक हुई। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे ने इसकी अध्यक्षता की। इसमें मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को एसआईआर कार्यक्रम की जानकारी दी गई। डॉ. जोगदंडे ने बताया कि दावे-आपत्तियों का निस्तारण सोमवार को पूरा हो गया। नागरिक ऑनलाइन ईसीआई-नेट या बीएलओ के माध्यम से फॉर्म-6 भरकर नाम जुड़वा सकते हैं। बैठक में भारतीय जनता पार्टी से राजकुमार पुरोहित, इंडियन नेशनल कांग्रेस से राजेंद्र सिंह भंडारी और प्रशांत खंडूरी, बसपा से सत्यपाल और सतेंद्र चोपड़ा, आम आदमी पार्टी से अशोक सेमवाल तथा सीपीआई(एम) से अनंत आकाश उपस्थित रहे।

प्रमाणपत्र फर्जीवाड़ाः

तीन और एमबीबीएस अभ्यर्थियों के दाखिले रद्द, सत्यापन के बाद तीसरी सूची जारी

देहरादून, एजेंसी। दो चरणों की काउंसलिंग पूरी हो चुकी है। इसमें आवंटित की गई सीटों में कई अभ्यर्थियों के दस्तावेज संदिग्ध मिले थे। इसके बाद विवि की ओर से अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन के लिए संबंधित जिलों को भेजे गए थे। सत्यापन के बाद जिला प्रशासन की ओर से विवि को रिपोर्ट भेजी काउंसलिंग भी शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि अब तो दो चरणों की काउंसलिंग पूरी हो चुकी है। इसमें आवंटित की गई सीटों में कई अभ्यर्थियों के दस्तावेज संदिग्ध मिले थे।

इसके बाद विवि की ओर से अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन के लिए संबंधित जिलों को भेजे गए थे। सत्यापन के बाद जिला

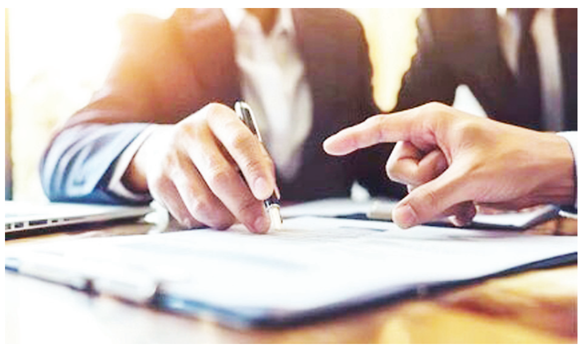

गई। फर्जी प्रमाणपत्र लगाकर दाखिला पाने वाले तीन और एमबीबीएस अभ्यर्थियों के दाखिले रद्द कर दिए गए हैं। एचएनबी मेडिकल विश्वविद्यालय की ओर से सत्यापन होने के बाद बुधवार को तीसरी सूची जारी की गई है। दो छात्रों में ओबीसी कोटा लगाया था जबकि एक ने अनाथ प्रमाणपत्र लगाया था।

इससे पहले 16 अभ्यर्थियों के दाखिले रद्द किए जा चुके हैं। अब रद्द होने वाले दाखिलों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। इसके अलावा तीसरे चरण की प्रशासन की ओर से विवि को रिपोर्ट भेजी गई। इसके आधार दाखिले रद्द किए गए हैं। इसके अलावा प्रमाणपत्र फर्जीवाड़े में पुलिस की ओर से एसआईटी का भी गठन किया गया है। अब तक कई आरोपियों को इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है।

तीसरे चरण की काउंसलिंग शुरू हो गई है। अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन के लिए जिला प्रशासन को भेजे जा रहे हैं। किसी भी स्तर पर फर्जीवाड़े को स्थान नहीं मिलेगा। प्रमाणपत्रों की बारीकी से जांच की जा रही है।

भाजपा के राज्यसभा प्रत्याशी की घोषणा जल्द, 15 दावेदारों के नाम बोर्ड को भेजे

देहरादून, एजेंसी। पार्टी मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि राज्य की कोर कमेटी में सामने आए सभी 15 नामों को केंद्रीय पार्लियामेंट्री बोर्ड में भेजा गया है। भाजपा ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए दावेदारों के 15 नाम ही केंद्रीय पार्लियामेंट्री बोर्ड को भेज दिए हैं। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि जल्द ही उनके प्रत्याशी की घोषणा हो जाएगी। उधर, उन्होंने प्रदेश के अधिकांश कॉलेजों में एबीवीपी की जीत को युवाओं में राष्ट्रवादी विचारों की मजबूती का संकेत बताया है। पार्टी मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में भट्ट ने कहा कि राज्य की कोर कमेटी में सामने आए सभी 15 नामों को केंद्रीय पार्लियामेंट्री बोर्ड में भेजा गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एक-दो दिन के अंदर सेंटर पार्लियामेंट्री बोर्ड हमारे यहां प्रत्याशी की घोषणा कर देगा। छह अक्तूबर नामांकन की अंतिम तिथि है। तब तक हमारा प्रत्याशी विधिवत रूप से नामांकन भरेगा और जीतेगा भी। वहीं, भट्ट ने कहा कि राज्य के सबसे बड़े छात्र संघ डीएवी अध्यक्ष समेत अधिकांश कॉलेजों में विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं की जीत पर खुशी मनाई जा रही है। कहा कि प्रदेश के युवा राष्ट्रवादी शक्ति के साथ ही खड़े हैं। उन्होंने छात्र संघ चुनाव को लेकर कांग्रेस की आपत्तियां को बेबुनियाद एवं हार की खीज बताया है। कहा, वे पुलिस प्रशासन के दुरुपयोग के झूठे आरोप लगा रहे हैं। पीएम के दौरे पर भट्ट ने कहा कि पीएम मोदी का कार्यक्रम जब भी होगा, भव्य एवं शानदार होगा। फिलहाल केदारनाथ और टिहरी का उनका कार्यक्रम प्रस्तावित है। शीघ्र तारीख तय होगी तो संगठन तैयारियों को अंतिम रूप देगा। साथ ही राहुल प्रियंका के कुमाऊं दौरों के सवाल पर कहा कि ये चुनावी वर्ष है। वे भी चुनावी यात्रा पर आ रहे हैं। उन्हें आना भी चाहिए और कोई नई बात नहीं है। भाजपा को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने रामशरण नौटियाल के इस्तीफे की चर्चा को लेकर स्पष्ट किया कि अभी तक न तो उनके पास कोई इस्तीफा आया है, न जिलाध्यक्ष के पास। लिहाजा इस संबंध में जो भी स्पष्टीकरण होगा, वो रामशरण नौटियाल की तरफ से ही आ सकता है।

धरासू नहीं, अब कहीं और निजी भूमि पर लगेगा सोलर प्लांट, नियामक आयोग ने दी हरी झंडी

देहरादून, एजेंसी। अब निजी भूमि पर सोलर प्लांट लगाने की तैयारी है। नियामक आयोग ने इसके लिए हरी झंडी दे दी है। वन अनुमति के इंतजार, यूपीसीएल के निकासी पर ऐतराज के बीच अब नियामक आयोग ने धरासू सोलर प्रोजेक्ट पर फैसला सुना दिया है।

यह प्रदेश में कहीं अन्य जगह निजी भूमि पर लगेगा। अगले साल 31 मार्च तक इसे पूरा करना होगा। इसका टैरिफ पूर्व निर्धारित 3.88 रुपये प्रति यूनिट ही रहेगा।

उत्तरकाशी के चिन्यालीसौड़ स्थित धरासू में प्रस्तावित चार मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था।

यूजेवीएनएल ने धरासू पावर हाउस परिसर में चार मेगावाट सौर संयंत्र लगाने के लिए निविदा आमंत्रित की थी, जिसमें द्वारका फिदातो रिन्यूएबल्स प्राइवेट लिमिटेड को काम मिला और दोनों के बीच अगस्त 2024 में पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) हुआ था।

परियोजना के करीब एक मेगावाट हिस्से पर वन विभाग के पेड़ होने के कारण एनओसी अटक गई।

इस बीच 40 प्रतिशत भूमि समतलीकरण पूरा होने के बाद यूपीसीएल ने अप्रैल 2025 में यह कहते हुए हाथ खड़े कर दिए कि क्षेत्र में छोटे सोलर प्रोजेक्ट को तकनीकी स्वीकृति मिलने के कारण धरासू सब स्टेशन से इस चार मेगावाट बिजली की निकासी संभव नहीं।

प्रोजेक्ट अटकने और निवेश फंसने पर डेवलपर ने नियामक आयोग का दरवाजा खटखटाया था। आयोग के निर्देश पर यूजेवीएनएल, यूपीसीएल और कंपनी के बीच तीन सितंबर को बैठक हुई, जिसमें आपसी सहमति से समाधान निकाला गया।

आयोग के अध्यक्ष एमएल प्रसाद, सदस्य विधि अनुराग शर्मा एवं सदस्य तकनीकी प्रभात किशोर डिमरी की पीठ ने इस समझौते को राज्य हित में स्वीकार करते हुए याचिका का निस्तारण कर दिया।

अब विकासकर्ता को अपने खर्च पर नई निजी जमीन पर टीएफआर के लिए आवेदन करना होगा, जिस पर यूपीसीएल को पांच दिन के भीतर जांच करनी होगी।

प्रोजेक्ट निजी भूमि पर जाने के कारण यूजेवीएनएल को मिलने वाला आठ प्रतिशत का रेगुलेटरी मार्जिन समाप्त कर दिया गया है।

अपने ही विद्यार्थियों संग शराब पीता पकड़ा गया अतिथि शिक्षक

झूलाघाट, एजेंसी। अटल उत्कृष्ट विद्यालय के एक अतिथि शिक्षक को अपने ही चार विद्यार्थियों के साथ शराब पीते हुए पकड़ा गया है। यह घटना तब सामने आई जब अभिभावकों ने देर रात बच्चों को गेस्ट हाउस में शिक्षक के साथ पाया।

पुलिस ने शिक्षक अजय सिंह को माफीनामे और 20 हजार रुपये के निजी मुचलके पर रिहा किया है।

जानकारी के अनुसार बीते सोमवार को जामिरपानी के पास पिथौरागढ़-झूलाघाट सड़क बोल्डर गिरने से बंद हो गई थी। इस कारण अटल उत्कृष्ट विद्यालय में तैनात अतिथि शिक्षक अजय सिंह अपने घर रई नहीं लौट सका। झूलाघाट में रुकने के बाद उसने रात में अपने चार विद्यार्थियों को एक गेस्ट हाउस में बुलाया। जब देर रात तक बच्चे घर नहीं लौटे तो अभिभावकों को शक हुआ और वे गेस्ट हाउस पहुंच गए। भीतर उन्होंने शिक्षक और बच्चों को साथ बैठकर शराब पीते हुए देखा।

कुछ जागरूक लोगों ने तत्काल इसकी सूचना कोतवाली में दी। कोतवाल संजीव कुमार ने टीम भेजकर मामले की पुष्टि की और शिक्षक को कोतवाली ले आए। शिक्षक को रात भर कोतवाली में रखा गया और अगले दिन सुबह माफीनामा लिखवाकर 20 हजार रुपये के मुचलके पर छोड़ा गया।

अतिथि शिक्षक के इस कृत्य की जानकारी पूरे क्षेत्र में तेजी से फैल गई है। अन्य अभिभावक भी इस घटना से दंग रह गए हैं।

उनका कहना है कि विद्यार्थियों को शिष्टाचार और व्यसनों से दूर रहने का पाठ पढ़ाने वाले शिक्षक को स्वयं शराब का सेवन नहीं करना चाहिए। अपने ही विद्यार्थियों को नशे के दलदल में धकेलना एक गंभीर चिंता का विषय है।

इस घटना ने गुरु-शिष्य के पवित्र रिश्ते पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। समाज में शिक्षक को भगवान के समान माना जाता है जो विद्यार्थियों को सफलता की राह दिखाता है। ऐसे में एक शिक्षक की ओर से अनैतिकता का पाठ पढ़ाना अस्वीकार्य है। यह मामला पूरे क्षेत्र में गहन चर्चा का विषय बना हुआ है।

शुक्रवार को ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगने जंतर: मंतर पहुंचे देशवासी: मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

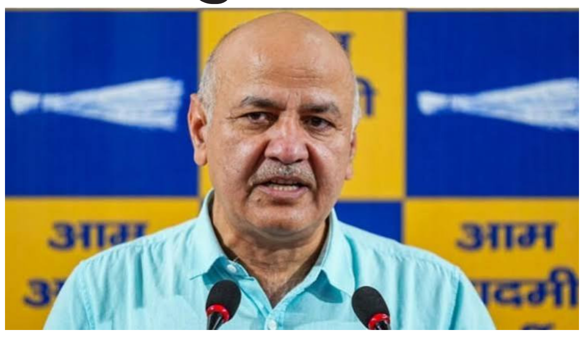

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने देशवासियों से भाजपा के लिए देश के खिलाफ काम कर रहे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफ मांगने शुक्रवार को जंतर-मंतर पहुंचने का आह्वान किया है। इस आंदोलन में कई संस्थाओं के साथ बड़ी तादात में युवा पहुंच रहे हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने भाजपा से पूरे देश के लोगों का वोट काटने और वोट चोरी करने की सुपारी ले रखी है। आज हमारे वोट का अधिकार छीना जा रहा है और कल बाकी अधिकार भी छीन लिए जाएंगे। इसलिए शुक्रवार को देशवासियों का जंतर-मंतर आकर ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगना जरूरी है। मनीष सिसोदिया ने देशवासियों से कहा कि 2 अक्टूबर को ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगने के लिए जंतर-मंतर जरूर आएं। यह वही ज्ञानेश कुमार है, जिसने भाजपा से पूरे देश के लोगों का वोट काटने और वोट चोरी करने की सुपारी ले रखी है। वह कहता है कि मैं किसी संविधान और कानून को नहीं मानता। भगत सिंह और गांधी जी की कुबार्नी व बाबा साहब के विजन को बेकार जाने दो, मैं किसी को नहीं मानता। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार आज सबका वोट चोरी कर रहा है। आज तो वह सिर्फ वोट चोरी कर रहा है, लेकिन अगर तानाशाही इसी तरह चलती रही, तो हमारे हाथ में जो मोबाइल है, इसके अधिकार पर भी तानाशाही चलेगी और यह भी छीना जा सकता है। तानाशाही में यही होता है। उधर, आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि देश में एसआईआर के नाम पर 13 करोड़ 37 लाख लोगों के नाम काटे गए हैं। यह कोई छोटी संख्या नहीं है, बल्कि पूरे देश के चुनाव को प्रभावित करने का मोदी, भाजपा और ज्ञानेश कुमार द्वारा रचा गया एक गहरा षड्यंत्र है। सारा सिस्टम सेंट्रलाइज कर लिया गया है। ज्ञानेश कुमार का जिसका मन होता है उसका वोट जोड़ते हैं, जिसका मन होता है काट देते हैं और जिसका मन होता है उसे लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी के नाम पर उड़ा देते हैं। इस वोट चोरी पर अब सिर्फ विपक्ष ही नहीं, बल्कि चुनाव आयुक्तों द्वारा भी सवाल उठाए जा रहे हैं। ये ऐसे गंभीर सवाल हैं जिनका कोई जवाब न भाजपा के पास है और न ही ज्ञानेश कुमार के पास है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर भारत के लोकतंत्र और अपने वोट के अधिकार को बचाने के लिए आइए और इस आंदोलन का हिस्सा बनिए। वोट चोर ज्ञानेश कुमार और देश के तानाशाह मोदी को हटाने के लिए जंतर-मंतर पहुंचिए। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि 2 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर सारे जेन-जी युवा और कई संस्थाएं पहुंच रही हैं। कोई भी सरकार जनता की भलाई इसलिए करती है क्योंकि उसे डर होता है कि काम न करने पर जनता उन्हें वोट न देकर सत्ता से बाहर कर देगी। लेकिन अगर किसी सरकार या राजनीतिक दल को यह भरोसा हो जाए कि उन्होंने चुनाव आयोग के साथ मिलकर ऐसी गड़बड़ियां और सेटिंग कर ली है कि वे चाहे जितना बुरा काम करें, चोरी करें या लूट मचाएं, बार-बार सत्ता में वही आएंगे। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि ऐसे में जनता की हालत बहुत बुरी हो जाती है। इसका नतीजा यह होता है कि लड़कियों की सुरक्षा खत्म हो जाती है, जगह-जगह भ्रष्टाचार होते हैं, सड़कें और पुल टूटते हैं, 4000 की साइकिल 7000 में खरीदी जाती है, बड़े उद्योगपतियों के लाखों-करोड़ों रुपए के लोन माफ कर दिए जाते हैं, किसानों को आत्महत्या करनी पड़ती है, नौकरी मांगने पर बेरोजगार युवाओं को डंडे पड़ते हैं और सवाल पूछने पर मंत्री थप्पड़ मारते हैं, जिसकी एफआईआर तक दर्ज नहीं होती। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इन्हीं सब चीजों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए 2 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर पहुंचना है और इस आंदोलन का शांतिपूर्ण होना सबसे ज्यादा जरूरी है। कई बार पुलिस द्वारा सादी वर्दी में शरारती तत्व भीड़ में भेजे जाते हैं, जो अराजकता और हिंसा फैलाने की कोशिश करते हैं। ऐसे लोगों को तुरंत पहचान कर वर्दी वाले पुलिस वालों के हवाले करना चाहिए। अगर आंदोलन शांतिपूर्ण रहेगा तभी वह लंबा चल सकता है, क्योंकि अराजकता और गड़बड़ी होने पर आंदोलन खत्म हो जाते हैं। इसलिए अपने देश को बचाने के लिए 2 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर पहुंचना है।

भाजपा चला रही दिल्ली में कूड़े को आजादी दिलाने का अभियान : अंकुश नारंग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने भाजपा के दिल्ली को कूड़े से आजादी के कैंपेन को महज दिखावा करार दिया। उन्होंने भाजपा से कहा कि उसे अपने कैम्पेन का नाम बदल कर दिल्ली में कूड़े को आजादी दिलाने का अभियान कर देना चाहिए। क्योंकि चार इंजन की भाजपा सरकार होने के बावजूद दिल्ली की हर गली-मोहल्ले और सड़क पर कूड़े का अम्बार लगा है। उन्होंने पूछा कि थप्पड़बाज मंत्री प्रवेश वर्मा और आशीष सूद साफ सड़क की सफाई करके क्या संदेश दे रहे हैं? सीएम रेखा गुप्ता ने कूड़े के पहाड़ पर जाकर कहा था कि कूड़े का पहाड़ इसलिए तो जाना पड़ेगा, लेकिन वह तो आजतक नहीं गया। अंकुश नारंग ने कहा कि भाजपा का एक अभियान चल रहा है, जिसका नाम है दिल्ली में कूड़े से आजादी। असल में इस कैंपेन का नाम दिल्ली में कूड़े को आजादी होना चाहिए था। जब से भाजपा की सरकार आई है, चाहे कोई छोटी सी गली हो, सड़क हो या पीडब्ल्यूडी की रोड हो, हर जगह कूड़ा ही कूड़ा नजर आता है। पहले तो गिनती के ढलाव हुआ करते थे जहां लोग कूड़ा फेंका करते थे और कूड़ा एकत्रित हुआ करता था, लेकिन आज भाजपा की सरकार में हर एक गली और हर एक सड़क वल्नरेबल पॉइंट में तब्दील हो गई है और जगह-जगह पर कूड़ा ही कूड़ा होता है। अंकुश नारंग ने आगे कहा कि भाजपा की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, महापौर प्रवेश वाही और साथ में इन्हीं के थप्पड़ स्पेशलिस्ट मंत्री प्रवेश वर्मा और मंत्री आशीष सूद सड़क पर उतरकर मोदी जी का नाम लेकर साफ सड़कों को दोबारा से साफ करते हुए नजर आते हैं। जबकि दिल्ली के हर एक कोने पर कूड़ा ही कूड़ा है और उसको साफ करने की कोई पहल भाजपा नहीं करती। अंकुश नारंग ने याद दिलाया कि भाजपा के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और रेखा गुप्ता कूड़े के पहाड़ पर गए थे और उन्होंने कहा था कि तीन महीने के अंदर पहाड़ तुझे तो जाना होगा। वह पहाड़ तो आज तक गया नहीं, एक साल हो गया है और आज भी पहाड़ वहीं का वहीं है, बल्कि वहां और कहीं ऊंचा कूड़े का पहाड़ बन चुका है। भाजपा वालों को शर्म आनी चाहिए कि सिर्फ दिखावे के लिए और फोटोबाजी के लिए ये लोग दिल्ली की जनता को भ्रमित और गुमराह करते हैं। अंकुश नारंग ने आगे कहा कि असलियत यह है कि जब से दिल्ली और एमसीडी में भाजपा सरकार आई है, तब से दिल्ली की हर एक गली और सड़क पर कूड़ा ही कूड़ा है। रेखा गुप्ता और महापौर प्रवेश वाही को शर्म आनी चाहिए कि इन्होंने दिल्ली को कूड़े में तब्दील कर दिया। तुरंत प्रभाव से इनको अपने कैंपेन का नाम बदलकर दिल्ली में कूड़े को आजादी कर देना चाहिए। अंकुश नारंग ने कहा कि मोदी जी के ये मंत्री, मुख्यमंत्री, महापौर और उपमहापौर सिर्फ उनकी आंखों में धुआं छोड़ रहे हैं। जब से दिल्ली में भाजपा की सरकार आई है, वहां कूड़ा ही कूड़ा हो गया है। हमें उम्मीद है कि दिल्ली की स्थिति सुधरेगी और भाजपा असलियत में दिल्ली से कूड़ा हटाने के लिए पहल करेगी।

दिल्ली पुलिस ने अंतर-राज्यीय क्रिप्टो करेंसी धोखाधड़ी गिरोह का किया भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के साउथ डिस्ट्रिक्ट के साइबर पुलिस स्टेशन ने टेलीग्राम-आधारित टास्क और क्रिप्टो करेंसी इन्वेस्टमेंट धोखाधड़ी में शामिल एक अंतरराज्यीय साइबर-फ्रॉड नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। पुलिस के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब एक शिकायतकर्ता ने टेलीग्राम-आधारित टास्क और क्रिप्टोकरेंसी निवेश धोखाधड़ी में 7,86,300 रुपए की ठगी की रिपोर्ट की। शिकायतकर्ता कथित तौर पर एक टेलीग्राम ग्रुप के जरिए धोखेबाजों के संपर्क में आया, जहां उसे अच्छे रिटर्न का वादा करके ऑनलाइन टास्क और क्रिप्टोकरेंसी में पैसे निवेश करने के लिए उकसाया गया। पुलिस ने बताया कि उनकी बातों पर भरोसा करते हुए, शिकायतकर्ता ने आरोपियों के निर्देशानुसार 4,66,300 रुपए और 3,20,000 रुपए की दो किश्तों में कुल 7,86,300 रुपए ट्रांसफर किए। हालांकि, आरोपियों ने न तो वादा किया गया रिटर्न दिया और न ही निवेश की गई रकम लौटाई, और बाद में शिकायतकर्ता को जवाब देना बंद कर दिया। शिकायत के बाद साइबर साउथ पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318 (4), 319 और 340 के तहत ई-एफआईआर नंबर 0149/2025 दर्ज की गई और जांच शुरू की गई। जांच के दौरान, धोखाधड़ी से हासिल रकम के लेन-देन का पता लगाने के लिए तकनीकी और वित्तीय विश्लेषण किया गया। पुलिस ने कई ऐसे "म्यूल" बैंक खातों की पहचान की, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर साइबर धोखाधड़ी से मिली रकम को इधर-उधर करने के लिए किया गया था। एक म्यूल खाते में 4.66 लाख रुपए का पता चला, जबकि दूसरे खाते में 5.22 लाख रुपए जमा हुए थे। जांच के आधार पर, आरोपियों करण बिस्वास और मोहित सरकार उर्फ मोनू का पता लगाया गया और उन्हें ऊधम सिंह नगर से गिरफ्तार किया गया। आगे की जांच में विनय मंडल की औपचारिक गिरफ्तारी हुई, जो पहले से ही हरियाणा के रोहतक में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज एक अन्य साइबर धोखाधड़ी मामले में हिरासत में था। बाद में उसे तीन दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी पीड़ितों को पैसे ट्रांसफर करने के लिए लुभाने के मकसद से टेलीग्राम-आधारित टास्क और क्रिप्टोकरेंसी निवेश योजनाएं चलाते थे। आरोप है कि वे बिचौलियों के जरिए कमीशन पर "म्यूल" बैंक अकाउंट्स का इंतजाम किया गया और इनका इस्तेमाल धोखाधड़ी से हासिल पैसे को लेने, आगे भेजने और निकालने के लिए किया गया। आरोप है कि पैसे का इस्तेमाल क्रिप्टो करेंसी ट्रांजैक्शन के लिए भी किया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो मोबाइल, एक बैंक पासबुक और जरूरी डिजिटल व फाइनेंशियल सबूत बरामद किए।

दिल्ली के आया नगर में जिम ट्रेनर हत्याकांड के एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के आया नगर में जिम ट्रेनर की हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस हत्याकांड में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान दीपक के रूप में हुई है। आरोपी पर हत्या को अंजाम देने वाले दो शूटर्स को पनाह देने का आरोप है। दरअसल, दिल्ली के आया नगर इलाके में 14 सितंबर को सुबह 10 बजे जिम ट्रेनर विजय की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया जा रहा है कि दो हमलावरों ने इस पूरी वारदात को अंजाम दिया था। विजय जैसे ही जिम से बाहर निकला, पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने करीब 10 से 12 राउंड गोलियां चलाईं थी, जिससे जिम ट्रेनर की मौके पर ही मौत हो गई थी। फायरिंग की आवाज सुनकर इलाके में दहशत फैल गई। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस के आला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे इलाके को घेर लिया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया था। शुरूआती जांच में पुलिस इसे आपसी रंजिश का मामला मान रही है। हालांकि हत्या के पीछे के असली कारणों का अभी तक पूरी तरह से पता नहीं चल पाया है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। विजय की किसी से पुरानी दुश्मनी थी या नहीं, इस पहलू पर भी जांच की जा रही है। कुछ महीने पहले भी आया नगर गांव में इसी तरह ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना हुई थी। इससे पहले दिल्ली के नरेला इलाके में भी एक प्रॉपर्टी डीलर की जिम के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसमें रंगदारी का एंगल सामने आया था।

दिवाली से पहले 683 किलो प्रतिबंधित पटाखे जब्त

नई दिल्ली। दिवाली से पहले दिल्ली पुलिस ने प्रतिबंधित पटाखों की अवैध खरीद-फरोख्त और भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बुध विहार इलाके से 683 किलोग्राम पटाखे जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार जब्त पटाखों की अनुमानित कीमत करीब 35 लाख रुपये है। मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक कार और स्कूटर भी बरामद किया है। रोहिणी के पुलिस उपायुक्त शशांक जायसवाल के अनुसार, जिला विशेष स्टाफ को प्रतिबंधित पटाखों की खेप के संबंध में सूचना मिली थी। विशेष स्टाफ प्रभारी संदीप गोदारा के नेतृत्व में टीम ने सूचना के आधार पर बुध विहार क्षेत्र में कार्रवाई की। पुलिस टीम ने एक गोदाम में 3 लोगों को प्रतिबंधित पटाखों को हुंडई सेंट्रो कार और स्कूटर में लादते हुए देखा। इसके बाद पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए तीनों को पकड़ लिया और पटाखों की खेप जब्त कर ली। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चांद (49), राम कुमार (47) और रवि (35) के रूप में हुई है। तीनों रोहिणी क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि प्रतिबंधित पटाखों की यह खेप हरियाणा के रोहतक से दिल्ली लाई गई थी। पुलिस ने संबंधित कारखाने के मालिक को नोटिस जारी कर प्रतिबंधित पटाखों की दिल्ली में आपूर्ति के संबंध में जानकारी मांगी है। कारखाना मालिक को जांच में शामिल होने के लिए कहा गया है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में चांद ने कथित तौर पर बताया कि वह इन पटाखों को वास्तविक कीमत से 2 से 3 गुना अधिक कीमत पर बेचने की तैयारी में था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि पटाखों की खेप दिल्ली में किन लोगों तक पहुंचाई जानी थी और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोग कौन हैं। अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज बुध विहार थाने में इस मामले को लेकर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223, 228 और 3 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा विस्फोटक अधिनियम की धारा 9(बी) भी लगाई गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जब्त पटाखों के स्रोत, आपूर्ति श्रृंखला और संभावित खरीदारों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया गया है। दिवाली से पहले पुलिस की निगरानी बढ़ी दिवाली नजदीक आने के साथ दिल्ली पुलिस ने प्रतिबंधित पटाखों के भंडारण और अवैध बिक्री के खिलाफ निगरानी बढ़ा दी है। पुलिस की नजर ऐसे स्थानों पर है जहां पटाखों का अवैध भंडारण या दूसरे क्षेत्रों से उनकी आपूर्ति किए जाने की आशंका है। 683 किलोग्राम की इस खेप की बरामदगी को दिवाली से पहले अवैध पटाखा कारोबार के खिलाफ महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर में पटाखों को लेकर न्यायालय के निर्देश दिवाली के दौरान दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के इस्तेमाल को लेकर उच्चतम न्यायालय ने हाल में पूर्ण प्रतिबंध के बजाय नियंत्रित व्यवस्था पर जोर दिया है। न्यायालय के निर्देशों के अनुसार केवल अनुमत पटाखों के इस्तेमाल और निर्धारित समय में उन्हें चलाने जैसी शर्तों पर विचार किया जा सकता है। ऐसे में पुलिस प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री, भंडारण और परिवहन पर कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि प्रतिबंधित पटाखों की अवैध आपूर्ति में शामिल लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

लाल किला ब्लास्ट केस : 11 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 21 नवंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किला ब्लास्ट मामले में राऊज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल एनआईए कोर्ट ने बड़ी कार्रवाई की है। कोर्ट ने गुरुवार को मामले के सभी 11 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 21 नवंबर तक बढ़ा दी है। सभी 11 आरोपियों को गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया था। इसके बाद कोर्ट ने उनकी हिरासत बढ़ाने का फैसला सुनाया। राऊज एवेन्यू कोर्ट की एनआईए कोर्ट अब इस मामले में आरोपियों के खिलाफ चार्ज फ्रेम करने पर अगली सुनवाई 21 नवंबर को करेगी। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने एनआईए द्वारा दाखिल की गई चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। बता दें कि 10 नवंबर 2025 को दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाके के मामले में एनआईए ने पिछले महीने 75,000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। एनआईए ने कुल 12 आरोपियों के खिलाफ यह चार्जशीट दाखिल की है। जांच एजेंसी के मुताबिक, इस धमाके का मुख्य साजिशकर्ता उमर उन नबी था, जो खुद आत्मघाती हमलावर था और धमाके में मारा गया था। उसका नाम भी चार्जशीट में शामिल है। एनआईए ने चार्जशीट में उमर उन नबी के अलावा जिन लोगों के नाम शामिल किए हैं, उनमें जमीर अहमद अहंगर, तुफैल अहमद भट्ट, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान अहमद, जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश, डॉ. आदिल अहमद, यासिर अहमद डार, और डॉ. मुजम्मिल शकील, आमिर राशिद अली, अहमद डार और शोएब के नाम शामिल हैं। इस ब्लास्ट में 13 लोगों की मौत हुई थी और 24 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। यह धमाका 10 नवंबर 2025 को हुआ था, जिसने पूरी राजधानी को दहला दिया था। एनआईए इस मामले की गहन जांच कर रही है और 75 हजार पन्नों की चार्जशीट में कई अहम खुलासे किए गए हैं। अब सभी की नजर 21 नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई पर है

मंत्री ये भी बताएं कि ये सड़क कब से टेंपरेरी, सेमी परमानेंट और परमानेंट बननी शुरू हुई थी: जनरैल सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के तिलक नगर से विधायक जनरैल सिंह ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों और ठेकेदार से पैसे मांगने के झूठे आरोप लगाकर बदनाम कर रहे मंत्री प्रवेश वर्मा को मानहानि का नोटिस भेजा है। आप के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा कर कहा कि बीते रविवार को विधायक जनरैल सिंह ने तिलक नगर में पीडब्ल्यूडी की सड़क में हुए भ्रष्टाचार का खुलासा मंत्री प्रवेश वर्मा के सामने किया था। इससे तिलमिलाए प्रवेश वर्मा अपने विभाग के एई और ठेकेदार से पैसे मांगने के झूठे आरोप लगाकर जनरैल सिंह को बदनाम करना चाहते हैं। उधर, जनरैल सिंह ने मानहानि के नोटिस में प्रवेश वर्मा को झूठे आरोप लगाने और एक युवक को थप्पड़ मारने की गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगने के लिए 7 दिन का समय दिया है। गुरुवार को आप मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में पुलों का गिरना और सड़कों के बीच में गड्ढे होना आम बात हो चुकी है, लेकिन रविवार को दिल्ली के अंदर जो हुआ वह पूरे देश ने देखा। पिछले हफ्ते मैंने दिल्ली में बन रही सड़कों में हो रहे भ्रष्टाचार को उजागर किया, तो मंत्री प्रवेश वर्मा ने तिलक नगर में निरीक्षण रखा गया। साथ ही, एक षड्यंत्र भी रचा गया था। रविवार को प्रवेश वर्मा ने मुझे फोन करके बुलाया। उन्हें लगा कि शायद मैं नहीं आऊंगा। लेकिन जब मैं पहुंचा, वहां प्रवेश वर्मा ने अपने साथ भाजपा के काफी कार्यकताओं और कुछ असामाजिक तत्वों को इकट्ठा कर रखा था। उनकी कोशिश यह थी कि मुझे बुलाकर अपने विभाग के भ्रष्टाचार पर लीपापोती करके चले जाएंगे, लेकिन उनका यह सारा षड्यंत्र वहां ढेर हो गया। जरनैल सिंह ने कहा कि प्रवेश वर्मा मुझसे पूछे कि बताओ सड़क कहां टूटी है और सड़क में क्या कमी है। जब मैंने सड़क उखाड़ कर उसकी असलियत दिखा दी, तो अपने भ्रष्टाचार का पदार्फाश होता देख मंत्री आपे से बाहर हो गए। उन्होंने साहिब सिंह नाम के नौजवान का मोबाइल छीना, उसे थप्पड़ मारा और फिर वे वहां से फरार हो गए। इसके बाद से प्रवेश वर्मा और पूरी भाजपा अपने बचाव में हर पांच मिनट बाद अपना बयान बदल रही है, क्योंकि एक झूठ छिपाने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं। पहले उन्होंने कहा कि यह टेंपरेरी सड़क है जो गुरुद्वारे वालों के कहने पर बनाई गई। फिर उन्होंने प्यारा सिंह नाम के एक शख्स को खड़ा कर दिया जिसका गुरुद्वारा प्रबंधक समिति से कोई संबंध ही नहीं है और उससे बुलवाया जा रहा है कि सड़क टेंपरेरी बनाई गई है। जरनैल सिंह ने आगे कहा कि अगर टेंपरेरी सड़क बनाई गई थी, तो जो परमानेंट सड़क बनाई थी, वह क्यों उखड़ रही है? मैंने मंत्री से पूछा था कि क्या उन्होंने इस सड़क की कोर कटिंग, क्वालिटी टेस्ट और थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन करवा लिया है, तो उन्होंने कहा था कि हां सब कर लिया है, अब सड़क उखाड़ कर दिखाओ। अब मंत्री कोर कटिंग और थर्ड पार्टी के इंस्पेक्शन को सार्वजनिक करें और लोगों को बताएं कि उसकी रिपोर्ट में क्या है? हम भी इस सड़क का थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन कराकर उसकी रिपोर्ट सबके सामने रखेंगे।

दिल्ली : नर्सरी एडमिशन में फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट लगाने पर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में नर्सरी एडमिशन के लिए फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र जमा करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। यह मामला 2026-27 शैक्षणिक सत्र के लिए स्पेशल नीड्स वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) कैटेगरी के तहत एडमिशन से जुड़ा है। एफआईआर के अनुसार, 17 सितंबर को दिल्ली के एक पुलिस थाने में फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्रों को लेकर शिकायत मिली थी। शिकायत में एडमिशन के दस्तावेजों के साथ जमा किए गए दिव्यांग प्रमाण पत्रों और सिफारिशी पत्रों की सत्यता की जांच करने की मांग की गई थी। प्रारंभिक जांच के दौरान दस्तावेजों के साथ लगाए गए दिव्यांग प्रमाण पत्रों का सत्यापन किया गया और वे फर्जी पाए गए। एफआईआर में बताया गया है कि इन प्रमाण पत्रों में 41 प्रतिशत सुनने की अक्षमता दिखाई गई थी और ये कथित तौर पर एक सरकारी अस्पताल द्वारा जारी किए गए थे। शुरूआती सत्यापन के बाद पुलिस ने 24 सितंबर को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(2), 337, 340(2) और 61(2) के तहत एफआईआर दर्ज की। एफआईआर में जिक्र किया गया है कि कथित घटना की सही तारीख और समय का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने फर्जी प्रमाण पत्रों को तैयार करने और जमा करने के पीछे की परिस्थितियों को स्थापित करने और इसमें शामिल लोगों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। बता दें कि दिल्ली के निजी स्कूलों में नर्सरी एडमिशन में सीडब्ल्यूएसएन कैटेगरी के तहत विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए सीटें आरक्षित होती हैं। आरोप है कि कुछ अभिभावकों ने इस कोटे का लाभ लेने के लिए फर्जी तरीके से 41 प्रतिशत हियरिंग इम्पेयरमेंट (सुनने की क्षमता में कमी) के सर्टिफिकेट बनवाए। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि ये फर्जी सर्टिफिकेट कहां बने, इन्हें किसने बनवाया और क्या इसमें कोई संगठित गिरोह शामिल है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है।

कमला नेहरू रिज में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया श्रमदान, स्वच्छता अभियान में लिया हिस्सा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के तहत देशभर में आयोजित एक दिन, एक घंटा, एक साथ अभियान के अंतर्गत कमला नेहरू रिज में हिस्सा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान में श्रमदान किया और स्वच्छ एवं सुंदर दिल्ली के निर्माण में जनभागीदारी का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अपील पर देशभर में लोग सेवा का कोई न कोई कार्य कर रहे हैं। सुबह 8 से 9 बजे के निर्धारित समय में दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में भी हजारों लोग सेवा कार्यों से जुड़े और स्वच्छता सहित विभिन्न गतिविधियों में अपना योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन या किसी विशेष अभियान तक सीमित रहने वाला कार्य नहीं है, बल्कि यह एक नियमित आदत और सामूहिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। जब भी कोई व्यक्ति सड़क या सार्वजनिक स्थान पर कचरा फेंकता है, तो उसे यह सोचना चाहिए कि उसकी इस छोटी-सी लापरवाही का असर आसपास के लोगों और पूरे वातावरण पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को लेकर हर व्यक्ति में जिम्मेदारी और संवेदनशीलता की भावना विकसित होना आवश्यक है। स्वच्छता की जिम्मेदारी निभाने वाले कर्मचारियों को भी अपना काम पूरी जिम्मेदारी से करना है और नागरिकों का भी दायित्व है कि सफाई होने के बाद उस स्वच्छता को बनाए रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन और नागरिकों, दोनों को अपनी-अपनी भूमिका निभानी होगी। सफाई कर्मचारियों और संबंधित एजेंसियों द्वारा नियमित रूप से सफाई सुनिश्चित की जानी चाहिए, वहीं नागरिकों को भी सार्वजनिक स्थानों को गंदा न करने और साफ-सफाई बनाए रखने की आदत विकसित करनी होगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कमला नेहरू रिज और दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं नागरिकों के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान में शामिल होना सामूहिक भावना का उदाहरण है। युवा शक्ति की भागीदारी ऐसे अभियानों को व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील किया कि वे अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने को अपनी दैनिक आदत का हिस्सा बनाएं। सड़क, गली, पार्क, बाजार और अपने घर के आसपास के सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छता आज जनभागीदारी का एक सशक्त आंदोलन बन चुकी है। इसी भावना के साथ दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाने के लिए सरकार और जनता को मिलकर निरंतर प्रयास करना होगा।

डीयू में 7 अक्टूबर को कैंपस प्लेसमेंट

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय का केंद्रीय प्लेसमेंट सेल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के तहत 7 अक्टूबर को अवसर 2026 का दूसरा संस्करण आयोजित करेगा। रोजगार मेले के रूप में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों और संस्थानों से सीधे संवाद का अवसर देने के साथ रोजगार और इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराना है। यह आयोजन सुबह 9 से शाम 5 बजे तक नॉर्थ कैंपस स्थित मल्टीपर्पज हॉल, गेट नंबर-2, जीसी नारंग मार्ग में होगा। विश्वविद्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अवसर 2026 में 85 से अधिक संगठन शामिल होंगे और चार हजार से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया है। इसमें सबसे अधिक वार्षिक पैकेज 10 लाख रुपये से अधिक और इंटर्नशिप के लिए अधिकतम 60 हजार रुपये प्रतिमाह तक का स्टाइपेंड उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें कई देशी विदेशी कंपनियां हिस्सा रहे रही हैं। विश्वविद्यालय के अनुसार, अवसर 2026 में दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी छात्र रोजगार और इंटर्नशिप के अवसरों के लिए भाग ले सकते हैं। पहल के जरिए छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले संगठनों से जुड़ने और अपनी शैक्षणिक योग्यता, कौशल व पेशेवर रुचि के अनुरूप करियर के विकल्प तलाशने का अवसर मिलेगा। केंद्रीय प्लेसमेंट सेल का कहना है कि इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों और नियोक्ताओं के बीच संस्थागत जुड़ाव को मजबूत करना और रोजगार व इंटर्नशिप के अवसरों तक छात्रों की पहुंच बढ़ाना है।

हिंदू कॉलेज में नियमों की अनदेखी के विरोध शिक्षक छात्रों ने निकाला मार्च

● कॉलेज प्रशासन पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। हिंदू कॉलेज स्टाफ एसोसिएशन ने कॉलेज में प्रवेश, वित्तीय प्रबंधन, खरीद प्रक्रिया, नियुक्तियों और प्रशासनिक व्यवस्था में कथित अनियमितताओं को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन सौंपा है। कॉलेज के शिक्षक संघ ने कॉलेज के संचालन में पारदर्शिता, वैधानिक नियमों के पालन और स्टाफ काउंसिल की भूमिका बहाल करने की मांग की है। इसके विरोध में शिक्षकों व छात्रों ने नार्थ कैंपस में मार्च निकाला। तख्तियों पर नारे लिए छात्र छात्रा व शिक्षकों ने मार्च किया। ज्ञात हो कि कॉलेज प्रशासन ने यहां के तीन शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस दिया है जिसका स्टॉफ एसोसिएशन ने विरोध किया है। कॉलेज के शिक्षक प्रो.रतन लाल ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन की मनमानी के खिलाफ लगातार शिक्षक और छात्र धरना दे रहे हैं और हमें बाकी दूसरे कॉलेज के शिक्षकों का भी सहयोग मिल रहा है। हमारी अपील है कि विश्वविद्यालय प्रशासन को भी यहां की अनियमितता का संज्ञान लेना चाहिए। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि सुपरन्यूमेरेरी दाखिलों में निर्धारित 20 फीसदी की सीमा और दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेशों का उल्लंघन किया गया। संघ का दावा है कि संबंधित शिक्षकों और समितियों की आपत्तियों के बावजूद इन दाखिलों को मंजूरी देने के लिए बैठक आयोजित की गई, जिसे स्टाफ काउंसिल की बैठक के रूप में प्रस्तुत किया गया शिक्षक संघ ने अध्ययन अवकाश, चाइल्ड केयर लीव, सब्बेटिकल और पदोन्नति में देरी, समानांतर समितियां बनाने और स्टाफ काउंसिल की नियमित बैठकें नहीं होने का भी आरोप लगाया है। इसके अलावा छात्रवृत्ति और फेलोशिप के वितरण में पारदर्शिता की कमी, फीस बढ़ोतरी में छात्रों से पर्याप्त परामर्श नहीं करने और शिकायत निवारण व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। संघ ने कुलपति से प्रवेश, वित्त, खरीद, निर्माण, नियुक्ति और प्रशासन से जुड़े मामलों की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराने की मांग की है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शुक्रवार, 02 अक्टूबर, 2026

संक्षिप्त खबरें

दुबई से 63.26 लाख रुपये का सोना लाए दो यात्री गिरफ्तार

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट पर सीमा शुल्क विभाग ने दुबई से तस्करी कर लाया गया 476 ग्राम सोना बरामद किया है। मामले में दो भारतीय यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों 28 सितंबर को दुबई से फ्लाइट संख्या एफजेड441 से टर्मिनल-3 पहुंचे थे।सीमा शुल्क अधिकारियों ने सामान और यात्रियों की तलाशी ली तो दो सोने की चेन और दो कड़े मिले। बरामद सोने की कीमत करीब 63.26 लाख रुपये बताई गई है। विभाग के अनुसार, यात्रियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे सीमा शुल्क से बचने के लिए सोना दुबई से दिल्ली लाए थे। सोना सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 110 के तहत जब्त कर दोनों को धारा 104 के तहत गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच जारी है।

राहगिरी दिवस पर रविवार को कार मुक्त होगा कनॉट प्लेस

नई दिल्ली। कनॉट प्लेस का इनर सर्किल चार अक्टूबर को राहगिरी दिवस के तहत कार-मुक्त रहेगा। यहां संगीत, साइकिलिंग, फिटनेस गतिविधियों, स्ट्रीट आर्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। सेंट्रल पार्क में रॉक बैंड यूफोरिया की लाइव प्रस्तुति भी होगी। कार्यक्रम राहगिरी फाउंडेशन, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और फिट इंडिया की ओर से नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। फिट इंडिया की ह्यसंडेज ऑन साइकिलह्न पहल के तहत सामुदायिक साइकिलिंग भी होगी। नागरिकों के लिए खेल, इंटरैक्टिव कार्यशालाएं और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। यह कार्यक्रम पांच से सात अक्टूबर तक होने वाले ह्यअर्बन अड्डा-26ह्न सम्मेलन का कर्टन-रेजर भी होगा।

मनचले के डर से पढ़ाई छूट जाना चिंताजनक : कोर्ट

नई दिल्ली। किसी मनचले के डर से छात्रा की पढ़ाई छूट जाना बेहद चिंताजनक है। अदालत ने वजीराबाद इलाके में वर्ष 2024 में नाबालिग छात्रा का लगातार पीछा करने, अश्लील टिप्पणियां करने और आपराधिक धमकियां देने के मामले में सख्त रुख अपनाते हुए यह टिप्पणी की। तीस हजारी स्थित पॉक्सो अदालत में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राणा दीपक सिंह ने फैसला सुनाते हुए आरोपी को बीएनएस और पॉक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया। कोर्ट ने उसकी करीब दो साल की जेल अवधि को ही उसकी मुख्य सजा स्वीकार करते हुए उस पर 15 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया, जिसे कोर्ट में जमा कराने के बाद उसकी रिहाई के आदेश दिए गए। सुनवाई के दौरान पीड़िता और उसकी मां ने बताया कि आरोपी की लगातार प्रताड़ना और खौफ के कारण 11वीं कक्षा की छात्रा को अपना नियमित स्कूल छोड़ना पड़ा। वह अब पत्राचार (कॉरेस्पोंडेंस) के माध्यम से अपनी पढ़ाई करने को मजबूर है। छात्रा जब भी स्कूल से घर लौटती थी, आरोपी स्कूटी से उसका पीछा कर परेशान करता था। अदालत ने किशोरी की शिक्षा में आए व्यवधान और उसके मानसिक आघात को देखते हुए पॉक्सो नियमों व दिल्ली पीड़ित मुआवजा योजना 2018 के तहत पीड़िता को ढाई लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

स्वच्छता किसी एक की नहीं, हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखना किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। वह गुरुवार को ह्यस्वच्छता ही सेवाह्न अभियान के तहत गोल मार्केट के पास पेशवा रोड स्थित नवयुग स्कूल में ह्यएक दिन, एक घंटा, एक साथह्न श्रमदान कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी के साथ स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया और विद्यार्थियों के साथ पौधे भी लगाए। रिजिजू ने कहा कि ह्यएक दिन, एक घंटा, एक साथ श्रमदानह्न का संदेश सरल और प्रभावशाली है। युवा स्वच्छता, नागरिक भावना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर इस जन आंदोलन की प्रेरक शक्ति बन सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से स्वच्छ और हरित भारत के लक्ष्य की दिशा में इस भावना को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।अभियान में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह समेत अधिकारियों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने भी श्रमदान किया। प्रवेश साहिब सिंह ने जोधपुर मेस में करीब एक करोड़ रुपये की लागत से बनी एनडीएमसी की सबसे बड़ी सामुदायिक शौचालय सुविधा का उद्घाटन किया।

छतरपुर में वन भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप सौरभ भारद्वाज ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण के बढ़ते स्तर के बीच छतरपुर इलाके में वन विभाग की जमीन पर कथित अतिक्रमण और पेड़ों की अवैध कटाई को लेकर आम आदमी पार्टी ने सरकार पर निशाना साधा है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि छतरपुर की 100 फुटा रोड और 60 फुटा रोड की गली नंबर-1 में सैकड़ों करोड़ रुपए की वन भूमि पर कब्जे की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि जमीन पर कब्जा करने के उद्देश्य से रातों-रात टीन की दीवारें खड़ी की गई हैं और इनके पीछे पेड़ों की कथित अवैध कटाई के साथ निर्माण कार्य भी चल रहा है। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि तेज डीजे की आवाज की आड़ में हरे और नीले रंग की टीन की दीवारों के पीछे पेड़ों को काटा जा रहा है। उनके मुताबिक, वन भूमि पर अवैध कब्जे के लिए तेजी से निर्माण गतिविधियां की जा रही हैं। आप नेता ने आरोप लगाया कि छतरपुर के 100 फुटा रोड और 60 फुटा रोड इलाके में राजनीतिक संरक्षण में कथित तौर पर बिल्डर माफिया सक्रिय है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कुछ लग्जरी मॉल बनने के बाद वन क्षेत्र की जमीन पर कब्जे को लेकर कथित गतिविधियां बढ़ी हैं। भारद्वाज ने कहा कि यदि वन भूमि पर पेड़ों की कटाई और निर्माण की शिकायतें सही हैं तो यह दिल्ली के पर्यावरण और भविष्य के लिए गंभीर विषय है। उन्होंने सरकार के पर्यावरण संरक्षण संबंधी दावों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार प्रदूषण कम करने और ह्यएक पेड़ मां के नामह्न जैसे अभियानों की बात करती है, जबकि दूसरी ओर उनके आरोप के मुताबिक वन क्षेत्र में बड़ी संख्या में पेड़ काटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेड़ दिल्लीवासियों को स्वच्छ हवा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इनके कटने का सीधा असर पर्यावरण पर पड़ता है। आप प्रदेश अध्यक्ष ने पर्यावरण एवं वन विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के अधीन आने वाला पर्यावरण एवं वन विभाग क्या इस मामले से परिचित है और यदि है तो कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस, एमसीडी, मुख्यमंत्री कार्यालय और उपराज्यपाल कार्यालय समेत संबंधित एजेंसियां इस मामले पर चुप हैं। भारद्वाज ने पूरे मामले की जांच और कथित अवैध निर्माण तथा पेड़ों की कटाई पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। हालांकि, उनके लगाए गए आरोपों पर संबंधित विभागों या सरकार की ओर से इस बयान के समय कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। वन भूमि पर कब्जे और पेड़ों की अवैध कटाई के आरोपों की वास्तविक स्थिति संबंधित विभागों की जांच और आधिकारिक कार्रवाई से ही स्पष्ट होगी। आप ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण की चुनौती के बीच वन क्षेत्रों और हरित क्षेत्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पार्टी ने आरोप लगाया कि यदि वन भूमि पर अवैध कब्जे और पेड़ों की कटाई की गतिविधियां जारी रहती हैं तो इसका असर राजधानी के पर्यावरण और वायु गुणवत्ता पर पड़ सकता है।

पैसों के विवाद में दोस्त की चाकू घोंपकर हत्या, आरोपी छह घंटे में गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। रोहिणी में बुधवार को हुई हत्या का पुलिस ने छह घंटे के अंदर खुलासा कर दिया। पैसे के लेन-देन को लेकर शुरू हुई मामूली कहासुनी ने हत्या का रूप ले लिया। पुलिस ने आरोपी बुध विहार निवासी आर्यन वाल्मीकि (20) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, मृतक हनीफ और आरोपी आर्यन वाल्मीकि दोनों दोस्त थे। पैसों के लेन-देन को लेकर दोनों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। इसी कड़ी में बुधवार रात करीब 9 बजे दोनों दोस्त मिले थे। दोनों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते-देखते विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। इस दौरान आरोपी ने मृतक के साथ गाली-गलौज की, फिर उसके पेट में चाकू घोंप दिया। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गया। रोहिणी के पुलिस उपायुक्त शोभित डी. सक्सेना ने बताया कि बुधवार रात बुध विहार थाने में बीएसए अस्पताल से सूचना मिली कि रिठाला गांव निवासी 24 वर्षीय हनीफ को चाकू लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाज के दौरान हनीफ की मौत हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी। आरोपी को पकड़ने के लिए इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी जानकारी और मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चाकू से हमला करने की बात कबूल की है।

वाहन चोरी के दो मामले सुलझे, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बवाना थाना पुलिस ने वाहन चोरी के दो मामलों को सुलझाते हुए 22 वर्षीय आरोपी आसिन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की एक स्कूटी और एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपी की पहचान बवाना की जेजे कॉलोनी निवासी आसिन पुत्र मोहम्मद अब्दुल गफ्फार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पहले भी दो मामलों में संलिप्त रहा है। पुलिस के मुताबिक, 30 सितंबर को बवाना थाने में स्कूटी चोरी की शिकायत मिली थी। इस संबंध में ई-एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की जांच के लिए थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश बाजपेयी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी जांच, स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाने और सत्यापन के आधार पर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर चोरी की स्कूटी के अलावा एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद हुई। यह मोटरसाइकिल भी बवाना थाने में दर्ज एक अन्य ई-एफआईआर से संबंधित है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके साथियों और चोरी के अन्य मामलों में उसकी संभावित संलिप्तता का पता लगा रही है।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन को अनुमति नहीं, दिल्ली में सुरक्षा बढ़ी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 2 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर चुनाव आयोग के खिलाफ प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन के लिए किसी भी संगठन को अनुमति नहीं दिए जाने की जानकारी दी है। इसके बावजूद प्रदर्शनकारियों के संभावित जमावड़े को देखते हुए लुटियंस दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जंतर-मंतर की ओर जाने वाले मार्गों पर बैरिकेड लगाए गए हैं और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की तैयारी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अनुमति नहीं मिलने के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों के प्रदर्शन स्थल की ओर पहुंचने की आशंका है। इसी को देखते हुए अतिरिक्त बल उपलब्ध कराने के लिए गृह मंत्रालय से संपर्क किया गया है। गुरुवार को नई दिल्ली क्षेत्र के कई हिस्सों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के साथ संवेदनशील मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई। विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर प्रदर्शन का आह्वान यह प्रदर्शन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के आरोपों को लेकर बुलाया गया है। अखिल भारतीय छात्र संघ ने 2 अक्टूबर को सुबह 11 बजे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का आह्वान किया है। प्रदर्शन से जुड़े संगठनों की ओर से मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग भी उठाई गई है। पुलिस के अनुसार, युवक कांग्रेस की ओर से भी जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए अनुमति मांगी गई थी, लेकिन अनुमति नहीं दी गई। पिछले दिनों इस मुद्दे को लेकर विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। संसद मार्ग थाने में दी गई थी सूचना अखिल भारतीय छात्र संघ की अध्यक्ष नेहा बोरा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को संसद मार्ग थाने में प्रस्तावित प्रदर्शन के संबंध में सूचना पत्र सौंपा था। इसमें प्रदर्शन का समय, संभावित भीड़ और आयोजन से जुड़े लोगों की जानकारी दी गई थी। प्रतिनिधिमंडल में सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण, राज्यसभा सदस्य मनोज झा, सामाजिक कार्यकर्ता निखिल डे और शिक्षाविद नंदिता नारायण भी शामिल थे। पुलिस का कहना है कि सूचना दिए जाने और प्रदर्शन के लिए अनुमति दिए जाने में अंतर है। पुलिस के मुताबिक जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन के लिए किसी संगठन को अनुमति नहीं दी गई है। 25 सितंबर के प्रदर्शन के बाद बढ़ी सतर्कता इससे पहले 25 सितंबर को विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर के आसपास प्रदर्शन हुआ था। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए बैरिकेड लगाए थे। इस दौरान अखिल भारतीय छात्र संघ की नेहा बोरा, योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण सहित 60 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया था। पुलिस ने बताया था कि प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं ली गई थी और नई दिल्ली जिले में पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध संबंधी आदेश लागू थे। हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को अलग-अलग थानों में ले जाया गया था और बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। 2 अक्टूबर से देशभर में लोकतंत्र बचाओ मार्च का ऐलान विपक्षी दलों के गठबंधन ने भी 2 से 8 अक्टूबर के बीच देशभर में लोकतंत्र बचाओ मार्च आयोजित करने का ऐलान किया है। गठबंधन की ओर से कहा गया है कि इन कार्यक्रमों में आम नागरिकों और युवाओं के साथ लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले लोगों को शामिल होने का आह्वान किया गया है।

इस्राइल-इराक का वीजा दिलाने के नाम पर 46 लोगों से लाखों ठगे, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस ने विदेश में नौकरी और वीजा दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया। इस मामले में गिरोह के सरगना अबीर पोइलान (45) और उसके सहयोगी मुस्तकीम (38) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने कम से कम 46 लोगों से इस्राइल और इराक के वीजा के लिए लाखों रुपये ठगे। पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि एक अगस्त को सुभाष प्लेस थाने में जनसुनवाई के दौरान शिकायत मिली। आरोपियों ने नेताजी सुभाष प्लेस स्थित डायनेमिक ओवरसीज कार्यालय से यह गिरोह चलाया। उन्होंने इस्राइल वीजा के लिए 1.70 लाख रुपये और इराक वीजा के लिए 70,000 रुपये प्रति व्यक्ति लिए। शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने तकनीकी और वित्तीय साक्ष्यों का विश्लेषण कर आरोपियों की पहचान की। एसीपी सृष्टि भट्ट के नेतृत्व में टीम ने पोइलान को गिरफ्तार किया। पोइलान के पास से ठगी की रकम से खरीदे गए 31 ग्राम सोने के सिक्के बरामद हुए। उसके पास से 19 पासपोर्ट, पांच मोबाइल फोन, तीन कंप्यूटर और मुहरें भी मिलीं। मुस्तकीम के पास से दो सोने की चेन, छह मोबाइल फोन और 10 एटीएम कार्ड बरामद किए गए। पुलिस अब गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी से सोने के बदले लिए गए ऋण की जांच कर रही है। पोइलान पर वर्ष 2020 में धोखाधड़ी का मामला दर्ज था। मुस्तकीम का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

जनसुनवाई में मां ने लगाई गुहार, 14 दिन बाद ओडिशा से मिली किशोरी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के इंद्रपुरी इलाके से 14 दिन पहले लापता हुई 16 वर्षीय किशोरी को दिल्ली पुलिस ने ओडिशा के गंजम जिले से सुरक्षित बरामद कर लिया। बेटी की तलाश को लेकर मां की गुहार के बाद पुलिस ने जांच तेज की और किशोरी की ओडिशा में मौजूदगी का पता लगाया। इसके बाद इंद्रपुरी थाना पुलिस की टीम ओडिशा पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से किशोरी को सुरक्षित बरामद कर दिल्ली लाई। बाद में उसे परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार किशोरी के लापता होने के बाद परिजनों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की गई थी। परिवार की ओर से भी अपने स्तर पर बेटी को खोजने के प्रयास किए जा रहे थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था। इसी बीच किशोरी की मां इंद्रपुरी थाने में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचीं। उन्होंने पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी के सामने अपनी परेशानी रखते हुए बेटी को जल्द तलाशने की गुहार लगाई। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच को और तेज किया। जांच के दौरान पुलिस को किशोरी की मौजूदगी ओडिशा में होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी ने गंजम के पुलिस अधीक्षक हरीश से संपर्क कर स्थानीय पुलिस की सहायता मांगी। जांच में सामने आया कि किशोरी एक पड़ोसी के साथ ओडिशा गई थी। वहां रहने के दौरान उसने अपने परिवार से संपर्क भी किया था। पुलिस को आशंका थी कि वह दोबारा अपना ठिकाना बदल सकती है। इसी कारण किशोरी को जल्द से जल्द सुरक्षित बरामद करने के लिए पुलिस टीम को ओडिशा भेजने का निर्णय लिया गया। सहायक पुलिस आयुक्त इंद्रराज सिंह मीणा की देखरेख और इंद्रपुरी थाना प्रभारी अफसर रजा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अभिषेक तथा महिला कांस्टेबल अन्नू चौधरी की टीम विमान से ओडिशा पहुंची। टीम ने गंजम पुलिस के साथ समन्वय कर किशोरी के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई। स्थानीय स्तर पर मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने तलाश शुरू की। लगातार प्रयास के बाद टीम किशोरी तक पहुंचने में सफल रही और उसे सुरक्षित बरामद कर लिया गया। किशोरी को सुरक्षित दिल्ली लाया गया। इसके बाद उसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। लंबे समय बाद बेटी के मिलने पर परिवार ने राहत की सांस ली। पुलिस अधिकारियों के अनुसार किशोरी की बरामदगी में दिल्ली और ओडिशा पुलिस के बीच बेहतर समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम में शामिल महिला उपनिरीक्षक खुशबू, उपनिरीक्षक अभिषेक और महिला कांस्टेबल अन्नू चौधरी के प्रयासों की पुलिस उपायुक्त ने सराहना की। पुलिस अब किशोरी के बयान और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने बिहार के निलंबित विधायक राजू कुमार सिंह की सजा स्थगित करने से किया इन्कार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बिहार के भाजपा विधायक राजू कुमार सिंह की सजा स्थगित करने की याचिका खारिज कर दी है। सिंह को 2018 में जश्न में गोली चलाने से एक महिला की मौत के मामले में दोषी ठहराया गया था। न्यायमूर्ति मनोज जैन ने सिंह के आवेदन को खारिज करते हुए कहा कि मामले के सतही विश्लेषण से ट्रायल कोर्ट के फैसले में कोई स्पष्ट विकृति या गंभीर त्रुटि नहीं दिखाई दी, जिससे सजा पर रोक लगाई जा सके। यह आवेदन सिंह की अपील का हिस्सा था। अदालत ने 29 सितंबर को दिए आदेश में यह भी टिप्पणी की कि साहेबगंज विधायक का अतीत साफ-सुथरा नहीं हैं और अपराध में नैतिक पतन शामिल है। अदालत ने कहा, अपीलकर्ता कथित तौर पर शराब के प्रभाव में था, उसने बंदूक का इस्तेमाल किया और परिणामों को अच्छी तरह जानते हुए भी जश्न में फायरिंग की। बात को और खराब बनाने वाली बात यह है कि आपराधिक इतिहास साफ नहीं हैं। उनके खिलाफ मामलों की लंबी सूची है। कई मामलों में वे बरी हो चुके हैं, लेकिन यह ऐसा मामला नहीं है जहां उनका रिकॉर्ड साफ है सजा स्थगित करने संबंधी वर्तमान आवेदन खारिज किया जाता है। 04 जुलाई को ट्रायल कोर्ट ने सिंह को चार साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई थी और 25 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया था। यह घटना 31 दिसंबर 2018 की रात फतेहपुर बेरी स्थित एक फार्महाउस में नए साल की पार्टी में हुई थी, जिसमें मेहमान अर्चना गुप्ता की मौत हो गई थी। सिंह को आईपीसी की धारा 304 भाग-2 और शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के तहत जून में दोषी ठहराया गया था। उच्च न्यायालय ने 27 जुलाई को सजा (कारावास) स्थगित की थी।

पिंक कार्ड के नए नियम से महिलाओं की बढ़ी परेशानी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की बसों में महिलाओं के निःशुल्क सफर के लिए पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड को अनिवार्य किए जाने के पहले दिन नई व्यवस्था से कई महिला यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। गुरुवार सुबह पिंक सहेली कार्ड साथ नहीं होने पर कई महिलाओं को बस में यात्रा के लिए किराया देना पड़ा। हालांकि, यात्रियों की परेशानी की जानकारी परिवहन विभाग और दिल्ली परिवहन निगम तक पहुंचने के बाद दोपहर में परिचालकों को पहले दिन पिंक टिकट जारी रखने के निर्देश दिए गए। अब शुक्रवार से पिंक टिकट की व्यवस्था पूरी तरह बंद किए जाने की तैयारी है। कार्ड नहीं होने पर देना पड़ा किराया नई व्यवस्था लागू होने के बाद दिल्ली के अलग-अलग बस अड्डों और प्रमुख मार्गों पर महिला यात्रियों को पिंक सहेली कार्ड दिखाने के बाद ही निःशुल्क टिकट दिया गया। जिन महिलाओं के पास कार्ड नहीं था, उन्हें सामान्य यात्रियों की तरह किराया देकर टिकट लेना पड़ा। सीलमपुर बस अड्डे पर सुबह करीब 8 बजे मौजपुर से बस में सवार हुईं पूनम को चाणक्यपुरी जाना था। उन्होंने पिंक सहेली कार्ड बनवा रखा है, लेकिन कार्ड घर पर ही रह जाने के कारण उन्हें बस में निःशुल्क यात्रा की सुविधा नहीं मिल सकी। उन्हें सीलमपुर तक का किराया देकर टिकट लेना पड़ा। इसके बाद उन्होंने आगे की यात्रा बस के बजाय मेट्रो से पूरी करने का निर्णय लिया। नए नियम की जानकारी नहीं होने से भी परेशानी साउथ एक्स बस अड्डे पर दोपहर करीब 2 बजे दिव्या खजूरिया को भी नए नियम के कारण परेशानी हुई। उन्हें हौजखास जाना था। दिव्या ने बताया कि अब तक उन्हें महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा का लाभ लेने के लिए कोई कार्ड दिखाने की आवश्यकता नहीं पड़ी थी। इसलिए उन्होंने पिंक सहेली कार्ड नहीं बनवाया था। बस में सवार होने के बाद परिचालक ने निःशुल्क यात्रा के लिए पिंक सहेली कार्ड मांगा। कार्ड नहीं होने के कारण दिव्या को किराया देकर टिकट लेना पड़ा। उन्होंने बताया कि वह रोजाना काम के सिलसिले में बस से हौजखास जाती हैं और उन्हें नए नियम की जानकारी नहीं थी। अब वह पिंक सहेली कार्ड बनवाने की तैयारी करेंगी। लक्ष्मी नगर में भी महिलाओं को देना पड़ा किराया लक्ष्मी नगर बस अड्डे पर दोपहर करीब 3:15 बजे कई महिला यात्री पिंक सहेली कार्ड के साथ बस में सवार हुईं। परिचालक ने कार्ड देखकर उन्हें निःशुल्क टिकट जारी किया। वहीं, दो महिला यात्रियों के पास कार्ड नहीं था। परिचालक ने उनसे कार्ड के बारे में पूछा और कार्ड नहीं होने की पुष्टि के बाद उन्हें किराया देकर टिकट लेना पड़ा। परिचालक ने महिला यात्रियों को बताया कि निःशुल्क बस यात्रा का लाभ लेने के लिए पिंक सहेली कार्ड बनवाना आवश्यक है। दूसरे राज्यों से आई महिलाओं के सामने अलग चुनौती सरोजिनी नगर में दोपहर करीब 1:30 बजे महिला यात्री रीना ने बताया कि उनके पास पिंक सहेली कार्ड होने के कारण उन्हें नए नियम से कोई परेशानी नहीं हुई। हालांकि, उनकी बहन सीमा देवी के पास कार्ड नहीं है। सीमा देवी करीब 3 महीने पहले उत्तर प्रदेश से दिल्ली आई हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक दिल्ली का पहचान पत्र नहीं बन पाया है और आधार कार्ड में भी दिल्ली का पता दर्ज नहीं है। इस कारण वह पिंक सहेली कार्ड नहीं बनवा सकी हैं। अब उन्हें बस से यात्रा करने के लिए किराया देना पड़ रहा है। पिंक कार्ड केंद्रों पर उमड़ी महिलाओं की भीड़ निःशुल्क बस यात्रा के लिए पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड अनिवार्य किए जाने के बाद कार्ड बनवाने के लिए पास केंद्रों पर महिलाओं की संख्या अचानक बढ़ गई। हसनपुर डिपो के पास बने पास केंद्र पर गुरुवार को महिलाओं की लंबी कतार देखने को मिली। केंद्र के कर्मचारियों के अनुसार सामान्य दिनों में प्रतिदिन करीब 30 से 40 महिलाएं कार्ड बनवाने के लिए आती थीं, लेकिन गुरुवार को दोपहर तक 200 से अधिक महिलाएं पहुंच चुकी थीं।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदो की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक उत्तर रेलवे नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदो के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :

क्र.स.	निविदा स.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	82265073	वयस्क मरीज सिम्युलेटर (संलग्न विनिर्देशी के अनुसार)	01 नग	23.10.2026

निविदा शर्ते – 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है
2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।

निविदा सूचना सं. 82265073 दिनांक: 01.10.2026 3425/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

टेंडर नोटिस सं. 46/2026-2027 दिनांक: 30.09.2026

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतू निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	14260913A	रबर बेस्ड अधेसिव	51151 लीटर	22.10.26
02	09262541	क्रॉस बार	4090 नग	26.10.26
03	07261530	एयर ब्रेक होस कपलिंग	28862 नग	26.10.26
04	15245210C	हाई स्पीड प्रिसिशन लेथ मशीन	2 नग	28.10.26
05	16265043	स्प्रिंग सिंगल कएल	264 नग	29.10.26
06	16265042	निकल कादमिमुम बैटरी	7 सेट	02.11.26

निविदा शर्तें:- 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती हैं। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

3404/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भारतीय रेल

भारत सरकार
रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

सं.: आरएस(पोल)/58/0506/1/2027 नई दिल्ली, दिनांक: 29.09.2026

विषय: सी.पी. 01.01.2027 से 31.12.2027 के लिए एएआर अनुमोदित ग्रीस की खरीद के लिए रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की ई–निविदा सं. 2027 एएआर एजी टीसी के लिए ई–निविदा सूचना का प्रकाशन

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निदेशक, रेल भंडार (एम), रेल मंत्रालय, (रेलवे बोर्ड), भारत सरकार नीचे दिए गए ब्यौरों के अनुसार ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

1.	ई–निविदा सं.	2027 एएआर एजी टीसी
2.	कार्य का नाम	अक्टूबर 2016 के संशोधन सं. 1 के साथ अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संस्थान (आरडीएसओ) विशिष्टि सं. डब्ल्यूडी–24–विविध.2003 (संशोधन–1) के अनुरूप माल स्टॉक के कार्टिज टेपर रोलर बियरिंग के लिए एएआर अनुमोदित/अअमासं. अनुमोदित ग्रीस की खरीद।
3.	अनुमानित मात्रा किलोग्राम में	2,51,561 किलोग्राम
4.	बयाना	₹ 20,00,000/–
5.	ई–निविदा को जमा करने की अंतिम तारीख एवं समय	28.10.2026 को 14.30 बजे
6.	पूर्ण ब्यौरों और आगे के शुद्धिपत्र के लिए तथा ई–निविदा के लिए वेबसाइट	http://www.ireps.gov.in
7.	आबंटन शीर्ष	अनुदान सं. 01

एएआर अनुमोदित ब्रांड्स

क्र.सं.	ग्रीस का ब्रांड	निर्माता
1.	एक्सान अरपेन आरबी–320	मैसर्स एक्सान मोबिल
2.	टिमकेन प्रीमियम रेल ग्रीस	मैसर्स एक्सान मोबिल
3.	शैल अल्वेनिया ईपी–डी	मैसर्स शैल कनाडा लि.
4.	मोबिलीथ एसएचसी–100	मैसर्स एक्सान मोबिल
5.	मोबिलीथ एसएचसी–221	मैसर्स एक्सान मोबिल
6.	शैल गड्डुस रेल एस3 एएआर एएल	शैल ऑयल प्रोडक्ट
7.	सर्वोग्रीस 'आरईपी 1'	मैसर्स आईओसी लि.

3415/2026

निदेशक, रेल भंडार (एम)
रेलवे बोर्ड

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त खबरें

गुरुग्राम: नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कठोर कैद, 20 हजार जुर्माना

गुरुग्राम। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में गुरुग्राम पुलिस की ठोस पैरवी के चलते अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष की कठोर कैद और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने गुरुवार को बताया कि यह मामला 18 सितंबर 2022 का है। एक महिला ने थाना सेक्टर-5 में शिकायत दी थी कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया गया है। शिकायत पर थाना सेक्टर-5 में संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी दीपांशु (24 वर्ष) निवासी भीमगढ़ खेड़ी, गुरुग्राम को गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने वैज्ञानिक तरीके से मामले की जांच की, साक्ष्य और गवाहों के बयान एकत्रित कर अदालत में चार्जशीट दाखिल की। पुलिस द्वारा पेश किए गए पुख्ता सबूतों और प्रभावी पैरवी के आधार पर 30 सितंबर 2026 को अदालत ने आरोपी दीपांशु को दोषी करार दिया। अदालत ने उसे पॉक्सो एक्ट की धारा-6 के तहत 20 साल की कैद और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

गुरुग्राम: नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाला पड़ोसी गिरफ्तार, बाइक भी बरामद

गुरुग्राम। पुलिस ने 13 वर्षीय नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ के मामले में उसके पड़ोसी युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने गुरुवार को बताया कि आरोपी की पहचान 23 वर्षीय युवक के रूप में हुई है। वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक भी बरामद कर ली गई है। पुलिस के अनुसार पीड़िता की मां ने थाना शहर सोहना में शिकायत दी थी कि 24 सितंबर को उसकी बेटी स्कूल से गांव लौट रही थी। रास्ते में गांव के ही युवक ने उसे बाइक पर बैठने के लिए कहा। बार-बार कहने पर लड़की बाइक पर बैठ गई, जिसके बाद आरोपी ने गांव जाते समय उसके साथ अशोभनीय बातचीत और छेड़छाड़ की। शिकायत के आधार पर थाना शहर सोहना में केस दर्ज किया गया। जांच के दौरान थाना शहर सोहना की टीम ने 26 सितंबर को आरोपी को इंद्री मोड़ सोहना से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। पुलिस ने आरोपी को 27 सितंबर को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड रोड पर चलती होंडा सिटी में लगी आग, चालक कूदा

गुरुग्राम। सोहना एलिवेटेड रोड पर भोंडसी के पास बुधवार को चलती होंडा सिटी कार में अचानक आग लग गई। बोनट से धुआं उठता देख चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए कार सड़क किनारे रोकी और बाहर निकल गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। देखते ही देखते कार आग की लपटों में घिर गई। जानकारी के अनुसार चालक सोहना से गुरुग्राम की ओर जा रहा था। टोल प्लाजा पार कर फ्लाईओवर पर पहुंचते ही उसे बोनट से धुआं उठता दिखा। कार रोककर बाहर निकलते ही आग ने पूरी कार को चपेट में ले लिया। सूचना पर सोहना दमकल केंद्र से एक गाड़ी मौके पर पहुंची और मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल अधिकारी देवेंद्र के अनुसार आग का कारण स्पष्ट नहीं है, प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या इंजन ओवरहीट होने की आशंका है। हादसे के बाद एलिवेटेड रोड पर लंबा जाम लग गया। पुलिस और एनएचएआई टीम ने मौके पर पहुंचकर यातायात सुचारू कराया।

गुरुग्राम में सफाई की नई व्यवस्था, हर वार्ड को मिलेंगे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली व 50 सफाई कर्मचारी

-नगर निगम गुरुग्राम की सदन की सामान्य बैठक में यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

-बैठक में वार्ड-27 के पार्षद आशीष गुप्ता को निर्विरोध बनाया गया एफएंडसीसी सदस्य

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम सदन की गुरुवार को हुई सामान्य बैठक में सफाई से संबंधित अहम निर्णय लिया गया। संसाधनों और सफाई कर्मचारियों की कमी से सफाई व्यवस्था बाधित ना हो, इसके लिए हर वार्ड में तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली व 50 सफाईकर्मियों की तैनाती का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठ की अध्यक्षता मेयर राजरानी मल्होत्रा ने की। साथ ही इस बैठक में वार्ड-27 के पार्षद आशीष गुप्ता को सर्वसम्मति से निर्विरोध वित्त एवं संविदा समिति (एफएंडसीसी) का सदस्य चयनित किया गया। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था, सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने, सीवरेज व्यवस्था को मजबूत करने तथा निगम की संपत्तियों के संरक्षण से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सदन में इन प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित करते हुए शहर की नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया। प्रत्येक वार्ड में तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली और 50 सफाई कर्मचारियों की तैनाती के निर्णय के बाद धरातल पर काम शुरू होने के बाद सफाई व्यवस्था सुधरने की उम्मीद है। इससे वार्ड स्तर पर सफाई कार्यों के लिए उपलब्ध संसाधनों और मानवबल में वृद्धि होगी। बैठक में वार्ड-21 के अंतर्गत 272 एकड़ जमीन की डिमार्केशन कराने का निर्णय लिया गया। डिमार्केशन के बाद जमीन पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटवाने तथा भूमि को नगर निगम के अधिपत्य में लेने की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही संबंधित भूमि की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए चारदीवारी का निर्माण कराने का भी निर्णय लिया गया।

नूंह: शिक्षा समीक्षा बैठक में विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सुधार पर जोर

प्रात: किरण संवाददाता

नूंह। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी नूंह मामराज रावत की अध्यक्षता में गुरुवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नूंह में मासिक जिला स्तरीय शिक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारी और सीआरसी हेड मौजूद रहे। बैठक में विद्यार्थियों के सीखने के स्तर, उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यालयों के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी मामराज रावत ने कहा कि विद्यालयों में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति के साथ-साथ उनके वास्तविक सीखने के स्तर में सुधार शिक्षा विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालयों में संचालित प्रत्येक गतिविधि का उद्देश्य बच्चों के सीखने, व्यक्तित्व विकास और विद्यालय के वातावरण में सकारात्मक बदलाव से जुड़ा होना चाहिए। उन्होंने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों एवं सीआरसी हेड को विद्यालयों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा निर्धारित शैक्षणिक कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यालय स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं का समयबद्ध समाधान करवाने को कहा। बैठक के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति, एफएलएन एवं सीखने के स्तर, विद्यालय भ्रमण, आधारभूत सुविधाओं, स्वच्छता, पेयजल, पुस्तकालय और खेल सुविधाओं सहित विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक विषयों की समीक्षा की गई।

फरीदाबाद: विधायक की फर्जी मुहर से 100 फाइलें हुई वेरिफाई

-पत्नी का आधार बनवाते वक्त आया आरोपी को आइडिया

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। एनआईटी के भाजपा विधायक सतीश फागना के नाम की फर्जी स्टैंप, लेटरहेड और डिजिटल हस्ताक्षर से आरोपी सौरभ लोगों से कागजात वेरीफाई करवाने की एवज में 800 से 1000 रुपए वसूलता था। आरोपी सीएससी चलाता था और पत्नी का आधार कार्ड बनवाते वक्त उसे यह आइडिया आया। पुलिस ने आरोपी के पास से फर्जी मुहर और लेटरहेड भी बरामद किए है। यह खुलासा पूछताछ के दौरान आरोपी ने किया है। फिलहाल वह तीन दिन के पुलिस रिमांड पर है। पुलिस के अनुसार अब तक वह 100 से अधिक लोगों के दस्तावेजों पर फर्जी सत्यापन कर चुका था। जिन लोगों ने पैसे देने में आनाकानी की, उन्हें खुद दस्तावेज सत्यापित कराने के लिए कह देता था। लोगों को कार्यालयों की भागदौड़ से बचाने के नाम पर वह रकम वसूलता था। फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ, जब सौरभ से दस्तावेज तैयार करवाने वाले कुछ लोग उन्हें लेकर विधायक के डबुआ कॉलोनी स्थित कार्यालय पहुंचे। दस्तावेज देखते समय कार्यालय प्रभारी सत्यप्रकाश को मुहर पर शक हुआ। विधायक से पुष्टि की गई तो पता चला कि इन दस्तावेजों पर उनके हस्ताक्षर ही नहीं थे। इसके बाद विधायक कार्यालय में तैनात प्रकाश पटेल की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। एनआईटी विधायक सतीश फागना के मुताबिक उनको इस फर्जीवाड़े की कोई जानकारी नहीं थी। जब उनके कर्मचारियों ने कागजों पर लगी मुहर के बारे में बताया तो पता चला कि उन्होंने ये कागज साइन ही नही किए है।

गुरुग्राम: मूंगफली खरीदने के नाम पर 1.71 लाख ठगी में आरोपी कानपुर से काबू

-आरोपी ने ठगी के लिए मोबाइल सिम सप्लाई किया था

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। मूंगफली खरीदने के नाम पर 1.71 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में गुरुग्राम साइबर क्राइम पश्चिम पुलिस ने सिम कार्ड सप्लाई करने वाले आरोपी को कानपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी ग्राहकों की केवाईसी और लाइव फोटो का दुरुपयोग कर फर्जी सिम जारी कर साइबर ठगों को बेचता था। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान विनय शर्मा निवासी कानपुर उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 13 फरवरी 2026 को एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि उसकी कुकिंग ऑयल फैक्ट्री है, जिसमें मूंगफली के तेल के लिए बड़ी मात्रा में मूंगफली की जरूरत होती है। एक परिचित के जरिए उसकी बात एक मूंगफली विक्रेता से हुई। विक्रेता ने 2000 किलो मूंगफली भेजने की बात कहकर 29 जनवरी 2026 को 1,71,000 रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। पैसे लेने के बाद वह ऑर्डर डिस्पैच का आश्वासन देता रहा और बाद में संपर्क तोड़ दिया। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर थाना पश्चिम में केस दर्ज कराया। जांच में पता चला कि ठगी में इस्तेमाल किया गया वीआई कंपनी का मोबाइल नंबर आरोपी विनय शर्मा ने ही उपलब्ध कराया था। आरोपी वीआई टेलीकॉम में पीओएस एजेंट के तौर पर काम करता था। वह ग्राहकों के आधार, केवाईसी और लाइव फोटो का बिना उनकी जानकारी के दुरुपयोग कर सिम जारी करता था और अपने साथियों के जरिए साइबर ठगों तक पहुंचाता था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अब तक करीब 50 फर्जी सिम साइबर ठगों को दे चुका है, जिसके बदले उसे करीब एक लाख रुपये मिले हैं।

नूंह के गांव दुबालू से दिल्ली तक पहुंची बलजीत सिंह डागर की सेवा यात्रा

प्रात: किरण संवाददाता

नूंह। नूंह जिले के छोटे से गांव दुबालू के किसान परिवार में जन्मे बलजीत सिंह डागर ने अपनी मेहनत, सामाजिक प्रतिबद्धता और जनसेवा के जरिए क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। सामाजिक सरोकार, पर्यावरण संरक्षण और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें महात्मा अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में एक अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम में बलजीत सिंह डागर को ह्यमहात्मा गांधी अवार्ड 2026- लीडरशिप इन एनवायरमेंटल रिस्पांसिबिलिटी एंड सोशल इम्पैक्टह्न सम्मान प्रदान किया गया। ग्रामीण परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय राजधानी में इस सम्मान को हासिल करना उनके गांव और पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बना है। वर्तमान में प्रतिष्ठित कंपनी जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड में उपाध्यक्ष पद पर कार्यरत डागर ने कॉरपोरेट क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों को भी प्राथमिकता दी। किसान परिवार से होने के कारण उनका ग्रामीण समाज और गांवों की समस्याओं से जुड़ाव लगातार बना रहा। यही जुड़ाव समय के साथ सामाजिक कार्यों की प्रेरणा बना। बलजीत सिंह डागर ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, सामुदायिक विकास, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और जनजागरूकता से जुड़े कार्यों में भागीदारी की। गांवों में तालाबों के विकास एवं सौंदर्यीकरण, पौधारोपण तथा ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने जैसी पहलों में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही है। उनका प्रयास रहा है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर सामूहिक प्रयासों के माध्यम से किया जाए। क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर उनकी सक्रियता का एक उदाहरण मंडकोला में मुंबई एक्सप्रेसवे पर कट की मांग को लेकर चला आंदोलन भी है।

नूंह पुलिस ने चोरी के दस मामलों में वांछित आरोपी को पकड़ा

प्रात: किरण संवाददाता

नूंह। पुन्हाना सदर थाना पुलिस ने गश्त एवं चेकिंग के दौरान चोरी के मामलों में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान साबिर निवासी लुहिंगा कलां जिला नूंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को नियमानुसार कार्रवाई के बाद रेवाड़ी पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि पुन्हाना सदर थाना पुलिस की टीम गश्त एवं चेकिंग पर थी। इसी दौरान पुलिस ने साबिर को काबू किया। आरोपी के संबंध में रिकॉर्ड की जांच करने पर सामने आया कि वह जिला रेवाड़ी में चोरी के कुल 10 मामलों में वांछित है तथा काफी समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ थाना मॉडल टाउन रेवाड़ी में चोरी के नौ मुकदमे तथा थाना सिटी रेवाड़ी में चोरी का एक मुकदमा दर्ज है। इस प्रकार आरोपी कुल 10 मामलों में वांछित था। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि रेवाड़ी पुलिस की ओर से आरोपी की गिरफ्तारी के संबंध में नूंह पुलिस से सहयोग मांगा गया था। इसके बाद पुन्हाना सदर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की और उसे थाना मॉडल टाउन रेवाड़ी पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस द्वारा आरोपी से संबंधित अन्य आपराधिक रिकॉर्ड की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

गुरुग्राम के सरहौल में ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

गुरुग्राम। सेक्टर-18 सरहौल में तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में 25 वर्षीय डेटा एनालिस्ट सौरभ विश्वकर्मा और उसके पड़ोसी दिव्यांश की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी ड्राइवर ट्रैक्टर छोडकर फरार हो गया। सौरभ मूल रूप से मध्य प्रदेश के सतना के नागोद का रहने वाला था। वह 15 साल से मोलाहेड़ा में परिवार के साथ किराए पर रहता था। वह सेक्टर-56 की एक आईटी कंपनी में डेटा एनालिस्ट था और पार्ट-टाइम रैपिडो भी चलाता था। दिव्यांश विदिशा का रहने वाला था। बुधवार सुबह सौरभ ऑफिस जा रहा था, तभी उसने पड़ोसी दिव्यांश को लिफ्ट दी। सरहौल के पास पीछे से आई ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को चपेट में ले लिया। टक्कर से दोनों उछलकर गिरे और ट्रॉली बाइक को रौंदते हुए निकल गई। हेलमेट के बावजूद सिर और छाती में गंभीर चोट से ज्यादा खून बहने से मौत हो गई। सेक्टर-18 थाना पुलिस ने शवों को नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर ली गई है और नंबर प्लेट के आधार पर फरार ड्राइवर की तलाश जारी है।

रेलवे स्टेशन यार्ड में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

गुरुग्राम। साइबर सिटी गुरुग्राम के गढ़ी हरसरू रेलवे स्टेशन यार्ड स्थित कंटेनर डिपो के भीतर एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां ट्रेन की चपेट में आने से लगभग 30 वर्षीय एक अज्ञात युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और पुलिस आसपास के क्षेत्रों में उसकी शिनाख्त कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। गुरुवार को गढ़ी हरसरू रेलवे स्टेशन पर तैनात ऑन-ड्यूटी असिस्टेंट स्टेशन मास्टर ने टेलीफोन के माध्यम से पुलिस को इस दुर्घटना की सूचना दी। स्टेशन मास्टर ने बताया कि रेलवे यार्ड कंटेनर डिपो के भीतर जीआरएफएल-1 और जीआरएफएल-2 गेटवे रेल लाइनों के बीच एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है, जो किसी रेलगाड़ी की चपेट में आने से गंभीर रूप से क्षत-विक्षत हो गया है।

गुरुग्राम: पेट्रोल, डीजल देने से पहले जांचना होगा प्रदूषण नियंत्रण सर्टिफिकेट

-बिना वैध पीयूसीसी के नहीं दिया जाएगा पेट्रोल, डीजल

-जिला उपायुक्त ने पेट्रोल पंप संचालकों को दिए कड़े निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिला के सभी पेट्रोल पंप संचालकों को जिला उपायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि पेट्रोल-डीजल देने से पहले संबंधित वाहन का वैध पीयूसीसी अवश्य जांचें। बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र वाले किसी भी वाहन में पेट्रोल या डीजल न डाला जाए। पेट्रोल पंप परिसर में इस संबंध में चेतावनी एवं जागरूकता बोर्ड प्रदर्शित करना भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एवं आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की रोकथाम तथा वायु गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा जारी निर्देशों की गुरुग्राम जिले में सख्ती से अनुपालना सुनिश्चित किए जाने को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है। उपायुक्त की ओर से साफ कहा गया है कि सीएक्यूएम के निर्देशों के तहत अब बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र (पीयूसीसी) वाले वाहनों में पेट्रोल अथवा डीजल का वितरण नहीं किया जाएगा। इस संबंध में जिला प्रशासन की ओर से संबंधित विभागों एवं पेट्रोल पंप संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) कैमरे स्थापित करने की प्रक्रिया तेजी से जारी है। जब तक सभी पेट्रोल पंपों पर यह तकनीकी व्यवस्था पूरी तरह संचालित नहीं हो जाती, तब तक नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था लागू रहेगी। इसके तहत खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, ट्रैफिक पुलिस तथा क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण विभाग के संयुक्त दल समय-समय पर जिलेभर में विशेष वाहन जांच अभियान चलाएंगे। जांच के दौरान बिना वैध पीयूसीसी पाए जाने वाले वाहनों के चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम एवं पर्यावरण संरक्षण नियमों के तहत नियमानुसार कार्रवाई और चालान किया जाएगा। उपायुक्त ने आमजन से अपील की है कि वे वायु प्रदूषण की रोकथाम और पर्यावरण संरक्षण में अपना सहयोग दें। वाहन मालिक अपने वाहनों के प्रदूषण स्तर की समय पर जांच करवाएं और वैध पीयूसीसी अपने साथ रखें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा या दंडात्मक कार्रवाई का सामना न करना पड़े।

फर्जी स्क्रीनशॉट दिखाकर तीन दुकानों से की ठगी

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। शहर में ऑनलाइन भुगतान के नाम पर ठगी का नया तरीका सामने आया है। एक महिला और पुरुष दुकानदारों को मोबाइल पर फर्जी पेमेंट का स्क्रीनशॉट दिखाकर सामान लेकर फरार हो रहा है। मंगलवार को दोनों ने अलग-अलग इलाकों में तीन दुकानों को निशाना बनाया। आरोपियों ने करीब 25,400 रुपए का सामान खरीदा, लेकिन किसी भी दुकान के खाते में भुगतान नहीं पहुंचा। सबसे पहले कपल ओल्ड फरीदाबाद के ठाकुरवाड़ा स्थित गर्ग बैग एंड गारमेंट्स पर पहुंचा। यहां दोनों ने बच्चों के कपड़े पसंद किए। करीब 4400 रुपए का सामान लेने के बाद उन्होंने भुगतान के लिए दुकान का स्कैनर मांगा। इसके बाद सेल्समैन को स्कैनर लेकर दुकान के बाहर आने के लिए कहा। बाहर पहुंचने पर आरोपियों ने अपने मोबाइल पर 4400 रुपए के भुगतान का स्क्रीनशॉट दिखा दिया। स्क्रीन पर दुकान का नाम और रकम दिखाई दे रही थी, इसलिए कर्मचारी को भुगतान होने का भरोसा हो गया। दोनों सामान लेकर वहां से निकल गए। कुछ देर बाद दुकानदार गोविंद गर्ग ने खाते में ट्रांजेक्शन चेक किया तो कोई रकम जमा नहीं हुई थी। दुकानदार बाहर पहुंचा, लेकिन तब तक दोनों फरार हो चुके थे। दुकानदार ने आसपास के व्यापारियों से पूछताछ की तो पता चला कि इसी हुलिए का कपल सेक्टर-37 की एक कपड़ों की दुकान से करीब 15 हजार रुपए का सामान ले गया है। वहां भी भुगतान का स्क्रीनशॉट दिखाया गया था। इसके बाद सेक्टर-23 के एक शोरूम में करीब 6 हजार रुपए की खरीदारी करने की जानकारी मिली। यहां भी दोनों ने भुगतान का स्क्रीनशॉट दिखाकर दुकानदार को भ्रमित किया और सामान लेकर निकल गए।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण जानकारी

त्यौहार विशेष रेलगाड़ी का संचालन

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा पूर्व घोषित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों के अलावा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी भी नीचे दी गई समय–सारणी के अनुसार संचालित की जायेगी:–

04081/04082 नई दिल्ली – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – नई दिल्ली त्यौहार स्पेशल एक्सप्रेस | 6 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04081 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04081 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04082 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04082 प्रस्थान
----	23:45	नई दिल्ली	10:00	----
00:58	01:00	पानीपत	07:25	07:27
01:50	01:52	कुरुक्षेत्र जं.	06:25	06:27
02:30	02:40	अंबाला छावनी	05:40	05:50
04:15	04:20	लुधियाना जं.	03:45	03:50
05:22	05:27	जलंधर छावनी	02:45	02:50
07:15	07:20	पठानकोट छावनी	00:45	00:50
09:15	09:25	जम्मू तवी	23:00	23:05
11:08	11:10	शहीद कप्तान तुषार महाजन	21:28	21:30
12:00	----	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	----	21:00

चलने के दिन: 04081 नई दिल्ली से दिनांक 02.10.2026, 03.10.2026 एवं 04.10.2026 (शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार) को और 04082 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से दिनांक 03.10.2026, 04.10.2026 एवं 05.10.2026 (शनिवार, रविवार एवं सोमवार) को।
संरचना: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलवे पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें:– www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

3427/26

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

गुरुग्राम: नर्सिंग ऑफिसर्स की हुंकार, मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी नहीं स्वीकार

-मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के खिलाफ नर्सिंग ऑफिसर्स की हुंकार

-दूसरे दिन भी काले बिल्ले लगाकर किया काम, सुबह से रात तक ड्यूटी पर विरोध जारी

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग की मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के खिलाफ नर्सिंग ऑफिसर्स का सरकार के प्रति गुस्सा और विरोध बढ़ता जा रहा है। गुरुग्राम में नर्सिंग ऑफिसर्स का काले बिल्ले लगाकर विरोध गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। नागरिक अस्पताल सेक्टर-10 समेत सभी पीएचसी, सीएचसी में तैनात नर्सिंग ऑफिसर्स ने सुबह की शिफ्ट से लेकर रात की ड्यूटी तक काले बिल्ले लगाकर काम किया और सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। नर्सिंग ऑफिसर्स का साफ कहना है कि यह मॉडल ट्रांसफर पॉलिसी नहीं, बल्कि टॉर्चर ट्रांसफर पॉलिसी है। इस पॉलिसी को तुरंत रद्द किया जाए। नर्सिंग ऑफिसर्स ने बताया कि बुधवार को पहले दिन भी गुरुग्राम समेत पूरे प्रदेश में सभी नर्सिंग ऑफिसर्स ने एकजुटता दिखाते हुए काले बिल्ले लगाकर ड्यूटी की थी। दूसरे दिन गुरुवार को भी यही क्रम जारी रहा। नर्सिंग ऑफिसर्स ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने उनकी मांग नहीं मानी तो यह विरोध और तेज होगा। क्या है नर्सिंग ऑफिसर्स की आपत्ति नर्सिंग ऑफिसर्स का आरोप है कि सरकार द्वारा लागू की गई मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी अव्यवहारिक है। इस पॉलिसी के तहत महिला स्टाफ को उसके गृह जिले से 100 से 200 किलोमीटर दूर भेजा जाएगा। इससे उनके परिवार और बच्चों की परवरिश पर असर पड़ रहा है। ट्रांसफर में सीनियोरिटी और मेरिट को दरकिनार किया जा रहा है। नर्सिंग ऑफिसर्स की मनमाने ट्रांसफर से अस्पतालों की व्यवस्था और चरमरा जाएगी, जिसका सीधा असर मरीजों पर पड़ेगा। गुरुग्राम से नर्सिंग ऑफिसर्स ने एकजुट होकर कहा कि नर्सिंग एक इमरजेंसी सेवा है। हम मरीजों को परेशान नहीं करना चाहते, इसलिए हम हड़ताल पर न जाकर काले बिल्ले लगाकर अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। सरकार इसे हमारी कमजोरी न समझे। अभी दो दिन काले बिल्ले लगाकर विरोध किया गया है। आगामी 5, 6 व 7 अक्टूबर 2026 को दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल की जाएगी। इस दौरान इमरजेंसी सेवाएं चालू रहेंगी, तक मरीजों को परेशानी न हो। अगर सरकार ने उनकी मांग नहीं मानी तो प्रदेश स्तर पर आगे की रणनीति तय की जाएगी। नर्सिंग ऑफिसर्स ने कहा कि चाहे मेवात कैडर हो या बाकी हरियाणा, ट्रांसफर पॉलिसी में ट्रांसफर चॉइस होनी चाहिए। जो स्टाफ जहां जाना चाहे उसकी ट्रांसफर की जाये।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कैद

गुरुग्राम। 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के मामले में अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष की कठोर कारावास और 20 हजार रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई है। गुरुग्राम पुलिस की प्रभावी पैरवी, वैज्ञानिक अनुसंधान और न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए मजबूत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने यह फैसला सुनाया। जानकारी के अनुसार 18 सितंबर 2022 को एक महिला ने थाना सेक्टर-पांच गुरुग्राम में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया है। महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए गुरुग्राम पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और वारदात में शामिल आरोपी 24 वर्षीय दीपांशु निवासी भीमगढ़ खेड़ी, गुरुग्राम को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम ने मामले की गहनता और वैज्ञानिक पद्धति से जांच की। जांच के दौरान पीड़ित पक्ष के बयान, मेडिकल साक्ष्य और अन्य महत्वपूर्ण सबूत जुटाए गए। इसके बाद पुलिस ने गवाहों के बयानों और निष्पक्ष साक्ष्यों के साथ न्यायालय के समक्ष आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। अदालत में मामले की सुनवाई के दौरान गुरुग्राम पुलिस की ओर से ठोस पैरवी की गई। प्रस्तुत किए गए सबूतों और गवाहों के आधार पर अदालत ने बुधवार को को आरोपी दीपांशु को दोषी करार दिया। इसके बाद अदालत ने पोक्सो एक्ट की धारा छह के तहत निर्णय सुनाते हुए दोषी दीपांशु को 20 साल की कठोर कैद और 20 हजार रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई। गुरुग्राम पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस महिलाओं और नाबालिगों के विरुद्ध होने वाले अपराधों को लेकर अत्यंत गंभीर है। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई, निष्पक्ष जांच और अदालत में प्रभावी पैरवी के माध्यम से दोषियों को सख्त सजा दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है, ताकि समाज में अपराधियों के बीच कानून का भय बना रहे।

चुनाव आयोग पर विपक्ष का दबाव या 2027 की राजनीतिक तैयारी?

कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में 30 सितंबर को हुई इंडिया ब्लॉक की आठवीं बैठक के बाद विपक्ष ने चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर अपने आंदोलन का खाका सामने रखा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की और छह अक्टूबर को विपक्षी सांसदों द्वारा चुनाव आयोग के घेराव की घोषणा की। बैठक में 19 विपक्षी दलों के शामिल होने की बात सामने आई है। विपक्ष ने दो से आठ अक्टूबर तक जिला स्तर पर मार्च, अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रपति से मुलाकात, पांच बड़ी रैलियां और एक नवंबर को दिल्ली में बड़ी रैली सहित कई कार्यक्रम तय किए हैं। बैठक का केंद्र एसआईआर, मतदाता सूची में बदलाव, ईवीएम-वीवीपैट और चुनाव आयोग की स्वतंत्रता रहा। खड़गे ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग को केंद्र सरकार की कठपुतली बना दिया गया है और मतदाता सूची में बदलाव के जरिए विपक्ष के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। यह विपक्ष का राजनीतिक आरोप है, जिसे तथ्य के रूप में स्वीकार करने से पहले संबंधित प्रमाण और चुनाव आयोग का पक्ष देखना जरूरी है। चुनाव आयोग स्वयं एक स्वायत्त संवैधानिक संस्था है और देश में लोकसभा, राज्यसभा तथा विधानसभा चुनावों के संचालन की जिम्मेदारी उसके पास है। एसआईआर को लेकर विपक्ष जिस तरह लगातार अभियान चला रहा है, उससे स्पष्ट है कि मतदाता सूची का मुद्दा आने वाले चुनावों की राजनीति में बड़ा विषय बनने जा रहा है। विपक्ष का कहना है कि किसी वैध मतदाता का नाम हटाने से पहले उसे सूचना, कारण और अपील का अवसर मिलना चाहिए। दूसरी ओर चुनाव आयोग की मौजूदा व्यवस्था में मतदाता पंजीकरण, नाम में सुधार, आवेदन की स्थिति देखने और मतदाता सूची से संबंधित सेवाओं के लिए आधिकारिक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। आयोग के नागरिक सेवा पोर्टल पर नया मतदाता पंजीकरण करने के लिए फॉर्म-6 की सुविधा भी दी गई है। फॉर्म-6 को लेकर भी विपक्ष की ओर से सवाल उठाए गए हैं। वहीं चुनाव आयोग ने 30 सितंबर को उन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में अतिरिक्त घोषणा पत्र की आवश्यकता समाप्त करने की जानकारी दी, जहां एसआईआर पूरा हो चुका है या अभी शुरू नहीं हुआ है। ऐसे में इस मुद्दे पर राजनीतिक आरोपों के साथ-साथ वास्तविक प्रक्रिया को समझना भी जरूरी है। मतदाता सूची से जुड़ा कोई भी बदलाव कितना व्यापक है, कितने नाम जोड़े या हटाए गए और किन कारणों से कार्रवाई हुई, इसका राज्यवार आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर विश्लेषण ही अधिक स्पष्ट तस्वीर दे सकता है। इंडिया ब्लॉक की बैठक में विपक्ष ने ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से मतदान कराने की मांग भी दोहराई। इसके साथ ही भविष्य के चुनावों में एसआईआर से पहले की मतदाता सूची इस्तेमाल करने, मतदाता सूची में बदलाव की जानकारी सार्वजनिक करने और चुनाव प्रक्रिया में संस्थागत जवाबदेही बढ़ाने की मांग रखी गई। ये विपक्ष की घोषित राजनीतिक मांगें हैं। इन मांगों पर अंतिम निर्णय चुनावी कानून, संवैधानिक व्यवस्था और सक्षम संस्थाओं की प्रक्रिया के अनुसार ही होगा। बैठक में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का शरद पवार गुट, शिवसेना का उद्धव ठाकरे गुट, राजद, वाम दलों सहित विभिन्न विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। हालांकि आम आदमी पार्टी और द्रमुक बैठक में शामिल नहीं हुए। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी व्यक्तिगत रूप से बैठक में नहीं पहुंचे और उनकी जगह पार्टी के प्रतिनिधि शामिल हुए। इससे यह संकेत जरूर मिलता है कि इंडिया ब्लॉक के भीतर चुनाव आयोग के मुद्दे पर व्यापक राजनीतिक सहमति बनाने का प्रयास है, लेकिन सभी दलों की सक्रिय भागीदारी एक जैसी नहीं है। यहां सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि इस बैठक से कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक को राजनीतिक रूप से क्या हासिल हुआ। विपक्ष को एक साझा मुद्दा जरूर मिला है, जिसके जरिए वह अलग-अलग राज्यों में अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को एक अभियान से जोड़ सकता है। छह सूत्री कार्यक्रम इसी रणनीति का हिस्सा दिखाई देता है। लेकिन आंदोलन की घोषणा और उसके राजनीतिक प्रभाव के बीच काफी अंतर होता है। किसी भी आरोप को जनता के बीच प्रभावी मुद्दा बनाने के लिए ठोस तथ्य, दस्तावेज और लगातार राजनीतिक संवाद की आवश्यकता होती है। विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग को कठपुतली कहे जाने के बाद भाजपा की ओर से भी पलटवार किया गया है।

नौसेना की मजबूती से आर्थिक सुरक्षा क्षेत्रीय स्थिरता और राष्ट्रीय शक्ति को मिलेगा आधार

कांतिलाल मांडोत

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और समृद्धि में समुद्री क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि समुद्र सुरक्षित है तो भारत सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता, पसंदीदा सुरक्षा भागीदार और विश्वास तथा विश्वसनीयता के प्रतीक के रूप में अपनी भूमिका लगातार मजबूत कर रहा है। बदलते वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत की समुद्री शक्ति केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और रणनीतिक हितों से भी सीधे जुड़ी हुई है। रक्षा मंत्री ने 29 सितंबर को नई दिल्ली स्थित नौसेना भवन में भारतीय नौसेना के द्विवार्षिक कमांडर्स सम्मेलन 2026 के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति और कार्यनीतिक जिम्मेदारी लगातार बढ़ रही है। दुनिया इस बदलाव को देख रही है। समुद्री क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों, भीड़भाड़, छल और संदिग्ध गतिविधियों के कारण परिस्थितियां पहले की तुलना में अधिक जटिल हुई हैं। ऐसे में भारतीय नौसेना को अपनी निगरानी और प्रतिक्रिया क्षमता को नए स्तर पर ले जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज समुद्र केवल व्यापार और आवागमन का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि किसी भी देश की रणनीतिक और आर्थिक शक्ति का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। भारत का बड़ा हिस्सा व्यापार समुद्री मार्गों से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा संसाधनों से लेकर आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति तक समुद्री मार्गों की सुरक्षा देश की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद जरूरी है। ऐसे में समुद्री सीमाओं की सुरक्षा मजबूत रखना भारत की आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना की मौजूदगी अब केवल हिन्द महासागर तक सीमित नहीं है। भारतीय युद्धपोत दक्षिण चीन सागर, भूमध्य सागर और अटलांटिक महासागर तक अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। इससे भारत की समुद्री पहुंच और सैन्य क्षमता का प्रदर्शन होता है। यह उपस्थिति भारत के रणनीतिक हितों की रक्षा के साथ-साथ समुद्री क्षेत्र में सहयोगी देशों के साथ विश्वास मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। रक्षा मंत्री ने भारतीय नौसेना को विकसित भारत 2047 के विजन की रणनीतिक आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है। इसके लिए देश की सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत बनाना होगा। जल, थल और नभ तीनों क्षेत्रों में मजबूत क्षमता किसी भी देश की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए आवश्यक होती है। जब इन तीनों क्षेत्रों में भारत अपनी क्षमताओं को मजबूत करेगा, तब देश की सुरक्षा और आत्मविश्वास दोनों बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की समुद्री सुरक्षा सीधे तौर पर देश की समृद्धि से जुड़ी हुई है। सुरक्षित समुद्री मार्गों से व्यापार सुचारु रहता है, ऊर्जा की आपूर्ति सुनिश्चित होती है और देश की आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलती है। इसके विपरीत समुद्री क्षेत्र में अस्थिरता का असर व्यापार, ऊर्जा और आपूर्ति व्यवस्था पर पड़ सकता है। इसलिए समुद्री सुरक्षा को राष्ट्रीय विकास की व्यापक रणनीति का हिस्सा मानना जरूरी है। हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत की भूमिका पिछले वर्षों में लगातार महत्वपूर्ण हुई है। भारत इस क्षेत्र के अनेक देशों के साथ सुरक्षा सहयोग, मानवीय सहायता और आपदा राहत के क्षेत्र में काम करता रहा है। किसी संकट के समय शीघ्र सहायता पहुंचाने की क्षमता भारत को क्षेत्रीय स्तर पर एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति के रूप में स्थापित करती है। नौसेना के अभियान केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं होते, बल्कि संकट के समय सहयोग और भरोसे का संदेश भी देते हैं। रक्षा मंत्री ने समुद्री निगरानी और प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने पर भी जोर दिया। समुद्री क्षेत्र का विस्तार बहुत बड़ा है और यहां होने वाली प्रत्येक गतिविधि पर लगातार नजर रखना चुनौतीपूर्ण कार्य है। आधुनिक तकनीक, बेहतर सूचना तंत्र, निगरानी प्रणालियों और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता के माध्यम से इस चुनौती से निपटना जरूरी है। समुद्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की समय रहते पहचान और उसके अनुसार कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

सोशल मीडिया और सूचना युद्ध

इसमें झूठी खबर, आधी-अधूरी जानकारी, पुरानी तस्वीर या वीडियो को नई घटना से जोड़ना, किसी सही जानकारी को गलत संदर्भ में प्रस्तुत करना और लगातार किसी विशेष संदेश को लोगों तक पहुँचाना शामिल हो सकता है। इसका उद्देश्य हमेशा किसी इमारत या सैन्य ठिकाने को नुकसान पहुँचाना नहीं होता। कई बार इसका उद्देश्य लोगों के मन में भ्रम, डर, गुस्सा या अविश्वास पैदा करना होता है। सोशल मीडिया ने सूचना युद्ध को बहुत तेज कर दिया है। पहले किसी प्रचार को बड़े स्तर पर फैलाने के लिए अखबार, रेडियो, टेलीविजन या अन्य माध्यमों की आवश्यकता होती थी। आज एक मोबाइल फोन से तैयार किया गया वीडियो कुछ ही मिनटों में हजारों या लाखों लोगों तक पहुँच सकता है। लोग किसी संदेश को बिना उसकी सच्चाई जाँचे आगे भेज देते हैं। इस कारण गलत सूचना को रोकना कठिन हो जाता है।

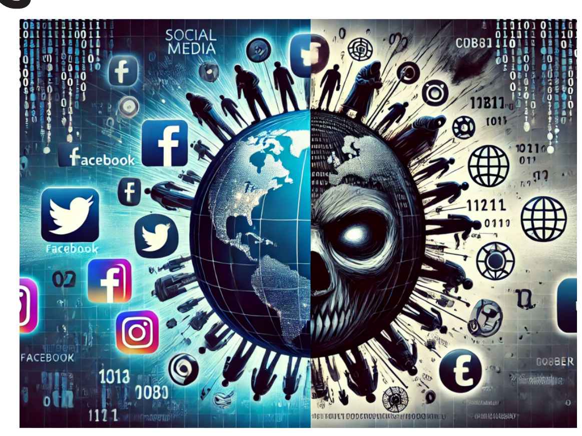

डॉ. सत्यवान सौरभ
(लेखक)

आज सोशल मीडिया हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोग कुछ ही सेकंड में देश-दुनिया की जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। सोशल मीडिया ने सूचना के आदान-प्रदान को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ कुछ गंभीर चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। अब सूचना का इस्तेमाल केवल लोगों को जानकारी देने के लिए नहीं, बल्कि उनकी सोच और भावनाओं को प्रभावित करने के लिए भी किया जा सकता है। इसी कारण सूचना युद्ध आज राष्ट्रीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है। सूचना युद्ध का अर्थ है ऐसी सूचनाओं का इस्तेमाल करना, जिनके माध्यम से लोगों की सोच, भावनाओं, विश्वास और निर्णयों को प्रभावित किया जा सके। इसमें झूठी खबर, आधी-अधूरी जानकारी, पुरानी तस्वीर या वीडियो को नई घटना से जोड़ना, किसी सही जानकारी को गलत संदर्भ में प्रस्तुत करना और लगातार किसी विशेष संदेश को लोगों तक पहुँचाना शामिल हो सकता है। इसका उद्देश्य हमेशा किसी इमारत या सैन्य ठिकाने को नुकसान पहुँचाना नहीं होता। कई बार इसका उद्देश्य लोगों के मन में भ्रम, डर, गुस्सा या अविश्वास पैदा करना होता है। सोशल मीडिया ने सूचना युद्ध को बहुत तेज कर दिया है। पहले किसी प्रचार को बड़े स्तर पर फैलाने के लिए अखबार, रेडियो, टेलीविजन या अन्य माध्यमों की आवश्यकता होती थी। आज एक मोबाइल फोन से तैयार किया गया वीडियो कुछ ही मिनटों में हजारों या लाखों लोगों तक पहुँच सकता है। लोग किसी संदेश को बिना उसकी सच्चाई जाँचे आगे भेज देते हैं। इस कारण गलत सूचना को रोकना कठिन हो जाता है। भारत जैसे बड़े और विविध देश में यह चुनौती और महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत में अलग-अलग धर्मों, जातियों, भाषाओं और क्षेत्रों के लोग रहते हैं। यदि किसी समुदाय से जुड़ी झूठी या भड़काऊ जानकारी सोशल मीडिया पर फैलती है, तो उसका प्रभाव समाज में तनाव के रूप में दिखाई दे सकता है। किसी छोटी स्थानीय घटना को गलत तरीके से प्रस्तुत करके उसे धार्मिक या सामुदायिक रंग दिया जा सकता है। इससे लोगों के बीच अविश्वास बढ़ सकता है और कानून-व्यवस्था की स्थिति भी बिगड़ सकती है। सोशल मीडिया पर अफवाहों का प्रभाव कई बार बहुत गंभीर हो सकता है। किसी व्यक्ति पर गलत आरोप लगाने, किसी समुदाय के खिलाफ झूठी बात फैलाने या किसी घटना की गलत तस्वीर प्रस्तुत करने से भीड़ की भावनाएँ भड़क सकती हैं। ऐसी स्थिति में पुलिस और प्रशासन को अचानक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है। इसलिए संवेदनशील घटनाओं के समय सही और आधिकारिक जानकारी जल्दी उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है। सूचना युद्ध का एक नया रूप डीपफेक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से किसी व्यक्ति के चेहरे और आवाज को बदलकर नकली वीडियो बनाया जा सकता है। देखने वाले को पहली नजर में यह वास्तविक लग सकता है। यदि किसी नेता, अधिकारी, सेना के अधिकारी या किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के नाम से गलत वीडियो प्रसारित किया जाए, तो इससे लोगों में भ्रम पैदा हो सकता है। चुनाव, युद्ध, आतंकवादी घटना या किसी बड़े संकट के समय ऐसी सामग्री विशेष रूप से नुकसानदायक हो सकती है। सैन्य क्षेत्र में सूचना युद्ध की चुनौती और गंभीर हो जाती है। किसी सैन्य अभियान के दौरान सैनिकों की स्थिति, गतिविधियों, हथियारों या हताहतों से जुड़ी गलत जानकारी फैलाई जा सकती है। पुराने युद्ध के वीडियो को वर्तमान घटना का बताया जा सकता है। किसी नकली सैनिक वीडियो या झूठे बयान को वास्तविक बताकर लोगों के मनोबल को प्रभावित करने का प्रयास किया जा सकता है। इसलिए सुरक्षा से जुड़ी जानकारी को साझा करते समय विशेष सावधानी आवश्यक है। सूचना युद्ध का संबंध केवल भारत के अंदर की घटनाओं से नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोशल मीडिया का इस्तेमाल किसी देश की छवि और नीतियों को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है। विभिन्न संगठन या विदेशी नेटवर्क किसी घटना को अपने हित के अनुसार प्रस्तुत कर सकते हैं। सीमा विवाद, आतंकवाद, कश्मीर, आंतरिक अशांति और अन्य संवेदनशील विषयों पर लगातार एक विशेष प्रकार की जानकारी फैलाकर अंतरराष्ट्रीय जनमत को प्रभावित करने की कोशिश की जा सकती है। सोशल मीडिया पर बॉट और नकली अकाउंट भी एक बड़ी चुनौती हैं। सामान्य व्यक्ति को लग सकता है कि किसी मुद्दे पर बहुत बड़ी संख्या में लोग एक जैसा विचार रख रहे हैं, जबकि वास्तव में कई अकाउंट एक ही समूह द्वारा चलाए जा सकते हैं। एक ही संदेश को बार-बार साझा करके उसे लोकप्रिय दिखाने की कोशिश की जा सकती है।

भ्रष्टाचार पर शिकंजा या चलता है की संस्कृति?

सितंबर 2026 में उपलब्ध निगरानी ब्यूरो से संबंधित रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक 114 प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी थी। इनमें 104 मामले ट्रैप से जुड़े थे और 104 आरोपियों को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। इन कार्रवाइयों में करीब 37.48 लाख रुपये रिश्वत की राशि तथा एक वाशिंग मशीन बरामद होने की जानकारी दी गई। इससे पहले सितंबर के आरंभ में ही निगरानी ब्यूरो द्वारा 104 प्राथमिकी और 96 ट्रैप मामलों का आंकड़ा सामने आया था। यानि कुछ ही सप्ताह में ट्रैप मामलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इन आंकड़ों को केवल भ्रष्टाचार की मौजूदगी का प्रमाण मानना भी उचित नहीं होगा।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भ्रष्टाचार के खिलाफ किसी भी सरकार की लड़ाई केवल कानून बनाने या जांच एजेंसियां खड़ी करने से पूरी नहीं होती है। असली सफलता तब मानी जाती है, जब सरकारी व्यवस्था में काम कराने के लिए आम नागरिक को रिश्वत देने की जरूरत महसूस न हो और सरकारी पद पर बैठा व्यक्ति अपने अधिकार का इस्तेमाल निजी लाभ के लिए करने से पहले कई बार सोचे। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, विशेष निगरानी इकाई (रश्व), आर्थिक अपराध इकाई (एडव), पुलिस, आयकर तथा न्यायालय जैसी संस्थाएं अपने-अपने स्तर पर सक्रिय हैं। आय से अधिक संपत्ति के मामलों में छापेमारी, रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तारी और संपत्तियों की जांच लगातार होती रही है। राज्य सरकार की ओर से भी भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर दिया जाता रहा है। लेकिन यहीं से एक असहज प्रश्न पैदा होता है कि यदि व्यवस्था इतनी सक्रिय है तो भ्रष्टाचार का आकर्षण अभी समाप्त क्यों नहीं हुआ? सितंबर 2026 में उपलब्ध निगरानी ब्यूरो से संबंधित रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक 114 प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी थी। इनमें 104 मामले ट्रैप से जुड़े थे और 104 आरोपियों को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। इन कार्रवाइयों में करीब 37.48 लाख रुपये रिश्वत की राशि तथा एक वाशिंग मशीन बरामद होने की जानकारी दी गई। इससे पहले सितंबर के आरंभ में ही निगरानी ब्यूरो द्वारा 104 प्राथमिकी और 96 ट्रैप मामलों का आंकड़ा सामने आया था। यानि कुछ ही सप्ताह में ट्रैप मामलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इन आंकड़ों को केवल भ्रष्टाचार की मौजूदगी का प्रमाण मानना भी उचित नहीं होगा। इसका दूसरा अर्थ यह भी है कि शिकायतों पर कार्रवाई की क्षमता और जांच तंत्र की सक्रियता मौजूद है। लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण प्रश्न है कि सामने आने वाले मामले भ्रष्टाचार की पूरी तस्वीर हैं या केवल उस हिस्से की, जो शिकायत, सत्यापन और ट्रैप के जरिए पकड़ में आता है। यहीं से समस्या की गहराई समझ में आती है। 28 सितंबर 2026 को पटना में एडीएम (आपूर्ति) रविंद्र कुमार दिवाकर और उनकी पत्नी, दानापुर की सब-रजिस्ट्रार कुमारी स्वीटी से जुड़े ठिकानों पर आय से अधिक संपत्ति के मामले में निगरानी की कार्रवाई ने फिर चर्चा तेज कर दी है। रिपोर्टों के अनुसार पटना और बेगूसराय में तलाशी के दौरान नकदी, महंगी घड़ियां, आभूषण और संपत्ति एवं निवेश से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। विभिन्न रिपोर्टों में बरामद नकदी की राशि अलग-अलग बताई गई है और तलाशी/मूल्यांकन की प्रक्रिया जारी होने की बात कही गई है। कुछ रिपोर्टों में 70 लाख रुपये से अधिक नकद और 48 घड़ियों का उल्लेख है, जबकि अन्य प्रारंभिक रिपोर्टों में अलग रकम बताई गई है। इसलिए अंतिम बरामदगी और संपत्ति का आधिकारिक आंकड़ा जांच पूरी होने के बाद ही निश्चित माना जाना चाहिए। निगरानी के अनुसार दंपती पर ज्ञात आय के स्रोत से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज है। यह आरोप है, अंतिम न्यायिक निष्कर्ष नहीं। संपत्ति के स्रोत, वैध आय और बरामद दस्तावेजों का सत्यापन जांच का हिस्सा है। लेकिन इस घटना ने समाज के सामने वही पुराना प्रश्न फिर खड़ा कर दिया है कि जिस व्यवस्था में अधिकारी और कर्मचारी जानते हैं कि निगरानी एजेंसियां सक्रिय हैं, वहां भ्रष्टाचार का जोखिम उठाने की मानसिकता आती कहां से है? भ्रष्टाचार का पहला और सबसे स्पष्ट कारण लालच है। जरूरत और लालच में अंतर है। जरूरत सीमित होती है। लालच की कोई सीमा नहीं होती। जिस व्यक्ति के पास सम्मानजनक वेतन, सामाजिक प्रतिष्ठा और परिवार चलाने के पर्याप्त साधन हो, यदि वह इसके बाद भी रिश्वत लेकर धन, जमीन, फ्लैट, गहने, महंगी गाड़ियां या दूसरी संपत्तियां जोड़ना चाहता है, तो समस्या केवल आर्थिक नहीं रह जाती है। वह मानसिकता का प्रश्न बन जाती है। आज समाज में सफलता को कई बार संपत्ति के प्रदर्शन से मापा जाने लगा है। बड़ा मकान, महंगी गाड़ी, शानदार जीवनशैली, महंगे मोबाइल और विदेश यात्राएं सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रतीक बनते जा रहे हैं। ऐसे वातावरण में सरकारी पद कुछ लोगों के लिए सेवा का माध्यम न रहकर अवसर बन जाता है। भ्रष्टाचार हमेशा नोटों की गड्डियों से शुरू नहीं होता है। कई बार वह तुलना से शुरू होता है। ह्लउसके पास इतना है, मेरे पास क्यों नहीं?ह्व ह्लउसने दो साल में मकान बना लिया, मैं पीछे क्यों रहूं?ह्व ह्लफलां अधिकारी के पास इतना पैसा है, मैं ईमानदार रहकर क्या कर रहा हूं?ह्व यही मानसिकता धीरे-धीरे व्यक्ति को उस सीमा तक ले जाती है जहां वह नियमों से समझौता करने लगता है। समस्या तब और गंभीर होती है जब समाज भी सवाल पूछने के बजाय सफलता के परिणाम को स्वीकार कर लेता है। धन कहां से आया? यह प्रश्न पीछे चला जाता है। धन कितना है? यह प्रश्न आगे आ जाता है। भ्रष्टाचार की चर्चा में एक दूसरा पक्ष भी सामने आता है वह है कथित ह्यचढ़ावाह्न या सुविधा शुल्क। कई नागरिकों की शिकायत रहती है कि बिना पैसे दिए फाइल आगे नहीं बढ़ती है, प्रमाणपत्र जल्दी नहीं बनता है, निरीक्षण में राहत नहीं मिलती है या काम कराने के लिए कई स्तरों पर अनौपचारिक भुगतान करना पड़ता है। लेकिन यहां अंतर करना जरूरी है। यदि किसी कर्मचारी या अधिकारी द्वारा रिश्वत की मांग की जाती है तो उसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। दूसरी ओर, नागरिकों द्वारा स्वयं नियम तोड़ने, लाइन से बचने, अवैध काम कराने या जल्दी लाभ लेने के लिए पैसे की पेशकश करना भी इसी चक्र को मजबूत करता है। अर्थात भ्रष्टाचार की श्रृंखला में केवल लेने वाला ही नहीं, देने वाला तंत्र भी कभी-कभी सहभागी बन जाता है। हमारा समाज कई क्षेत्रों में शॉर्टकट खोजने लगा है। लंबी प्रक्रिया से बचना है तो पैसा दीजिए। नियम पूरा नहीं करना है तो पैसा दीजिए। योग्यता की जगह प्रभाव चाहिए तो सिफारिश खोजिए। कानून की प्रक्रिया से बचना है तो कोई रास्ता निकालिए। जब नागरिक और व्यवस्था दोनों शॉर्टकट स्वीकार करने लगते हैं तो भ्रष्टाचार केवल सरकारी कार्यालय की समस्या नहीं रहता है। वह सामाजिक व्यवहार बन जाता है। इसीलिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल निगरानी विभाग की लड़ाई नहीं हो सकती है।

गांधी का सिर्फ नाम जपने की नहीं, गांधी को जीने की जरूरत है

उनका पहनावा, खान-पान, रहन-सहन और व्यक्तिगत जरूरतें अत्यंत सीमित थीं। एक साधारण धोती में उनका जीवन बिताना कोई दिखावा नहीं था। यह देश के गरीब और वंचित लोगों के साथ उनकी एकात्मता का प्रतीक था। वे श्रम की गरिमा में विश्वास करते थे और स्वयं भी शारीरिक श्रम करते थे। आज के उपभोक्तावादी दौर में गांधी का यह जीवन-दर्शन विशेष रूप से प्रासंगिक है। बाजार हमारी जरूरतों और इच्छाओं के बीच का अंतर लगातार मिटा रहा है।

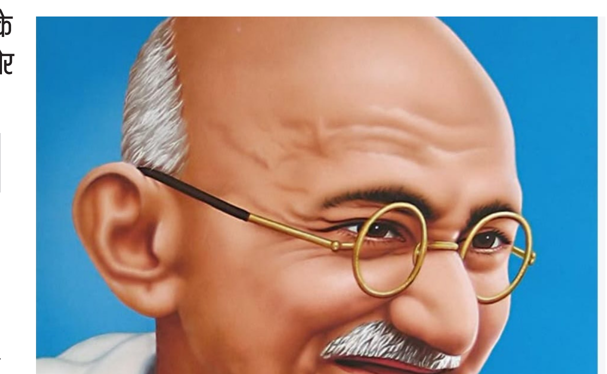

ब्रह्मानन्द ठाकुर
(लेखक)

आज महात्मा गांधी की 157वीं जयंती है। देश भर में इस दिन जयंती समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। गांधी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण होगा, उनके योगदान को याद किया जाएगा और उनके बताए रास्ते पर चलने के संकल्प लिए जाएंगे। भाषण होंगे, गांधी के विचारों की चर्चा होगी। कल से फिर सब अपनी-अपनी तरह से जीना शुरू कर देंगे। ऐसे में गांधी जयंती एक यक्ष प्रश्न देश के सामने रखती है कि क्या गांधी जयंती हमारे लिए केवल उनको स्मरण करने भर के लिए समारोह आयोजित करने का दिन हैं, या उनके जीवन-मूल्यों को अपनाने का संकल्प लेने का भी दिन है? गांधी को समझने के लिए उनके विचारों और भाषणों से अधिक उनके सादगी भरे जीवन को देखना होगा। यहां यह रेखांकित करना जरूरी लगता है कि वे किसी को कोई सलाह देने से पहले खुद उसपर अमल भी करते थे। अपरिग्रह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत था।जिसका वे आजीवन पालन करते रहे ।उनका मानना था कि मनुष्य को प्रकृति और समाज से उतना ही लेना चाहिए, जितना उसकी वास्तविक जरूरत है। उनका संदेश था कि सुखी जीवन जीने के लिए हम अपनी जरूरतें कम करें।आवश्यकता से अधिक संग्रह दूसरों के वाजिब हक पर कब्जे की अमानवीय प्रवृत्ति को जन्म देता है। गांधी ने इस सिद्धांत को अपने जीवन में उतारने का प्रयास किया। इसमें वे सफल रहे। उनका पहनावा, खान-पान, रहन-सहन और व्यक्तिगत जरूरतें अत्यंत सीमित थीं। एक साधारण धोती में उनका जीवन बिताना कोई दिखावा नहीं था। यह देश के गरीब और वंचित लोगों के साथ उनकी एकात्मता का प्रतीक था। वे श्रम की गरिमा में विश्वास करते थे और स्वयं भी शारीरिक श्रम करते थे। आज के उपभोक्तावादी दौर में गांधी का यह जीवन-दर्शन विशेष रूप से प्रासंगिक है। बाजार हमारी जरूरतों और इच्छाओं के बीच का अंतर लगातार मिटा रहा है। अधिक उपभोग को सुख और अधिक संग्रह को सफलता का पर्याय माना जा रहा है। ऐसे समय में गांधी का अपरिग्रह यह बुनियादी सवाल खड़ा करता है कि विकास किसके लिए और किस कीमत पर हो रहा है? गांधी की एक दूसरी बड़ी विशेषता थी–कथनी और करनी में एकरूपता। वे स्वच्छता की बात करते थे तो स्वयं सफाई करते थे। श्रम की प्रतिष्ठा की बात करते थे तो श्रम से पीछे नहीं हटते थे। छुआछूत का विरोध केवल भाषणों तक सीमित नहीं था। सत्य और अहिंसा उनके लिए नारे नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन और राजनीतिक संघर्ष के साधन थे। यही वह पक्ष है, जो गांधी को एक ऊंचा नैतिक व्यक्तित्व प्रदान करता है। गांधी की साम्प्रदायिकता संबंधी अवधारणा भी इसी नैतिक दृष्टि से जुड़ी थी। वे धर्म को मनुष्य के निजी और आध्यात्मिक जीवन का महत्वपूर्ण आधार मानते थे, लेकिन धर्म के नाम पर घृणा और हिंसा! को स्वीकार नहीं करते थे। उनके लिए हिंदू-मुस्लिम एकता स्वतंत्र भारत की बुनियादी शर्त थी। साम्प्रदायिक हिंसा के दौर में उन्होंने दोनों समुदायों से एक-दूसरे के प्रति विश्वास और संयम बरतने की अपील की। 1947 में बिहार में उनके प्रवास के दौरान मुस्लिम लीग के नेताओं से बातचीत और साम्प्रदायिक हिंसा के विरुद्ध शांति की अपीलें इसी प्रयास का हिस्सा थीं। गांधी की दृष्टि में धर्म मनुष्यों को जोड़ने वाला नैतिक आधार होना चाहिए, राजनीतिक वर्चस्व और घृणा का हथियार नहीं। यही कारण था कि विभाजन की त्रासदी और साम्प्रदायिक हिंसा के दिनों में वे सत्ता और उत्सव से दूर हिंसा की आग में झुलस रहे लोगों के बीच दिखाई दिए। उनकी यह भूमिका बताती है कि साम्प्रदायिक सद्भाव उनके लिए कोई औपचारिक नारा नहीं, बल्कि जीवन-मरण का प्रश्न था। उनके लेखन और सार्वजनिक हस्तक्षेपों में हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रश्न लगातार उपस्थित रहा। लेकिन गांधी को समझने का अर्थ उन्हें आलोचना से परे रखना नहीं है। गांधी ईमानदार और सत्यनिष्ठ थे, किंतु समाज के ऐतिहासिक विकास में मौजूद वर्ग-विभाजन और वर्गीय हितों के अंतर्विरोध को वे उस रूप में नहीं देख पाए, जिस रूप में मार्क्सवादी वैज्ञानिक दर्शन देखता है। समाज केवल व्यक्तियों का समूह नहीं होता। उत्पादन के साधनों और संसाधनों पर नियंत्रण के आधार पर उसमें शोषक और शोषित दो वर्ग पैदा हुआ है। जिनके पास संपत्ति और उत्पादन के साधनों पर अधिकार है,वे शोषक हैं और जो अपनी जीविका के लिए श्रम बेचने को विवश हैं, वे शोषित हैं। इन दोनों वर्गों के परस्पर हित समान नहीं हो सकते। इसलिए वर्ग संघर्ष अनिवार्य है। गांधी वर्ग-संघर्ष के बजाय वर्गों के बीच समन्वय, नैतिक परिवर्तन और ट्रस्टीशिप के माध्यम से सामाजिक समरसता का रास्ता खोजते रहे। यही गांधी चूक गये। फिर भी उनकी चिंतन की इस सीमा के कारण गांधी के नैतिक व्यक्तित्व और ऐतिहासिक महत्व को खारिज नहीं किया जा सकता। उनकी खूबियों और सीमाओं–दोनों को समझना जरुरी है। गांधी को देवता बनाकर देखने के बजाय एक ऐसे ऐतिहासिक व्यक्तित्व के रूप में देखने- समझने की जरूरत है , जिसने अपने विचारों के अनुरूप जीवन जीने का कठिन प्रयास किया। विडंबना यह है कि गांधी की चर्चा आज सार्वजनिक जीवन काफी हो रही है, लेकिन उनके जीवन-मूल्यों की उपस्थिति व्यक्ति और समाज में कहीं नहीं दिखाई देती। उनकी तस्वीर मुद्रा पर है, प्रतिमाएं चौराहों पर हैं और उनका नाम भाषणों में है। मगर सादगी, अपरिग्रह, श्रम का सम्मान, सत्यनिष्ठा और साम्प्रदायिक सद्भाव हमारे निजी और सार्वजनिक आचरण में कितनी जगह बना पाए हैं ?यही आज गांधी जयंती पर सबसे बड़ा सवाल है। गांधी को याद करने की औपचारिकता से आगे बढ़कर उनके जीवन से उन मूल्यों को चुनना होगा, जो आज भी मनुष्य और समाज को बेहतर बनाने की क्षमता रखते हैं। उनकी आलोचना हो, असहमति हो, लेकिन उनके नैतिक साहस और आत्मसंयम की अनदेखी न हो। गांधी की प्रतिमा पर फूल चढ़ाना आसान है; अपनी जरूरतों को सीमित करना कठिन। गांधी का नाम लेना आसान है; सत्य, सादगी और साम्प्रदायिक सद्भाव को जीवन में उतारना कठिन। इसलिए गांधी जयंती पर सबसे सार्थक प्रश्न यही है कि हम गांधी को कितना याद करते हैं नहीं, बल्कि उनके जीवन से कितना सीखते हैं। इसलिए अब गांधी को जपने की नहीं, जीने की जरूरत है।

संक्षिप्त खबरें

फर्रुखाबाद में आतिशबाजी बनाते समय धमाका, पुलिस कर रही जांच

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद फर्रुखाबाद में दीपावली नजदीक आते ही आतिशबाजी बनाने का काम तेज हो गया है। असुरक्षित तरीके से भंडारण व निर्माण करने से घटनाएं भी हो रही हैं। गुरुवार को थाना शमसाबाद क्षेत्र के मोहल्ला लाडमपुर दोयम में आतिशबाजी बनाते समय धमाका हो गया। फिलहाल घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं है। जिससे आसपास के गांव दहल गए। धमाके की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सचिन चौधरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। थानाध्यक्ष सचिन चौधरी ने बताया कि धमाके के कारणों की जांच की जा रही है।

मीरजापुर: शिकायत पर जांच करने गो आश्रय स्थल पहुंचे अफसर

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर में हलिया विकास खंड के गोरगी ग्राम पंचायत के बढ़ौहीं स्थित गो आश्रय स्थल में अव्यवस्था और गोवंश को जंगल में छोड़ने की शिकायत के बाद पशु चिकित्साधिकारी डॉ. कमलेश कुमार ने गुरुवार को स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण में आश्रय स्थल पर सभी 343 गोवंश मौजूद मिले। चिकित्साधिकारी ने गोवंश को स्वस्थ बताते हुए कर्मचारियों को उनकी समुचित देखभाल के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान रमेश कुमार मौर्य ने मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री और जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर आश्रय स्थल में सरकारी धन के दुरुपयोग, पानी व सफाई की कमी और संस्था द्वारा गोवंश को जंगल में छोड़ने का आरोप लगाया था। शिकायत को संज्ञान में लेकर चिकित्साधिकारी ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की पड़ताल की और पशु आहार के स्टॉक का भी सत्यापन किया। निरीक्षण के दौरान गोवंश चरी में भूसा खाते मिले। आश्रय स्थल के संचालक प्रमोद सिंह ने बताया कि यहां 343 गोवंश हैं। हाल में हुई मूसलाधार बारिश से परिसर में कीचड़ और दलदल हो गया था, जिससे रात में पशुओं को बैठने में परेशानी हो रही थी। इसके लिए आश्रय स्थल के बगल में लोहे की जाली से घेरकर सूखा स्थान तैयार किया गया है। चारा खिलाने के बाद गोवंश को इसी स्थान पर रखा जा रहा है। देखभाल और नियमित सफाई के लिए आठ सेवादार लगाए गए हैं। पशु चिकित्साधिकारी ने हरा चारा, भूसा, चूनी-भूसी और पर्याप्त पशु आहार उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि गोवंश की देखभाल में लापरवाही मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि आश्रय स्थल का संचालन ग्राम पंचायत के बजाय काशी गो सेवा संस्थान द्वारा किया जा रहा है और गोवंश के उपचार व देखभाल की नियमित व्यवस्था है। बोलेरो की टक्कर से बछड़ा घायल, चालक फरार वहीं एक घटना में हलिया थाना क्षेत्र के हथेड़ा गुलाब चौराहा पर गुरुवार को तेज रफ्तार बोलेरो ने बछड़े को टक्कर मार दी। हादसे में बछड़ा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद चालक बोलेरो लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना पर हलिया गौ रक्षक टीम के विक्कू तिवारी, राहुल दुबे, शुभम यादव, रतन पुरोहित, धर्मेंद्र दुबे, शिवम गिरि, शुभम पुरी और टुई लाल मौके पर पहुंचे। टीम ने पशुधन प्रसार अधिकारी विनय यादव को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे अधिकारी ने घायल बछड़े का उपचार कर दवा दी। गौ रक्षक टीम घायल गोवंश की देखभाल कर रही है।

अस्पताल का निरीक्षण कर जिलाधिकारी का निर्देश– कमियां मिलने पर तत्काल सुधारें

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर में मान्यवर कांशीराम संयुक्त चिकित्सालय एवं ट्रामा सेंटर में मरीजों को आवश्यक जांच, दवा और उपचार समय से उपलब्ध कराया जाए। अस्पताल की व्यवस्थाओं में किसी तरह की कमी या संसाधनों का अभाव सामने आए तो उसे तत्काल चिन्हित कर दूर कराया जाए। यह निर्देश जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने गुरुवार को अस्पताल के निरीक्षण के दौरान दिए। जिलाधिकारी ने पर्चा वितरण कक्ष, ओपीडी, मरीज प्रबंधन व्यवस्था, दवा उपलब्धता, जांच केंद्र और लैब का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से प्रतिदिन ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या और उनके उपचार की व्यवस्था की जानकारी ली। दवाओं की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए जरूरी दवाओं का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने के निर्देश दिए। लैब और जांच केंद्र का जायजा लेते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि मरीजों की आवश्यक जांच समय से हो और रिपोर्ट मिलने के बाद उपचार शुरू करने में अनावश्यक देरी न हो। निरीक्षण से पहले जिलाधिकारी ने रामादेवी स्थित अस्पताल से एक से 31 अक्टूबर तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। उन्होंने लोगों को संचारी रोगों से बचाव और रोकथाम की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि संचारी रोगों से बचाव के लिए घर और आसपास साफ-सफाई रखना तथा पानी जमा न होने देना जरूरी है। बुखार या बीमारी से संबंधित लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही न बरतें और नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क जांच व उपचार कराएं।

2017 से पहले माफिया के सामने नाक रगड़ती थी सरकार: सीएम योगी

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकार की कानून-व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश के हर जिले में दुर्दांत माफिया का बोलबाला था। समानांतर सरकारें चलती थीं। माफिया के सामने नाक रगड़ी जाती थी, घुटने टेके जाते थे और पुलिस मजबूर थी। राजनीतिक नेतृत्व की रीढ़ ही टेढ़ी हो तो वह कानून-व्यवस्था को सीधा कैसे कर सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लोकभवन सभागार में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 87 इंटरसेप्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाई, वीर पुलिसकर्मियों को पदक प्रदान किए और पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक ह्यसंघर्षह्ल का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद सरकार ने पुलिस सुधारों को आगे बढ़ाया। प्रकाश सिंह ने जिस पुलिस रिफॉर्म की वकालत की थी, उसे उत्तर प्रदेश ने देश में सबसे पहले लागू किया। प्रदेश में अब सात पुलिस कमिश्नरेट काम कर रहे हैं। आज यूपी पुलिस के सामने विचार, वीरता और तकनीक, तीनों का समन्वय दिखाई दे रहा है। ह्यसंघर्षह्ल के माध्यम से पुलिस सेवा के अनुभव और चुनौतियां सामने आई हैं तो जांबाजों की वीरता का सम्मान हुआ है और सड़क सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक इंटरसेप्टर वाहन पुलिस बल को समर्पित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक कमरे में बैठकर किसी के प्रति कोई भी टिप्पणी करना आसान है। कोई व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न हो और उसे अपने पद का कितना भी गुरूर हो, सुरक्षा हटा दी जाए तो अराजकता के माहौल में उसे भीगी बिल्ली बनने में देर नहीं लगेगी। स्वस्थ चिंतन तभी संभव है, जब समाज में सुरक्षा का वातावरण हो। सुरक्षित माहौल में ही समृद्धि की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। यूपी पुलिस की थीम ह्यआपकी सुरक्षा, हमारा संकल्पह्ल इसी भावना को व्यक्त करती है। जब तराई क्षेत्र आतंकवाद की चपेट में था, तब पुलिस व सेना की सुरक्षा में ही आवागमन संभव था। सूर्यास्त के बाद आवाजाही लगभग बंद हो जाती थी। उस समय डीजीपी के रूप में प्रकाश सिंह ने इन चुनौतियों का सामना किया। पुलिस सुधारों के लिए प्रकाश सिंह को सुप्रीम कोर्ट की शरण लेनी पड़ी थी। उत्तर प्रदेश ने पुलिस सुधारों को लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैचारिकी केवल शब्द या आलेख नहीं होती, बल्कि वह व्यावहारिक जीवन की चुनौतियों को भी समाहित करती है। प्रकाश सिंह ने अपने सेवाकाल में पग-पग पर इन चुनौतियों का सामना किया और अपनी पूरी सेवा को कुशलतापूर्वक पूरा किया। लंबे समय तक विभिन्न संस्थानों में व्याख्यानों के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करने वाली उनकी वैचारिकी अब पुस्तक के रूप में सामने आई है। आचार और विचार में जब समन्वय होता है और दोनों एक ही दिशा में आगे बढ़ते हैं, तभी परिणाम सामने आता है। मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय ह्यपी वालाह्न कहकर लोगों को बाहर कर दिया जाता था। पुलिस के सामने भी बड़ी चुनौतियां थीं। राजनीतिक नेतृत्व में स्वयं निर्णय लेने की सामर्थ्य नहीं हो तो कानून-व्यवस्था को नियंत्रित करना कठिन होता है। तब पुलिस सुधार और अवस्थापना सुविधाओं की स्थिति भी बेहतर नहीं थी। एक वर्ष में करीब छह हजार पुलिस कार्मिकों को ही प्रशिक्षण दिया जा सकता था। पुलिसकर्मियों को टूटे भवनों में रहना पड़ता था। पीएसी की वाहिनियां समाप्त कर दी गई थीं। कोसीकलां, मेरठ, अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर समेत कई स्थानों पर दंगों के चलते लंबे समय तक कर्फ्यू लगा। इन्हीं परिस्थितियों में उत्तर प्रदेश को बीमारू कहा जाने लगा। अर्थव्यवस्था, रोजगार, तकनीक और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन सहित विभिन्न क्षेत्रों में चुनौतियां खड़ी थीं। 2017 के बाद इन परिस्थितियों को बदलते हुए प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम किया गया। सीएम योगी ने कहा कि पुलिस सुधारों के साथ तकनीक का समावेश भी आवश्यक है। सेफ सिटी के लक्ष्य के तहत प्रदेश के शहरों में 14 लाख से अधिक कैमरे लगाए गए हैं।

संचारी रोगों की रोकथाम के लिए जनभागीदारी जरूरी : ब्रजेश पाठक

-लोहिया संस्थान में संचारी रोग नियंत्रण अभियान का किया शुभारंभ, स्वच्छता-फॉगिंग वाहनों को दिखाई हरी झंडी

-कहा- संचारी रोगों के विरुद्ध जनजागरूकता आवश्यक, 31 अक्टूबर तक चलेगा अभियान, घर-घर दस्तक भी

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ सभी संबंधित विभागों और आमजन की सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। स्वच्छता, जागरूकता और समय पर रोग की पहचान के माध्यम से संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपने घर और आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा कहीं भी पानी जमा न होने देने की अपील की। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक गुरुवार को लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने जन-जागरूकता रैली में प्रतिभाग किया तथा स्वच्छता एवं फॉगिंग वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। इसके साथ दस्तक अभियान 12 से 31 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करेंगी और आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि घर, प्रतिष्ठान और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

तालाब व रामलीला मैदान में चला विशेष स्वच्छता अभियान

ह्यएक दिन, एक घंटा, एक साथह्ल कार्यक्रम में पालिका कर्मियों, सभासदों व सामाजिक संगठनों ने लिया हिस्सा

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा-2026 कार्यक्रम के तहत गुरुवार को नगर में ह्लएक दिन, एक घंटा, एक साथह्ल अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान रामलीला ग्राउंड के सामने स्थित तालाब एवं रामलीला मैदान की विशेष साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। अभियान का शुभारंभ नगर पालिका परिषद स्योहारा के अधिशासी अधिकारी विजेन्द्र सिंह पाल ने किया। इस दौरान नगर के एनजीओ अध्यक्ष एवं उनके सदस्यों सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, सभासद तथा सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अभियान में तालाब एवं रामलीला मैदान के आसपास जमा कूड़े-कचरे को हटाकर साफ-सफाई की गई। कार्यक्रम में लेखा लिपिक/अधिष्ठान लिपिक देवेन्द्र सिंह, लिपिक चांदनी रईस, मोहम्मद शान, अमित कुमार, सभासद श्वेत रस्तौगी, दिलशाद अहमद, नईम अहमद, सभासद पति जब्बार, रोटरी क्लब अध्यक्ष कांता प्रसाद पुष्पक सहित शमीमा, ओमप्रकाश सिंह, नौशाद अहमद, दिलशाद अहमद, जुवैशी हुसैन, फय्याजुद्दीन तथा कंप्यूटर ऑपरेटर रामगोपाल सिंह, वरिष्ठ पत्रकार कांता प्रसाद पुष्पक, वरिष्ठ भाजपा एवं आरएसएस नेता अर्पित त्यागी, परिंदा सोशल वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्षा फरहा परवीन, समाज सेवी नईम अहमद, समाज सेवी तनवीर अहमद भी उपस्तिथ रहे।

संचारी रोगों की रोकथाम के लिए वाहनों को दिखाई हरी झंडी

स्योहारा। स्वच्छता अभियान के उपरांत अधिशासी अधिकारी विजेन्द्र सिंह पाल ने संचारी रोगों की रोकथाम के लिए 1 अक्टूबर से शुरू हुए पखवाड़े के अंतर्गत नगर पालिका के समस्त निकाय वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान लोगों को स्वच्छता बनाए रखने तथा संचारी रोगों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाने का संदेश दिया गया।

शिक्षक-स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा, बूथ स्तर पर संगठन सक्रिय करने पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर भाजपा ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। गुरुवार को सीहीपुर स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की बैठक हुई, जिसमें चुनावी तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने और शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं से लगातार संपर्क बनाए रखने की रणनीति पर चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं को मतदाता संपर्क अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा संगठन के पदाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शंकर गिरी ने कहा कि चुनाव में संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका महत्वपूर्ण है। जिला प्रभारी दिनेश मौर्या ने चुनाव को महत्वपूर्ण बताते हुए कार्यकर्ताओं से गंभीरता के साथ तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि चुनाव में सफलता के लिए सामूहिक प्रयास और बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने तथा मतदाताओं से निरंतर संवाद बनाए रखने को कहा। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष रणविजय सिंह ने किया। इस दौरान राजेंद्र श्रीवास्तव, संतोष मिश्रा, स्कंध पटेल, संदीप सिंह, धनंजय कश्यप, सुदर्शन सिंह, विजय पटेल, संतोष उपाध्याय, राजेश सोनकर, जयेश सिंह, कमलेश राय, चंद्रप्रकाश सिंह पप्पू, अभिषेक नारायण सिंह, मोहन राजभर, हरिश्चंद्र मौर्या, हरिराम पाल, अनुपमा राय, रिशु सिंह रिद्धिमा, सोनी जायसवाल, डॉ. रामचंद्र बिंद और अखिल प्रताप सिंह मौजूद रहे।

स्लीपर और एसी बसों की विशेष चेकिंग, यात्री सुरक्षा पर जोर

महिलाओं व बालिकाओं से संवाद कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। माननीय उच्च न्यायालय के निदेर्शों एवं अपर पुलिस महानिदेशक यातायात एवं सड़क सुरक्षा के निदेर्शों के क्रम में जनपद अमरोहा में स्लीपर एवं एसी बसों की विशेष चेकिंग का अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अमरोहा के निर्देशन तथा पुलिस उपाधीक्षक यातायात के पर्यवेक्षण में ह्यटीी३ & त्र्ीी३ह्ल विशेष अभियान के तहत यात्री बसों में सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है। इसी क्रम में यातायात निरीक्षक राजेंद्र सिंह ने परिवहन अधिकारी अमरोहा सुधीर कुमार के साथ जोया टोल प्लाजा पर निजी एसी, सरकारी एसी एवं स्लीपर बसों की सघन चेकिंग की। चेकिंग के दौरान बसों में अग्निशामक यंत्र, आपातकालीन निकास, आपातकालीन सुरक्षा उपकरण सहित अन्य निर्धारित सुरक्षा मानकों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता की जांच की गई। रात्रिकालीन संचालन के दौरान बसों में सुरक्षा मानकों के पालन पर भी विशेष ध्यान दिया गया। अभियान के दौरान बसों में यात्रा कर रहे यात्रियों से बातचीत कर उनकी सुरक्षा एवं सुविधाओं का जायजा लिया गया। विशेष रूप से महिलाओं, बालिकाओं एवं बच्चियों से संवाद कर यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली गई। यात्रियों को किसी भी प्रकार की समस्या या असुविधा होने पर तत्काल पुलिस की सहायता लेने के लिए जागरूक किया गया। यातायात पुलिस ने बस संचालकों एवं चालकों को निर्धारित यातायात और सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। यातायात पुलिस के अनुसार यात्री सुरक्षा, विशेषकर महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए यह चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

वाराणसी विकास प्राधिकरण में रिकॉर्ड राजस्व, 11 माह में 500 करोड़ रुपए की आय

–200 करोड़ रुपए अवस्थापना विकास पर होंगे खर्च, 1,952 भवन मानचित्र स्वीकृत

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने नवंबर 2025 से सितंबर 2026 के बीच 500 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया है। प्राधिकरण के इतिहास में यह अब तक का सर्वाधिक राजस्व है। इससे पहले वार्षिक राजस्व करीब 120 करोड़ रुपए रहा है। राजस्व वृद्धि में भवन मानचित्र स्वीकृति में 250 प्रतिशत की बढ़ोतरी, नियमितीकरण तथा भूमि खंडों के निस्तारण की अहम भूमिका रही। वीडीए उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा के अनुसार, इस अवधि में 1,073 नियमितीकरण और 879 नए ऑनलाइन भवन मानचित्र, यानी कुल 1,952 मानचित्र स्वीकृत किए गए। इसके अलावा 93 भू-विन्यास, 22 सामूहिक आवासीय और 39 होटल परियोजनाओं को भी मंजूरी मिली। इसमें 39 होटल परियोजनाओं से वाराणसी में करीब 1,900 नए कमरे जुड़ेंगे। इनमें हॉलिडे इन, ताज गेटवे, पुलमैन, आईटीसी वेलकम, नोवोटेल, जिंजर, सेंटरम होटल, होटल मोमेंटस, सरोवर पोर्टिको और लेमन ट्री जैसे प्रमुख होटल समूहों की परियोजनाएं शामिल हैं। इससे पर्यटन, आतिथ्य और रोजगार को गति मिलने की संभावना है। वहीं, 22 सामूहिक आवासीय परियोजनाओं के जरिए 2,283 आवासीय इकाइयां विकसित होंगी। इनमें शालीमार स्काईलाइन, वाटिका डेवलपर्स, एनआईपी हाउसिंग, देवभूमि इंफ्रा, रुद्र ग्रुप, फ्लोरिट कंस्ट्रक्शन, जीडीएसी बिल्डकॉन, त्रिदेव पैराडाइज, स्वास्तिक ग्रुप और गणपति ग्रुप की परियोजनाएं शामिल हैं। –200 करोड़ रुपए से होगा अवस्थापना विकास वाराणसी विकास प्राधिकरण चालू वित्तीय वर्ष में रिकॉर्ड राजस्व में से 200 करोड़ रुपए अवस्थापना विकास परियोजनाओं पर खर्च करेगा। वर्तमान में वीडीए का कार्यक्षेत्र करीब 1,000 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें वाराणसी, चंदौली और मिजार्पुर के 800 से अधिक गांव शामिल हैं। इसके साथ ही प्राधिकरण करीब 350 एकड़ भूमि, जिसकी लागत लगभग 1,200 करोड़ रुपए है, अर्जित कर चुका है। इस भूमि पर नियोजित नगर बस्तियां विकसित की जाएंगी, जहां आवासीय कॉलोनियों के साथ वाणिज्यिक केंद्र, विद्यालय, अस्पताल, मनोरंजन स्थल और अन्य नागरिक सुविधाएं भी होंगी। प्राधिकरण नागरिकों को भवनों के मानचित्र स्वीकृत कराने और पूर्व निर्मित भवनों को शुल्क देकर नियमित कराने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

संस्कृति विश्वविद्यालय का 10वां स्थापना दिवस धूमधाम से मना

प्रात : किरण संवाददाता

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय का 10वां स्थापना दिवस समारोह मुख्य मैदान में भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलाधिपति डॉ. सचिन गुप्ता, प्रति कुलाधिपति राजेश गुप्ता, कुलपति प्रो. एमबी चेट्टी, सीईओ डॉ. मीनाक्षी शर्मा और निदेशक डॉ. रजनीश त्यागी ने दीप प्रज्वलित कर किया। कुलाधिपति डॉ. सचिन गुप्ता ने विद्यार्थियों को अपनी क्षमता पहचानकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने एआई जीपीयू विकास के लिए हीरानंदानी ग्रुप से टाई-अप और 600 बेड के प्रस्तावित अस्पताल की जानकारी दी। मथुरा के पूर्व विधायक प्रदीप माथुर और शिक्षा मंत्रालय के प्रो. ताहिर ने छात्रों को बड़े लक्ष्य तय करने, माता-पिता व शिक्षकों का सम्मान करने और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। गायक इरफान के गानों, डीजे, बेली डांस, साल्सा, बॉलीवुड व साउथ इंडियन ग्रुप डांस और योग डांस की प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। दिव्यांग बच्चों के समूह नृत्य और युगल नृत्य ने सभी का दिल जीत लिया, जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित भी किया गया। फैशन शो व पुरस्कार में मिस्टर फ्रेशर सार्थक मिस फ्रेशर शुभी रहे, जबकि मिस्टर टेलेंटेड अभिषेक, मिस टेलेंटेड नंदनी, मिस्टर वसेर्टाइल शिव, मिस वसेर्टाइल आर्या, शिक्षकों में डॉ. दुर्गेश नंदन को मिस्टर टीचर और मनीषा मैम को मिस टीचर चुना गया। कार्यक्रम का संचालन शुभांगी सक्सेना ने किया और संयोजन में डॉ. दुर्गेश वाधवा की प्रमुख भूमिका रही।

मीरजापुर : पत्नी से विवाद के बाद युवक ने दी जान

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर में कछवां थाना क्षेत्र स्थित कांशीराम आवास कॉलोनी में गुरुवार सुबह ब्लॉक नंबर छह के कमरा नंबर 71 में 24 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान वारिस पुत्र सिकंदर के रूप में हुई। पुलिस प्रथमदृष्टया इसे आत्महत्या का मामला मानकर जांच कर रही है। कछवां थाना प्रभारी अमरजीत चौहान ने बताया कि वारिस कांशीराम आवास में पत्नी सब्बो बेगम के साथ रहता था और सैलून चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। करीब एक वर्ष पहले दोनों ने प्रेम विवाह किया था। स्थानीय लोगों के अनुसार बुधवार रात किसी बात को लेकर वारिस और उसकी पत्नी के बीच विवाद हो गया।

इनामी नक्सली कमांडर बृजेश गंझू की मुठभेड़ में हुई मौत की मजिस्ट्रियल जांच शुरू

-24 अक्टूबर तक अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं जानकारी, साक्ष्य या दस्तावेज

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में जनपद वाराणसी के रामनगर थाना क्षेत्र में 20 सितंबर को प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) के 30 लाख रुपये के इनामी कमांडर बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता की मुठभेड़ में हुई मौत के मामले की मजिस्ट्रियल जांच शुरू हो गई है। जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार के निर्देश पर अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम इस मामले की जांच कर रहे हैं। अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम ने गुरुवार को बताया कि घटना के संबंध में यदि किसी व्यक्ति के पास कोई जानकारी, साक्ष्य अथवा दस्तावेज उपलब्ध हों तो वह 24 अक्टूबर, 2026 तक उनके न्यायालय में उपस्थित होकर उन्हें लिखित अथवा मौखिक रूप से प्रस्तुत कर सकता है। जांच के दौरान प्राप्त होने वाली ऐसी सभी सूचनाओं और साक्ष्यों को प्रकरण में शामिल किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 20 सितंबर की भोर रामनगर थाना क्षेत्र के लंका मैदान में यूपी एसटीएफ और प्रतिबंधित नक्सली संगठन टीपीसी के कमांडर बृजेश गंझू के बीच मुठभेड़ हुई थी। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ में 30 लाख रुपये का इनामी नक्सली कमांडर बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता मारा गया था।

रविंद्र यादव उर्फ कलवा हत्याकांड में दो सगे भाइयों को उम्रकैद

विवेचना के बाद दोनों भाइयों के खिलाफ दाखिल हुआ आरोपपत्र

अदालत ने दोनों दोषियों पर लगाया 31-31 हजार रुपये का अर्थदंड

कुआंखेड़ा में सैलून की दुकान पर गोली मारकर की गई थी हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

मंडी धनौरा। बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव मलेशिया निवासी प्रॉपर्टी डीलर रविंद्र यादव उर्फ कलवा हत्याकांड में अदालत ने दो सगे भाइयों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने बाखरपुर निवासी मंदीप और रितिक पुत्र विजेंद्र सिंह पर 31-31 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। घटना 10 जनवरी 2024 की है। धनौरा थाना क्षेत्र के गांव कुआंखेड़ा में रविंद्र यादव उर्फ कलवा सैलून की दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान उन्हें गोली मार दी गई। गोली लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। मृतक के भाई सुनील यादव की तहरीर पर धनौरा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मामले की विवेचना करते हुए बाखरपुर निवासी सगे भाइयों मंदीप और रितिक को गिरफ्तार किया। विवेचना के दौरान पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के साथ गवाहों के बयान दर्ज किए और दोनों आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने न्यायालय के समक्ष साक्ष्य और गवाह प्रस्तुत किए। दोनों पक्षों को सुनने तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने मंदीप और रितिक को हत्या का दोषी करार दिया। न्यायालय ने दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए 31-31 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया।

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी पैरवी

अमरोहा। पुलिस के अनुसार, मामले में प्रभावी पैरवी के चलते दोनों दोषियों को सजा दिलाई गई। पुलिस ने इसे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत गंभीर अपराधों में प्रभावी पैरवी कर दोषियों को सजा दिलाने की कार्रवाई बताया है।फैसले के बाद मृतक के परिजनों ने संतोष जताते हुए न्याय व्यवस्था पर भरोसा कायम रहने की बात कही। परिजनों ने न्यायालय और पुलिस विभाग का आभार भी व्यक्त किया।

बसपा को बड़ा झटका देने की तैयारी, कई पुराने बसपाई जल्द थामेंगे आसपा का दामन

चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में अंबेडकरवादी मिशन को आगे बढ़ाने का जताया भरोसा

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जनपद की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से जुड़े कई पुराने नेताओं के आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) में शामिल होने की चचाओं से राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, बसपा से लंबे समय से जुड़े रहे कई पुराने और सक्रिय कार्यकर्ता जल्द ही आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं। हालांकि, इन नेताओं के नाम और शामिल होने की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है।बताया जा रहा है कि संभावित रूप से आसपा में शामिल होने वाले नेताओं का कहना है कि उनका उद्देश्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और मान्यवर कांशीराम के विचारों एवं सामाजिक न्याय के मिशन को आगे बढ़ाना है। उनका दावा है कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में चंद्रशेखर आजाद वंचित और शोषित वर्गों की आवाज को प्रमुखता से उठा रहे हैं। इन नेताओं के अनुसार, चंद्रशेखर आजाद की कार्यशैली और राजनीतिक सक्रियता से प्रभावित होकर वे आजाद समाज पार्टी के साथ जुड़ने का मन बना रहे हैं। उनका कहना है कि पार्टी के माध्यम से अंबेडकरवादी आंदोलन को नई मजबूती देने का प्रयास किया जाएगा। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में बसपा प्रमुख मायावती की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद पार्टी के कुछ पुराने नेताओं में नाराजगी की चचार्एं सामने आई हैं। संभावित रूप से पाला बदलने वाले नेताओं का कहना है कि वे मायावती का सम्मान करते हैं, लेकिन अब पार्टी के नेतृत्व और भविष्य को लेकर नई दिशा की आवश्यकता महसूस कर रहे हैं। उनका मानना है कि युवा नेतृत्व को आगे आने का अवसर मिलना चाहिए। इन नेताओं का दावा है कि जल्द ही एक बड़े राजनीतिक कार्यक्रम का आयोजन कर आसपा में शामिल होने की औपचारिक घोषणा की जाएगी। यदि यह राजनीतिक बदलाव सामने आता है तो अमरोहा जिले में बसपा और आजाद समाज पार्टी के बीच दलित राजनीति को लेकर समीकरणों पर इसका असर पड़ सकता है। फिलहाल राजनीतिक गलियारों में संभावित दलबदल को लेकर चचार्एं तेज हैं।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, शुक्रवार 02 अक्टूबर, 2026

संक्षिप्त खबरें

संचारी रोग नियंत्रण अभियान दस्तक का शुभारंभ

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ गुरुवार को टीबी चिकित्सालय परिसर से हुआ। विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह ने अभियान के संबंध में शपथ दिलाने के बाद जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के दौरान लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए पोस्टर और पंपलेट वितरित किए गए। इस दौरानह्यजल जमाव होगा जहां, मच्छर पैदा होंगे वहांह्ल, ह्यसाफ पानी, साफ हाथ, संचारी रोगों को देंगे मात्हृ और ह्यहम सबने यह ठाना है, संचारी रोग भगाना हैह्ल जैसे स्लोगन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। विधान परिषद सदस्य ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियान को पूरी गुणवत्ता के साथ संचालित किया जाए। उन्होंने सभी गतिविधियों को निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार समयबद्ध ढंग से पूरा करने और उनकी सघन मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। रैली टीबी चिकित्सालय परिसर से शुरू होकर गांधी तिराहा होते हुए पुनः टीबी चिकित्सालय परिसर पहुंचकर समाप्त हुई।

गांधी जयंती पर प्रभात फेरी से लेकर रक्तदान शिविर के होंगे आयोजन

बांदा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर दो अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) माया शंकर यादव ने गुरुवार को बताया कि कार्यक्रमों की शुरुआत सुबह छह बजे रामलीला मैदान से प्रभात फेरी निकालकर की जाएगी, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए डीएवी इंटर कॉलेज में समाप्त होगी। इसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों के साथ-साथ ह्यहमारा संविधान हमारा स्वाभिमानह्ल से जुड़े स्लोगन वाले बैनर, पोस्टर और झंडे लेकर शामिल होंगे। प्रभात फेरी का आयोजन जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की देखरेख में होगा। सुबह 8.30 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में ह्यस्वच्छता ही सेवाह्ल अभियान के तहत अधिकारी सफाई अभियान चलाएंगे। इसके बाद सुबह नौ बजे सभी राजकीय भवनों, सरकारी कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रपिता व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण, रामधुन गायन तथा गांधी जी के जीवन और विचारों पर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। सुबह 9.30 बजे नगर पालिका परिषद परिसर में जिलाधिकारी गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसी समय कृषि विश्वविद्यालय के मवईबाईपास चौराहे से तिंदवारी रोड होते हुए खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन जिला क्रीड़ाधिकारी की ओर से किया जाएगा। गांधी जयंती के अवसर पर वार्ड नंबर दो चौराहा जोगनी और वार्ड नंबर चार कैलाशपुरी में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। सुबह 10 से 10.30 बजे तक जिला चिकित्सालय में मुख्य चिकित्साधिकारी की देखरेख में रक्तदान शिविर और फल वितरण कार्यक्रम होगा। इसी अवधि में नगर मजिस्ट्रेट की ओर से जिला कारागार में बंदियों को फल और मिष्ठान वितरित किया जाएगा।

वैश्विक बाजार में धनौरा की धमक, नौरैक्स फ्लेवर्स को मिला एक्सपोर्ट अवॉर्ड

मुंबई में आयोजित समारोह में प्रबंध निदेशक वैभव कुमार अग्रवाल ने ग्रहण किया प्रतिष्ठित सम्मान

सम्मान को कंपनी की पूरी टीम, किसानों, ग्राहकों और सहयोगियों की मेहनत का परिणाम बताया

प्रात : किरण संवाददाता, इकरामुद्दीन मलिक

मंडी धनौरा। मंडी धनौरा और जनपद अमरोहा के लिए गौरव का एक और अवसर सामने आया है। क्षेत्र की प्रतिष्ठित मैंथा एवं फ्लेवर्स निर्माता-निर्यातक कंपनी मैसर्स नौरैक्स फ्लेवर्स प्रा. लि. को अंतरराष्ट्रीय निर्यात क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उल्एटएउक्ष के 49वें एक्सपोर्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह का आयोजन 30 सितंबर 2026 को मुंबई के होटल सहारा स्टार में किया गया। समारोह में रसायन एवं संबद्ध उद्योगों से जुड़े प्रमुख निर्यातक, उद्योग प्रतिनिधि, सरकारी अधिकारी और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। नौरैक्स फ्लेवर्स की ओर से कंपनी के प्रबंध निदेशक वैभव कुमार अग्रवाल ने प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किया। पुरस्कार उल्एटएउक्ष के चेयरमैन डॉ. सतीश वाघ तथा भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के निदेशक एस. सत्यनारायण द्वारा प्रदान किया गया।समारोह को संबोधित करते हुए उल्एटएउक्ष के चेयरमैन डॉ. सतीश वाघ ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने बदलते वैश्विक व्यापार परिदृश्य के बीच भारतीय निर्यातकों की भूमिका की सराहना करते हुए नवाचार, गुणवत्ता, स्थिरता और मूल्यवर्धन पर ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक सप्लाई चेन में हो रहे बदलाव भारतीय निर्यातकों के लिए नए अवसर पैदा कर रहे हैं। ऐसे में उद्योग जगत को अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और वैश्विक बाजार में पहुंच मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास करने चाहिए। समारोह में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के निदेशक एस. सत्यनारायण के साथ उल्एटएउक्ष के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर विशाल एस. गंजू सहित उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधि मौजूद रहे। मंडी धनौरा जैसे छोटे शहर से अपनी यात्रा शुरू करने वाली नौरैक्स फ्लेवर्स ने मैंथा, मेंथॉल, आवश्यक तेलों, फ्लेवर्स और फ्रेग्रेंस के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी पहचान बनाई है। कंपनी गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पादन व्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है। मैंथा उद्योग से सीधे जुड़े होने के कारण कंपनी का क्षेत्र के किसानों के साथ भी मजबूत जुड़ाव है। किसानों को बेहतर कृषि तकनीकों, गुणवत्ता सुधार और मैंथा की खेती से संबंधित जानकारी एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाते हैं। वहीं, नौरैक्स फाउंडेशन के माध्यम से किसानों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के लिए समय-समय पर सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। नौरैक्स फ्लेवर्स के लिए यह सम्मान निर्यात यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कंपनी को इससे पूर्व भी निर्यात, गुणवत्ता, स्थिरता और उद्योग क्षेत्र में योगदान के लिए विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मान मिल चुके हैं। सम्मान प्राप्त करने के बाद प्रबंध निदेशक वैभव कुमार अग्रवाल ने नौरैक्स की पूरी टीम, किसानों, सप्लायर्स, ग्राहकों, सहयोगियों तथा धनौरा और अमरोहा क्षेत्र के नागरिकों एवं शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल कंपनी का नहीं, बल्कि नौरैक्स से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की मेहनत, समर्पण और विश्वास का परिणाम है। कंपनी भविष्य में भी भारतीय गुणवत्ता वाले उत्पादों को विश्व बाजार तक पहुंचाने तथा धनौरा और अमरोहा की पहचान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी। नौरैक्स फ्लेवर्स को इस उपलब्धि पर धनौरा, अमरोहा और आसपास के क्षेत्र के उद्योग जगत, किसानों, व्यापारियों तथा शुभचिंतकों ने वैभव कुमार अग्रवाल एवं पूरी नौरैक्स टीम को बधाई दी।

ईको क्लब के तत्वावधान में आई.एम. इंटर कॉलेज में चला स्वच्छता अभियान

प्रधानाचार्य डॉ. जमशेद कमाल ने छात्रों को स्वच्छता के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता, इकरामुद्दीन मलिक

अमरोहा। आई.एम. इंटर कॉलेज में ईको क्लब के तत्वावधान में स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ विद्यालय, घर और आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. जमशेद कमाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक दिन या अभियान तक सीमित रहने वाला कार्य नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति की दैनिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण का सीधा संबंध हमारे स्वास्थ्य, मानसिक प्रसन्नता और जीवन की गुणवत्ता से है। यदि हम अपने घर, विद्यालय, सड़क और आसपास के सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखते हैं तो अनेक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। प्रधानाचार्य ने छात्रों को स्वच्छता के विभिन्न लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि कूड़ा-कचरा इधर-उधर फेंकने से गंदगी के साथ-साथ मच्छर, मक्खियां और अन्य हानिकारक जीव पनपते हैं, जिससे अनेक संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। वहीं स्वच्छ वातावरण विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं सकारात्मक वातावरण प्रदान करता है और पढ़ाई के प्रति भी बेहतर माहौल तैयार करता है। इस अवसर पर सतीश कुमार शर्मा, प्रवक्ता एवं प्रभारी ईको क्लब, भी मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वच्छता अभियान के उद्देश्यों से अवगत कराते हुए कहा कि ईको क्लब का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। उन्होंने छात्रों को अपने विद्यालय के साथ-साथ अपने घर और मोहल्ले में भी स्वच्छता बनाए रखने तथा अन्य लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य डॉ. जमशेद कमाल ने ईको क्लब की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में केवल स्वच्छता की आदत ही विकसित नहीं करते, बल्कि उनके भीतर सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी पैदा करते हैं।

संपूर्ण जनपद में धारा 163 लागू

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर : जनपद बिजनौर में आगामी आगामी त्योहारों, परीक्षाओं और उत्तर प्रदेश विधान परिषद (बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र) के आगामी चुनावों के मद्देनजर शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) अंशिका दीक्षित ने संपूर्ण बिजनौर जनपद में 01 अक्टूबर 2026 से 30 नवंबर 2026 तक धारा 163 लागू करने के आदेश जारी किए हैं। प्रशासन को अंदेशा है कि आगामी दिनों में राजनीतिक गतिविधियों और शारदीय नवरात्रि, दशहरा, दीपावली, छठ पूजा व गुरु नानक जयंती जैसे प्रमुख पर्वों के दौरान असामाजिक तत्व शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास कर सकते हैं।

क्या है धारा 163 और इसके मुख्य नियम?

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (इठरर) की धारा 163 (जो पूर्व में ह्यउफ्छ्ढउ की धारा 144ह्ल के नाम से जानी जाती थी) किसी भी क्षेत्र में शांति व्यवस्था, जन-सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लागू की जाती है। इसके तहत जिले में निम्नलिखित प्रतिबंध लागू रहेंगेः

* बिना अनुमति सभा या रैली पर रोकः 5 या उससे अधिक व्यक्तियों के एक स्थान पर एकत्र होने, बिना पूर्व अनुमति के जुलूस, रैली या सभा आयोजित करने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।

* अस्त्र-शस्त्र ले जाने पर प्रतिबंधः किसी भी सार्वजनिक स्थान पर हथियार, लाठी-डंडे, धारदार हथियार या विस्फोटक सामग्री लेकर चलना सख्त मना है।

* भड़काऊ भाषण और सामग्री पर रोकः ऐसा कोई भी बयान, पर्चा, पोस्टर या सोशल मीडिया पोस्ट साझा नहीं किया जाएगा जिससे सांप्रदायिक तनाव या वैमनस्य पैदा हो।

* डीजे और ध्वनि विस्तारक यंत्रः शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु बिना अनुमति के तेज आवाज में डीजे या लाउडस्पीकर बजाने पर पाबंदी रहेगी।

उल्लंघन करने पर होगी सख्त सजा

अपर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 223 के तहत मामला दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने नागरिकों से शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील की है।

सैय्यदुल मदारिस की मजलिस में मौलाना सियादत नकवी की दीनी खिदमात को किया याद

4 अक्टूबर को चेहलुम की मजलिस को मौलाना कल्बे जव्वाद नकवी करेंगे संबोधित

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। मशहूर आलिम-ए-दीन और शिक्षाविद हजरत मौलाना डॉ. सैयद मोहम्मद सियादत नकवी के इंतकाल पर अमरोहा में विभिन्न धार्मिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक तंजीमों की ओर से ताजियती नशिस्तों, दुआइया जलसों और मजालिस का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में अशरफ उल मसाजिद की ओर से बीती रात मजलिस का आयोजन किया गया, जिसे मौलाना सफदर हुसैन बाकरी ने खिताब किया। वहीं देर शाम दारुल उलूम सैय्यदुल मदारिस की जानिब से हुसैमिया हॉल, शफात पोता में ताजियती मजलिस आयोजित हुई। मजलिस को मौलाना सैयद कमर सुल्तानपुरी ने खिताब किया। उन्होंने मौलाना सियादत नकवी के जीवन, उनकी इल्मी और दीनी सेवाओं पर विस्तार से रोशनी डाली तथा उनके निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। आयोजकों ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि 2 अक्टूबर की शाम सात बजे अजाखाना मुसम्मात सुगरा, मोहल्ला गुजरी में मजलिस आयोजित होगी, जिसे मौलाना सैयद अजहर अब्बास खिताब करेंगे। इसके बाद 3 अक्टूबर को नमाज-ए-मगरिबैन के बाद हुसैमिया हॉल में मजलिस होगी, जिसे मौलाना सैयद अफरोज मुज्तबा संबोधित करेंगे। इसी दिन दोपहर तीन बजे महिलाओं की ताजियती नशिस्त भी आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी मौलाना के भाई प्रो. हसनैन अख्तर की अहलिया सहबा अख्तर ने दी।मौलाना सियादत नकवी के पुत्र एवं शिया इमाम-ए-जुमा हजरत मौलाना डॉ. एहसन अख्तर सरोश ने बताया कि 4 अक्टूबर, रविवार को सुबह 10 बजे हुसैनिया हॉल, शफात पोता में मौलाना सियादत नकवी की मजलिस-ए-चेहलुम आयोजित की जाएगी। इस अहम मजलिस को लखनऊ के इमाम-ए-जुमा हजरत मौलाना सैयद कल्बे जव्वाद नकवी खिताब फरमाएंगे। इस अवसर पर प्रोफेसर नाशिर नकवी द्वारा संकलित विशेष स्मारिका का विमोचन भी किया जाएगा। स्मारिका में मौलाना सियादत नकवी के इंतकाल पर देश-विदेश से प्राप्त शोक संदेशों को शामिल किया गया है।

महबूब अली के प्रयास से नारंगपुर-ढक्का मोड़ मार्ग के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण को मिली मंजूरी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। सदर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री महबूब अली के प्रयास से विधानसभा क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का रास्ता साफ हुआ है। लोक निर्माण विभाग द्वारा एनएच-9 के किमी 125 नारंगपुर से बदायूं-बिल्सी-बिजनौर मार्ग (राज्य मार्ग-51) के किमी 112 ढक्का मोड़ मार्ग, अन्य जिला मार्ग-34 के चेनेज 0.000 से 10.500 तक चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य स्वीकृत कराया गया है। क्षेत्र के ग्रामवासियों द्वारा लंबे समय से उक्त मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण की मांग उठाई जा रही थी। विधायक महबूब अली के प्रयासों के बाद इस मांग को स्वीकृति मिलने पर क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। विधायक महबूब अली ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र का समुचित विकास उनकी प्राथमिकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़कें विकास की आधारभूत आवश्यकता हैं। सड़क मार्गों के सुदृढ़ होने से लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ ही क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि अमरोहा विधानसभा क्षेत्र में सड़क निर्माण एवं सुधार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नारंगपुर से ढक्का मोड़ तक मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण से आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी तथा क्षेत्र को बेहतर संपर्क मार्ग की सुविधा प्राप्त होगी। क्षेत्रवासियों ने सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण की स्वीकृति के लिए विधायक महबूब अली का आभार जताया।

शिक्षक निर्वाचन को लेकर भाजपा की जिला बैठक, कार्यकताओं को सौंपी जिम्मेदारी

शिक्षकों से संपर्क कर पार्टी के पक्ष में मतदान कराने की बनाई रणनीति

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। भारतीय जनता पार्टी जिला अमरोहा की जिला बैठक एवं बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन को लेकर बैठक बुधवार को जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि जिला प्रभारी सत्येंद्र सिसोदिया ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। बैठक में आगामी शिक्षक निर्वाचन को लेकर पार्टी की रणनीति पर चर्चा की गई। मंडल अध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को शिक्षकों से संपर्क करने तथा पार्टी के पक्ष में मतदान के लिए जनसंपर्क अभियान चलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। पदाधिकारियों से चुनाव को लेकर सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद देवेंद्र नागपाल, हसनपुर विधायक महेंद्र खड़गवंशी, धनौरा विधायक राजीव तरारा, पूर्व विधायक संगीता चौहान, पूर्व विधायक हरपाल सिंह, ममता गुर्जर, गुरेंद्र ढिल्लों, पालिकाध्यक्ष शशि जैन, प्रवीन अग्रवाल, ऋषिपाल नागर, बृजेश चौधरी, मोमराज गुर्जर, गिरीश त्यागी, भूप सिंह बेनीवाल, राजीव चौहान, प्रेम सिंह सैनी, हिमांशु त्यागी, जिला मीडिया प्रभारी सुनील गुप्ता, सोशल मीडिया संयोजक मनीष दक्ष सहित सभी मोर्चों के जिलाध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, सेक्टर संयोजक एवं पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता और मातृशक्ति मौजूद रहे।

तीन दिवसीय स्काउट-गाइड शिविर का हुआ समापन

छात्र-छात्राओं ने सीखे तंबू निर्माण, गांठ बांधने व प्राथमिक चिकित्सा के गुर

प्रात : किरण संवाददाता

कैलसा। घनश्याम दास टंडन सरस्वती विद्या मंदिर कैलसा में आयोजित तीन दिवसीय स्काउट-गाइड शिविर का समापन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ हुआ। शिविर में छात्र-छात्राओं को स्काउटिंग के मूलभूत सिद्धांतों के साथ ही जीवनोपयोगी कौशल, अनुशासित जीवनशैली और आपदा प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने तंबू निर्माण, विभिन्न प्रकार की गांठ बांधने, प्राथमिक चिकित्सा तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के तरीके सीखे। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता, अनुशासन और सेवा भावना विकसित करने पर जोर दिया गया।समापन समारोह में शिविर के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेन्द्र वर्मा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि स्काउटिंग विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा भावना और आत्मनिर्भरता का विकास करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रशिक्षण में सीखे जीवनोपयोगी कौशल को अपने व्यवहारिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। विद्यालय की प्रबंधक अंजलि टंडन ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी समाज सेवा के लिए तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में पीटीआई अमन शाक्य एवं स्काउट-गाइड प्रशिक्षक अमित कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासित रहकर जीवन में आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए। अंत में राष्ट्रगान के साथ तीन दिवसीय स्काउट-गाइड शिविर का विधिवत समापन किया गया।

जिला स्वास्थ्य समिति की हुई बैठक, पीपीटी के माध्यम से दी गई राष्ट्रीय कार्यक्रमों की जानकारी

नवनियुक्त जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह का किया गया स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

बिजनौर। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक महात्मा विदुर सभागार कलेक्ट्रेट मे जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा द्वारा जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह को बुके भेंट कर स्वागत किया गया। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक फारूख अजीज द्वारा पी0पी0टी0 के माध्यम से राष्ट्रीय कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की गई। जिलाधिकारी महोदय द्वारा जननी सुरक्षा योजना के अर्न्तगत संस्थागत प्रसवों में कमी के दृष्टिगत निर्देशित किया कि समस्त इकाईयों में शत प्रतिशत रूप से सुनिश्चित किए जाए साथ ही चिकित्सा इकाईयों से बिना किसी कारण के मरीजो का संदर्भन यदि पाया जाता है तो संलिप्त चिकित्सक, स्टॉफ नर्स या आशाओं के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जिला महिला चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज बिजनौर में माह अगस्त 2026 से रात्रि में प्रसव न किए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा निर्देशित किया कार्यरत समस्त महिला चिकित्सकों की ड्यूटी रोस्टर तैयार कर 247 सेवाऐं उपलब्ध कराई जाए तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य नोडल सघन समीक्षा करे। जिला महिला चिकित्सालय/मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध चिकित्सकों के सापेक्ष प्रसवों की संख्या में भारी गिरावट आई है इसमें सुधार नहीं होता है तो कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 पर कभी भी औचक निरीक्षण किया जा सकता है। सभी अपनी उपस्थिति पंजिका, दवाईयां, स्टोर, सफाई व्यवस्था अच्छे से व्यवस्थित रहे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिजनौर द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद बिजनौर की रैंक 20 है, इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि यू0पी डैशबोर्ड रैंकिंग इंडीकेटर पर सभी इंडीकेटर में सुधार किए जाए जिन ब्लॉक के इंडीकेटर औसत से कम है वो सुधार करे साथ ही ई कवच पोर्टल पर सैम बच्चो /मैम बच्चो को श्रेणी से बाहर/अपडेट हो गए है उनकी श्रेणीवार संख्या /स्लाईड अपडेट कराए। ब्लॉकवार इसकी सूचना प्रस्तुत की जाए। क्लस्टर की पहचान की जाए किस क्लस्टर से ज्यादा बच्चे चिन्हित हो रहे है। उपरोक्त के साथ ही जिलाधिकारी बिजनौर द्वारा निम्नानुसार कार्यक्रमों की समीक्षा करने एवं सुधार करने हेतु निम्नानुसार निर्देशित किया गया। आयुष्मान बी0डी0एम0 पोर्टल पर कम उपलब्धि पर स्योहारा, जलीलपुर एवं हल्दौर के चिकित्सा अधीक्षकों को नोटिस जारी किया जाए। आयुष्मान योजना के अर्न्तगत सी0डी0ओ0 साहब की अध्यक्षता में टीम गठित कर एसडीएम, तहसीलदार, बी0डी0ओ0, एडीओ0 संयुक्त टीम गठित करते हुए औचक निरीक्षण कराए जाए तथा आयुष्मान योजना का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर किया जाए। 108-102 एम्बुलेंस वाहनों के जिला एवं ब्लॉक स्तर से औचक निरीक्षण किया जाए तथा पी0डी0आर भी सत्यापित कराए जाए तथा समस्त एम्बुलेंस में आवश्यक दवाईयाँ, उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।प्राईवेट एम्बुलेंस/रोगी वाहन/डेड बॉडी हेतु आपदा की स्थिति हेतु समन्वय सिपित किए जाए, जिससे आकस्मिकता की स्थिति में उपयोग किया जा सके। क्षय रोग कार्यक्रम के अर्न्तगत जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि वृद्धा आश्रम व अन्य आश्रमों में स्वास्थ्य शिविर एवं क्षय रोग की जांच हेतु कैम्प लगाया जाए। सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की सूची जिलाधिकारी कार्यालय में प्रेषित की जाए तथा निर्धारित अवधि में सी0एच0ओ0 अपनी सेवाऐ दे। समस्त प्रभारी चिकित्सा अधिकारी अपने ब्लॉक में प्रत्येक आशा द्वारा बाल आभा आई0डी0 बनवाना सुनिश्चित कराएगे। सभी बुखार, खांसी एवं क्षय रोग के संदिग्ध रोगियों की प्रवृष्टि यू0डी0एस0पी0 पोर्टल ई कवच शत प्रतिशत रूप से आशाओं द्वारा की जाएगी। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अर्न्तगत जनपद में जल भराव व सड़को पर गडढे न हो, नियमित रूप से सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा अन्य सहयोगी विभागों द्वारा अपने निर्धारित दायित्वों का पालन सुनिश्चित किया जाए विशेषकर नगर पालिका नगर पंचायत सक्रिय रूप से अपना कार्य करना सुनिश्चित करे साथ ही हाई रिस्क ग्रामों/नगर पालिका क्षेत्र में सम्बन्धित ई0ओ0 एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा सघन मॉनीटरिंग सुनिश्चित की जाए। बैठक का संचालन जिला कार्यक्रम प्रबन्धक फारूख अजीज द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बिजनौर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मख्य चिकित्सा अधीक्षक (पुरूष, महिला), समस्त क्षेत्रीय अपर/ उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी (आई0सी0डी0एस0,) डी0पी0आर0ओ0, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, समस्त ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य सहयोगी संस्थाऐं जे0एस0आई0, गावी यूनिसेफ द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जमीयत उलेमा-ए-उत्तर प्रदेश की प्रबंधकीय समिति की बैठक आयोजित

संगठन की मजबूती, शिक्षा के प्रसार और सामाजिक सौहार्द पर दिया जोर

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जमीयत उलेमा-ए-उत्तर प्रदेश की मजलिस-ए-मुंतज़िमा (प्रबंधकीय समिति) की महत्वपूर्ण बैठक मदरसा इस्लामिया अरबिया, जामा मस्जिद अमरोहा में प्रदेश अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती सैयद मोहम्मद अफ्फान मंसूरपुरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेशभर से संगठन के पदाधिकारियों, प्रबंधकीय समिति के सदस्यों और जिम्मेदार कार्यकताओं ने भाग लिया। इस दौरान संगठनात्मक गतिविधियों के साथ देश और समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती सैयद मोहम्मद अफ्फान मंसूरपुरी ने पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से निजी हितों से ऊपर उठकर संगठन को मजबूत करने और देश व मिल्लत की सेवा के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की मजबूती उसके कार्यकताओं की एकजुटता, आपसी सहयोग और जिम्मेदारी के साथ किए जाने वाले कार्यों पर निर्भर करती है। उन्होंने देश के मौजूदा हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए मॉब लिंचिंग, बुलडोजर कार्रवाई तथा इबादतगाहों से जुड़े मामलों में होने वाली कार्रवाई पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देश में कानून का राज और सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित होना आवश्यक है। समाज में नफरत और विभाजन की भावना के बजाय आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांति को बढ़ावा देने की जरूरत है। प्रदेश अध्यक्ष ने लोगों से अफवाहों और भड़काऊ माहौल से बचने तथा लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक व्यवस्था के दायरे में रहकर अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने की अपील की।

स्वच्छता सेवा संकल्प :- नगर पंचायत सहसपुर ने किया एक दिन, एक घंटा, एक साथ साफ सफाई कार्यक्रम का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

सहसपुर। स्वच्छता सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत नगरीय निकाय निदेशालय लखनऊ उत्तर प्रदेश के निर्देश पर चेयरपर्सन नाहिद परवीन के मार्गदर्शन और अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार के दिशा निर्देशन मे ब्रस्पतिवार को नगर पंचायत सहसपुर के सफाई कमीयौ एवं स्टाफ द्वारा नगर में साफ-सफाई अभियान का आयोजन किया गया! जिसमें चेयरपर्सन नाहिद परवीन, अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार तथा सभासद गणों व स्टॉफ ने भी तन्मता और लगन से सफाई कार्यक्रम मे हिस्सा लेकर सफाई व्यवस्था बनाने में सहयोग किया। चेयर पर्सन नाहिद परवीन और अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा की ये नगर हम सबका है सभी नागरिकों को नगर को स्वच्छ रखने में सेवा भाव से काम करना चाहिए हम सब मिलकर संकल्प लें कि नगर को साफ सुथरा रखने के लिए एक साथ एक-जुट होकर पूरे प्रयास करेंगे। यदि हम पूरे सकारात्मक और सार्थक रूप से मेहनत करेंगे तो जल्दी ही इसके प्रभावी बदलाव देखने को मिलेंगे और हमारा नगर साफ सुथरा तथा और अधिक सुंदर बनेगा। इस अवसर पर चेयरपर्सन नाहिद परवीन,अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार, वरिष्ठ लिपिक सलमान अली, लिपिक रिजवान अली, लिपिक जमशेद अली,लिपिक मौहम्मद शाहबाज आदि सहित नगर पंचायत सभासद गण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे

सलमान खान की 'मॉन्स्टर' में होगा जबरदस्त एक्शन, अरविंद स्वामी के साथ शूट होगा बड़ा ट्रेन सीक्वेंस

सलमान खान के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को बड़े पर्दे पर देखने का दुनिया भर में मौजूद फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इन्हीं मच अवेटेड फिल्मों में से एक है सुपरस्टार स्टारर फिल्म 'मॉन्स्टर', जिसे श्री वेंकटेश्वरा क्रिएशंस के बैनर तले बनाया जा रहा है, जबकि इसे जाने माने फिल्ममेकर वामशी पैडिपल्ली डायरेक्ट कर रहे हैं।

फिल्म में सलमान खान के साथ नयनतारा स्क्रीन शेयर करती नजर आने वाली हैं। बता दें कि सलमान की इस हाई-बजट एक्शन ड्रामा ने दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा की है। फिल्म से जुड़े अपडेट्स का इंतजार कर रहे फैंस के लिए इससे जुड़े एक करीबी सूत्र ने यह जानकारी दी है कि प्रोजेक्ट में खलनायक की भूमिका निभा रहे अरविंद स्वामी, हाल के समय में 10 दिन के बड़े शेड्यूल के लिए मुंबई में मौजूद हैं। मुंबई में शूट होने वाले फिल्म के सीन्स खास हाईलाइट होने वाले हैं, क्योंकि जानकारी के मुताबिक वे सलमान खान के साथ कुछ अहम हिस्से के साथ-साथ कुछ एक्शंस सीन्स की भी शूटिंग कर रहे हैं। सूत्र ने जानकारी साझा करते हुए बताया है कि, 'मुंबई में अरविंद स्वामी ने अपनी 10 दिन के शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है, और टीम इन सीक्वेंस की कोरियोग्राफी और एग्जीक्यूशन पर बहुत काम कर रही है। इन सीन्स को विजुअली दमदार बनाने के लिए कई तरह की खास तैयारी की जा रही है।'

सूत्र ने आगे कहा है कि, 'सलमान खान के साथ अरविंद स्वामी का तीन दिनों का शूट होने वाला है, जिसके बाद वे अपने सोलो सीन्स शूट करेंगे। फिल्म में सलमान और अरविंद एक दूसरे का पीछा किसी चूहे-बिल्ली की तरह करते नजर आने वाले हैं। वे फिलहाल एक बहुत बड़ा ट्रेन-बेस्ड एक्शन सीक्वेंस शूट कर रहे हैं, जिसे बड़े स्केल पर आकार दिया जा रहा है। सलमान खान स्टारर मॉन्स्टर में उनके किरदार को मेकर्स लार्जर-दैन-लाइफ थिएट्रिकल एक्सपीरियंस के रूप में पेश करने के लिए तैयार हैं। प्रोजेक्ट जिसे बड़ा एक्शन एंटरटेनर कहा जा रहा है, उसका यह मुंबई शेड्यूल बहुत ही ज़रूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें सलमान की मौजूदगी होने वाली है और वह फिल्म के लिए बड़े एक्शन सीन्स को शूट करने वाले हैं। सलमान के बारे में बात करते हुए सूत्र ने बताया, 'सलमान अपने कंटेंट को लेकर कॉन्फिडेंट होने के साथ ही सेट पर बहुत डेडिकेटेड हैं। फिल्म को मेकर्स एक धुंआधार एक्शनर बनाने में लगे हैं, और कोई कसर न छोड़ते हुए वे हर सीन पर उसी स्केल को ध्यान में रखकर काम कर रहे हैं।'

परिणीति चोपड़ा बनेंगी फील्ड रिपोर्टर, 'रिपोर्टिंग लाइव' में खुलेगा रेत माफिया का खतरनाक खेल

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों लगातार अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स के साथ दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रही हैं। हाल ही में उन्होंने स्ट्रीमिंग सीरीज 'शक : ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी पर कदम रखा और अब एक ऐसी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसकी कहानी पत्रकारिता, अपराध और अवैध रेत खनन की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म का नाम 'रिपोर्टिंग लाइव' है, जिसमें परिणीति एक फील्ड रिपोर्टर के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ शेखर सुमन, अमोल पालेकर, देवेन भोजानी और आदिल हुसैन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

'रिपोर्टिंग लाइव' की कहानी एक ऐसी रिपोर्टर की है, जो एक बड़ी स्टोरी की तलाश में अवैध रेत खनन के उस नेटवर्क तक पहुंचती है, जिसे एक खतरनाक रेत माफिया हर हाल में छिपाकर रखना चाहता है। जैसे-जैसे रिपोर्टर इस पूरे मामले की तह तक जाने की कोशिश करती है, उसके सामने अपराध की एक ऐसी दुनिया खुलती जाती है, जहां सच को सामने लाना आसान नहीं है। फिल्म में इसी जांच, खतरे और सच की तलाश को थ्रिलर अंदाज में दिखाया गया है। परिणीति फिल्म में एक फील्ड रिपोर्टर की भूमिका निभा रही हैं। यह किरदार उनके लिए इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि कहानी में रिपोर्टर सिर्फ खबर कवर करने वाली एक पत्रकार नहीं है, बल्कि वह लगातार एक ऐसे सिस्टम के खिलाफ आगे बढ़ती है, जो अपने अपराधों को छिपाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। फिल्म की कहानी में आम लोगों को भी अहम जगह दी गई है। फिल्म का निर्देशन ध्रुव त्रिपाठी ने किया है और उन्होंने मिहिर जाधव के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है। ध्रुव ने फिल्म को लेकर कहा, ''मेरे लिए 'रिपोर्टिंग लाइव' की घोषणा बेहद खास है। मैं पिछले सात साल से इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ा हुआ हूं। मिहिर जाधव के साथ कहानी लिखने से लेकर इसे स्क्रीन तक लाने तक का सफर मेरे लिए लंबा रहा है और अब फिल्म को दुनिया के सामने लाने का मौका भी खास अनुभव है।''

ध्रुव ने कहा, ''मैं ऐसी थ्रिलर बनाना चाहता था, जो जमीन से जुड़ी और असली लगे, लेकिन कहानी के केंद्र में मौजूद आम लोगों की जिंदगी और उनकी परेशानियों को भी नजरअंदाज न करे। फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू ने इस प्रोजेक्ट को बेहतर बनाने में अपना अहम योगदान दिया है। अब मैं चाहता हूं कि दुनिया भर के दर्शक इस कहानी को देखें और फिल्म से जुड़ें। फिल्म की प्रोड्यूसर पार्थ किरण ठाकुर ने भी 'रिपोर्टिंग लाइव' को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ''फिल्म की कहानी और इसे बड़े स्तर पर पर्दे पर उतारने, दोनों में काफी कुछ दांव पर लगा हुआ था। टीम के पास शुरुआत से ही फिल्म को लेकर एक साफ विजन था और इसे इतने मजबूत कलाकारों के साथ पूरा होते देखना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा। अलग-अलग पीढ़ियों के कलाकारों को एक साथ लाना फिल्म के सबसे खास पहलुओं में से एक है।''

'लव एंड वॉर' से विक्की कौशल का लुक आया सामने, इंटेंस किरदार में नजर आए एक्टर

फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'लव एंड वॉर' से अभिनेता विक्की कौशल का फर्स्ट लुक सामने आया है, जिसमें उनका दमदार और इंटेंस अंदाज देखने को मिल रहा है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फर्स्ट लुक शेयर किया, जिसमें विक्की कौशल का लुक इंटेंस, रेट्रो और स्वैग से भरपूर नजर आ रहा है। पोस्टर में विक्की गहरी नजरों से कैमरे को देख रहे हैं। उनके माथे और गाल के पास चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। उनकी आंखें गुस्से और पूरी इंटेंसिटी के साथ सीधे कैमरे की तरफ देख रही हैं। पोस्टर के साथ लिखा गया, 'नजरें मिलेंगी, लेकिन हटेंगी नहीं! संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' 21 जनवरी 2027 को।' भिनेता विक्की कौशल के लुक को फैंस और इंडस्ट्री के साथी कलाकारों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है।

चुंबक में महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स नहीं हैं

मुंबई संदीपा धर ने हाल ही में बताया कि उन्हें 'चुंबक' का हिस्सा बनने के लिए क्या चीज आकर्षित कर रही थी। एक्ट्रेस के मुताबिक, शो में महिलाओं को जिस तरह से पेश किया गया है, वह इसकी खासियतों में से एक है। उनके लिए यह सीरीज कॉमेडी के उस आम फॉर्मेट से अलग है, जहां अक्सर पुरुष किरदारों को ज्यादातर कॉमिक मोमेंट्स मिलते हैं, जबकि महिलाओं को सिर्फ सपोर्टिंग रोल्स तक सीमित रखा जाता है। शो को चुनने के अपने फैसले के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, मैं इस शो को लेकर इसलिए उत्साहित थी क्योंकि इसमें महिलाओं को स्टीरियो टाइपिकल तरीके से नहीं दिखाया गया है। आमतौर पर कॉमेडी में पुरुषों के पास सारे कॉमिक पार्ट्स होते हैं, जबकि महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स होती हैं। लेकिन यहां ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने हेली शाह द्वारा निभाए गए ट्विंकल के किरदार का उदाहरण देते हुए शो के महिला किरदारों को लेकर किए गए इस अलग नजरिए की तारीफ की। संदीपा ने कहा, यहां हमारे पास ट्विंकल (हेली शाह) है, जिनकी कॉमेडी शो में सबसे अव्वल है। इसके अलावा एक्ट्रेस ने पारंपरिक जेंडर रोल्स से हटकर किरदारों को पेश करने के लिए किए गए प्रयास की भी सराहना की है।

उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सिर्फ बैठकर खाना बनाते या पुरुषों को खाना परोसते हुए नहीं दिखा रहे हैं। दरअसल, आतिश ने यह बहुत सोच-समझकर किया है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हम पारंपरिक जेंडर रोल्स को फॉलो न करें। संदीपा के लिए स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही इसकी राइटिंग सबसे अलग और खास लगी थी। उन्होंने आगे कहा, जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ रही थी, तभी मुझे लगा कि किसी को महिलाओं के किरदारों को इस तरह लिखते देखना वाकई काफी रिफ्रेशिंग है। महिला किरदारों को सिर्फ पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें कहानी में सक्रिय और कॉमिक स्पेस देने के साथ, चुंबक ने संदीपा को कॉमेडी का एक अलग नजरिया दिया, जो उन्हें पहली रीडिंग से ही काफी रिफ्रेशिंग लगा।

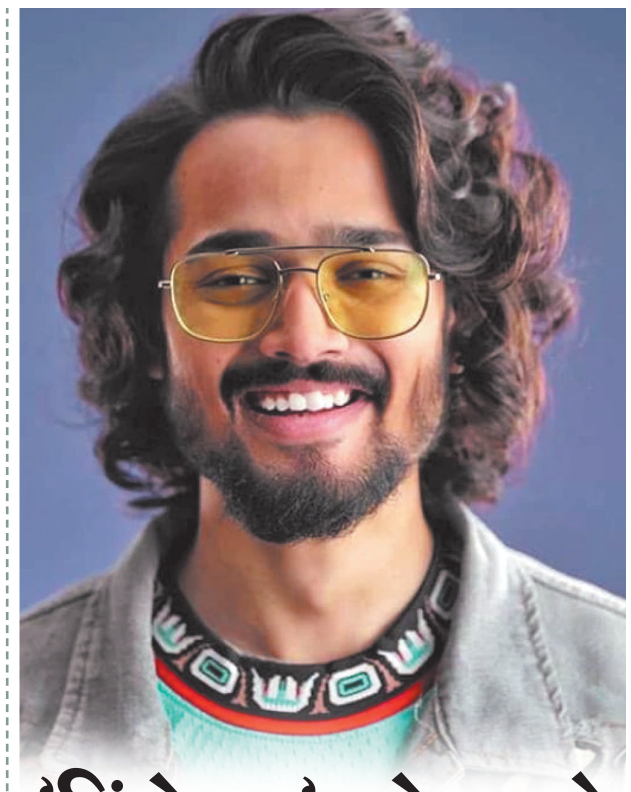

'ढिंढोरा 2' को बनाने में भुवन बाम ने की कड़ी मेहनत

कंटेंट क्रिएटर और एक्टर भुवन बाम की पॉपुलर सीरीज 'ढिंढोरा' के दूसरे सीजन का दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। 2021 में यूट्यूब पर रिलीज हुई इस सीरीज ने भुवन बाम के बनाए किरदारों को घर-घर तक पहुंचा दिया था। अब, 'ढिंढोरा 2' एक बड़े प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने के लिए तैयार है। सीरीज की पहली झलक सामने आने के बाद फैंस के बीच इसे लेकर उत्साह और बढ़ गया है। सीरीज के अनुभव को लेकर भुवन ने कहा कि इस सीजन को स्क्रीन तक लाना उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। इसके लिए उन्हें कई ड्राफ्ट, जोक्स और स्टोरीलाइन पर बार-बार काम करना पड़ा। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में भुवन बाम ने 'ढिंढोरा 2' बनाने के सफर और अपने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की।

उन्होंने कहा, ''सीरीज 'ढिंढोरा' मेरे लिए बेहद खास है। इसके किरदार पिछले कई सालों में मेरे और दर्शकों के साथ-साथ बड़े हुए हैं। इसके सीजन 2 पर लंबे समय से काम चल रहा था और अब जब इसकी पहली झलक दर्शकों के सामने आई है, तो मेरे लिए यह पल काफी यादगार बन गया है।''

भुवन के कहा, '''ढिंढोरा 2' में पहले सीजन से ज्यादा पागलपन होगा, लेकिन इसकी सबसे जरूरी बात यह है कि इसमें उस दुनिया का पुराना मजा और अपनापन भी बना रहेगा। मैं नहीं चाहता कि बड़े प्लेटफॉर्म पर जाने की वजह से शो अपनी असली पहचान खो दे। इसलिए कहानी को बड़ा करने के साथ-साथ उन चीजों को भी संभालकर रखा गया है, जिनसे दर्शक पहले सीजन में जुड़े थे।'' उन्होंने कहा, ''सीजन 2 को तैयार करने के दौरान सबसे बड़ी चुनौती कहानी को लेकर थी। इस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए कई ड्राफ्ट लिखे गए। सिर्फ कहानी ही नहीं, बल्कि कई जोक्स और स्टोरीलाइन को भी बार-बार बदला गया। मेरा मकसद यही था कि आखिर में जो कहानी दर्शकों तक पहुंचे, वह उन्हें सही लगे और मेरी मौजूदा सोच से भी जुड़ सके।''

उन्होंने कहा, ''अब 'ढिंढोरा 2' जिस मुकाम पर पहुंचा है, वह आज की सोच और मैच्योरिटी से काफी जुड़ा हुआ है। सीरीज में कुछ ऐसे मुद्दों को भी छूने की कोशिश की गई है, जिन पर मैं खुद भरोसा करता हूं। मुझे उम्मीद हैं कि पुराने फैंस को इसमें वही अपनापन मिलेगा, जिसके लिए वह इस सीरीज को पसंद करते आए हैं। साथ ही नई ऑडियंस भी इस कहानी और इसके किरदारों से जुड़ पाएगी।'' बीबीकेवी प्रोडक्शन्स के फाउंडर और प्रोड्यूसर रोहित राज ने भी 'ढिंढोरा' के इस सफर को खास बताया। उन्होंने कहा, ''एक इंडिपेंडेंट यूट्यूब सीरीज से नेटफ्लिक्स तक पहुंचना काफी बड़ा सफर रहा है। दूसरे सीजन को बड़े लेवल पर बनाने की कोशिश की गई है, लेकिन टीम ने यह भी ध्यान रखा कि पहले सीजन की वह मस्ती, पागलपन और पहचान कहीं खो न जाए।''

कुछ लोग आपके करियर को दिशा देते हैं, तो कुछ चुपचाप आपका दिल संभाल लेते हैं

द पैराडाइज़ के को-स्टार नानी के लिए राघव जुयाल ने लिखा दिल छू लेने वाला नोट बॉलीवुड डेस्क। मुंबई एक्टर राघव जुयाल ने अपने द पैराडाइज़ के को-स्टार नानी के लिए एक बेहद दिल छू लेने वाला नोट लिखा है। फिल्म के हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बीच राघव के इस इमोशनल नोट ने दोनों एक्टर्स के बीच स्क्रीन के बाहर की खास बॉन्डिंग की भी झलक दिखा दी है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए इस नोट में राघव ने नानी को उन चुनिंदा लोगों में से एक बताया, जो बिना कुछ कहे उनके लिए एक 'सेफ प्लेस' बन गए। उन्होंने बताया कि नानी ने उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल जर्नी में किस तरह अहम भूमिका निभाई है।

राघव ने बताया कि जब भी करियर और जिंदगी को लेकर वह किसी उलझन में रहे, नानी हमेशा उनके साथ खड़े रहे। दोनों अक्सर घंटों सिनेमा, करियर, जिंदगी और काम से आगे की तमाम चीजों पर बातें करते थे। राघव ने यह भी बताया कि नानी ने उन्हें अपने करियर से जुड़े फैसलों को बेहतर तरीके से समझने और इंडस्ट्री में आगे बढ़ते हुए खुद को वैसा ही इंसान बनाए रखने में मदद की, जैसा वह रहना चाहते हैं।

अपने इस इमोशनल नोट में राघव ने लिखा, 'जिंदगी में कुछ ही ऐसे लोग होते हैं, जो बिना जाने ही आपके लिए आपकी सेफ प्लेस बन जाते हैं। मेरे लिए नानी दादा भी उन्हीं लोगों में से एक हैं। मैंने कई बार कोशिश की है कि शब्दों में बता सकूं कि आप मेरे लिए क्या मायने रखते हैं, लेकिन सच कहूं तो मुझे अब भी लगता है कि शब्द कभी काफी नहीं होंगे। मैं आपसे सच में बहुत प्यार करता हूं और आपको बहुत एडमायर करता हूं। सिर्फ एक एक्टर या आर्टिस्ट के तौर पर नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी। इस इंडस्ट्री में, जहां कई बार चीजें काफी अनिश्चित और शोर से भरी लगती हैं, ऐसे कई पल आए हैं जब मैं खुद को पूरी तरह खोया हुआ महसूस करता था। और पता नहीं कैसे, जब भी मैं ऐसे किसी क्रॉसरोड्स पर खड़ा हुआ, आप हमेशा मेरे साथ रहे, नानी दादा। दादा, आपने मुझे बैठाकर घंटों बात की है।

सिनेमा के बारे में, मेरे करियर के बारे में, जिंदगी के बारे में और कभी-कभी बिना किसी खास वजह के भी। आपने मेरी बातें सुनीं और मुझे समझा। आपने मुझे कभी इस बात के लिए छोटा महसूस नहीं कराया कि मैं कन्फ्यूज हूं या इमोशनल हूं। और हर बार आपसे बात करने के बाद मेरे दिल का बोझ थोड़ा हल्का जरूर महसूस हुआ। जिस तरह आपने हमेशा मेरे लिए जगह बनाई, मेरी बातें सुनीं और बस मेरे साथ रहे, उसके लिए शुक्रिया।

कुछ लोग आपको एडवाइस देते हैं, लेकिन बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो आपको महसूस कराते हैं कि आपको सच में समझा गया है और साथ ही आपको एक नया पर्सपेक्टिव भी देते हैं। नानी दादा, आपने मुझे दोनों चीजें दीं। आपने मुझे समझने में मदद की कि मैं किस तरह की फिल्मों का हिस्सा बनना चाहता हूं, कौन से चॉइसेस लेना जरूरी है और उससे भी ज्यादा जरूरी, उन फैसलों के बीच मुझे किस तरह का इंसान बने रहना है।

सेंसेक्स
71909.70 पर बंद
निफ्टी
22421.95 पर बंद

सोना
147,730
चांदी
235,000

संक्षिप्त समाचार

गिरते बाजार में रॉकेट बना कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में गिरावट के बीच देश के चौथे बड़े प्राइवेट बैंक कोटक महिंद्रा का शेयर करीब 4 प्रतिशत उछल गया। प्राइवेट सेक्टर के इस दिग्गज बैंक ने अनूप कुमार साहा को अपना अगला मैनेजिंग डायरेक्टर और नियुक्त करने की घोषणा की है। उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। उनका कार्यकाल 1 जनवरी, 2027 से शुरू होकर तीन साल रहेगा। साहा अभी कोटक महिंद्रा बैंक में होल–टाइम डायरेक्टर और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। वह अशोक वासवानी की जगह लेंगे। बैंक ने कहा कि बोर्ड नियुक्ति को औपचारिक रूप देने और शेयरधारकों की मंजूरी लेने के लिए आगे कदम उठाएगा। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कोटक अपनी ग्रोथ की रफ़्तार बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। बैंक ने ष्टश्वह्र पद के लिए साहा और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पारितोष कश्यप के नाम आरबीआई को भेजे थे। साहा जनवरी 2026 में कोटक महिंद्रा बैंक से जुड़े और मार्च में होल–टाइम डायरेक्टर नियुक्त किए गए। वे अभी बैंक के रिटेल बैंकिंग, सरकारी कारोबार, डेटा

एनालिटिक्स और मार्केटिंग कामकाज को संभालते हैं। साहा के पास 32 साल से ज्यादा का प्रोफेशनल अनुभव है। इसमें बैंकिंग और नॉन–बैंकिंग फाइनेंशियल सेवाओं में 25 साल का अनुभव शामिल है। उन्होंने खड़गपुर से इंजीनियरिंग में की डिग्री लेने के बाद लखनऊ से किया। साहा ने अपने करियर की शुरुआत से की। उन्होंने इस सरकारी कंपनी में 1991 से 1995 तक प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में काम किया। कुछ समय के लिए कंज्यूमर ड्यूरेबल सेल्स में भी रहे। बाद में उन्होंने 1999 से 2003 तक कैपिटल में काम किया। इस कंपनी में वह क्रेडिट कार्ड, सेल्स और एनालिटिक्स का काम देखते थे। साहा ने मई 2003 से जून 2017 के बीच आईसीआईसीआई बैंक में 14 साल बिताए।

सितंबर के जख्मों पर मरहम लगाएगा अक्टूबर, देख लीजिए शेयर बाजार के पिछले 10 साल के आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में सितंबर में भारी बिकवाली देखने को मिली। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी 6 प्रतिशत लुढ़क गए। इसी तरह मिडकैप 150 में 6.6 प्रतिशत और स्मॉलकैप 250 इंडेक्स में 3.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह मार्च के बाद से सबसे बड़ी मासिक गिरावट है। मार्च में दोनों इंडेक्स 11 प्रतिशत तक गिर गए थे। अक्तूबर ऐतिहासिक रूप से शेयरों के लिए मजबूत महीना रहा है। फेस्टिव सीजन होने के कारण इस दौरान ऑटो, जूलरी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स पर ज्यादा खर्च की उम्मीद रहती है। आमतौर पर अक्टूबर

भारतीय शेयरों के लिए अच्छा महीना रहा है। पिछले 10 साल में सात बार निफ्टी 50 बढ़त के साथ बंद हुआ है। हालांकि, इस साल सितंबर में हुई भारी बिकवाली के बाद ज्यादा राहत की उम्मीद नहीं है। बाजार को कच्चे तेल की ऊंची कीमत, ग्लोबल बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कमजोर रुपये जैसी चुनौतियों से जूझना पड़ रहा है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इक्विरस सिक्योरिटीज के डायरेक्टर और ट्रेडिंग हेड तेजस शाह ने कहा, 'अक्टूबर में एक अहम परीक्षा होगी कि क्या सितंबर में आई गिरावट में जोखिमों को ठीक से शामिल कर लिया गया है या अभी और एडजस्टमेंट की जरूरत है।' इसी तरह सिक्योरिटीज में फंडामेंटल रिटेल रिसर्च के हेड सनी अग्रवाल ने कहा, 'ज्यादातर सेक्टर के लिए, फाइनेंशियल ईयर की दूसरी छमाही डिमांड और वॉल्यूम ग्रोथ के लिहाज से बेहतर होती है। शायद यही एक वजह है कि अक्टूबर ऐतिहासिक रूप से मजबूत महीना रहा है।'

सोना गिरवी रख कर लोन लेने वालों की संख्या खूब बढ़ रही है, होम लोन से टक्कर ले रहा है

मुंबई, एजेंसी। इस साल अगस्त महीने में कुछ ऐसे संकेत मिले हैं, जिससे लगता है कि लोगों को लोन या क्रेडिट पर उधार मिलने में परेशानी हो रही है। तभी तो उन्हें लोन लेने के लिए घर का सोना गिरवी रखना पड़ रहा है। जी हां, आंकड़े कुछ ऐसा ही बता रहे हैं कि अब गोल्ड लोन का कुल अकाउंट होम लोन के कुल अकाउंट के बराबर पहुंचने वाला है।

रिजर्व बैंक से पता चलता है कि बीते अगस्त महीने के दौरान कंज्यूमर डिमांड कोई खास नहीं बढ़ा है। इस दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल्स की खरीदारी के लिए लिए जाने वाले लोन और क्रेडिट कार्ड आउटस्टैंडिंग में महज 2.4 प्रतिशत और 3.6 प्रतिशत की ही बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी साल-दर-साल आधार पर दिखाया गया है। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल से अगस्त 2026 के बीच बैंक क्रेडिट लगभग 10.3 लाख करोड़ रुपये या 4.8 प्रतिशत बढ़कर 223.9 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी दौरान कुल क्रेडिट साल-दर-साल आधार पर 19.1 प्रतिशत बढ़ा। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती पांच महीनों में डिसक्रेशनरी कंज्यूमर क्रेडिट की वृद्धि धीमी रही। इसी दौरान सिक्योर्ड रिटेल लोन, कॉर्पोरेट क्रेडिट और उधार देने की मांग मजबूत रही।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार पहले पांच महीनों में गोल्ड लोन में 98,096 करोड़ रुपये जोड़े गए। यह अब होम लोन के आसपास पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान होम लोन अकाउंट में 98,858 करोड़ रुपये जोड़े गए। गोल्ड लोन का अकाउंट इसी तरह से बढ़ता गया तो यह जल्द ही होम लोन के कुल अकाउंट को पार कर जाएगा। बीते अगस्त महीने में क्रेडिट कार्ड आउटस्टैंडिंग करीब 3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। लेकिन एफवाय27 के पहले पांच महीनों के दौरान इसमें केवल 4,740 करोड़ रुपये ही एड हुए। इस दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल्स खरीदने के लिए लिया गया लोन 23,295 करोड़ रुपये पर पहुंच गए। हालांकि इस दौरान इसमें सिर्फ 1,333 करोड़ रुपये ही जोड़े गए। इस दौरान व्हीकल लोन का ग्रोथ शानदार रहा। यह साल दर साल के आधार पर 19.7 प्रतिशत फीसदी की दर से बढ़ा और 7.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस साल अप्रैल से अगस्त के दौरान कुल 37,027 करोड़ रुपये के व्हीकल लोन लिए गए। रिटेल लोन लेने में गोल्ड लोन की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। इस साल अगस्त तक 5.6 लाख करोड़ रुपये का लोन सोना गिरवी रख कर लिया जा चुका था। यह सलाना आधार पर 83.2 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। एक ही साल पहले यह लगभग 3 लाख करोड़ रुपये ही था। फिक्स्ड डिपॉजिट या एफडी पेपर को गिरवी रख कर लिया गया लोन भी सलाना आधार पर 43.2 प्रतिशत बढ़ा है। अब यह 2 लाख करोड़ रुपये का हो गया । इस दौरान इसमें 35,166 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ।

डीजल और एटीएफ के एक्सपोर्ट पर विंडफॉल टैक्स में कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने डीजल और विमानों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन यानी एटीएफ के एक्सपोर्ट पर विंडफॉल टैक्स में एक बार फिर कटौती की है। वित्त मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी नोटिफिकेशन के अनुसार सरकार ने 1 अक्टूबर से डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल के एक्सपोर्ट पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। पेट्रोल के मामले में टैक्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है। डीजल के एक्सपोर्ट पर लगने वाली ड्यूटी को 20 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 16 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया, जबकि अस्न्र के एक्सपोर्ट पर लगने वाले लेवी को 15 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 10.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया। ये नई दरें अगले दो हफ्तों के लिए लागू रहेंगी। पेट्रोल के एक्सपोर्ट पर लगने वाला विंडफॉल टैक्स 0.5 रुपये प्रति लीटर पर ही बना हुआ है। सरकार ने पिछली बार 16 सितंबर को एक्सपोर्ट लेवी में बदलाव किया था। उस समय डीजल के एक्सपोर्ट पर लगने वाली ड्यूटी को 25 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 20 रुपये प्रति लीटर और लेवी को 19 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 15 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया था। एक्सपोर्ट ड्यूटी की समीक्षा हर दो हफ्ते में इंटरनेशनल क्रूड ऑयल और पेट्रोलियम प्रोडक्ट की कीमतों के आधार पर की जाती है। हालांकि घरेलू खपत के लिए बेचे जाने वाले पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली मौजूदा एक्साइज ड्यूटी दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

जीएसटी कलेक्शन 14.7 प्रतिशत उछलकर 2.04 लाख करोड़, छह महीने में 12 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी कलेक्शन के सितंबर महीने के आंकड़े आ गए हैं। गुरुवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में कुल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स कलेक्शन 2,03,521 करोड़ रहा। यह पिछले साल इसी महीने की तुलना में 14.7 प्रतिशत ज्यादा है। इस फाइनेंशियल ईयर की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के लिए कुल कलेक्शन 12,46,278 करोड़ रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 11.6 प्रतिशत ज्यादा है। सितंबर में रिफंड में पिछले साल के मुकाबले 3 प्रतिशत की कमी आई।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में हुए कलेक्शन में सीजीएसटी 37,762 करोड़ रुपये, जीएसटी 45,363 करोड़ रुपये और एस96 करोड़ रुपये रहा। कुल नेट रेवेन्यू सालाना आधार पर 18.1 प्रतिशत बढ़कर 1,76,520 करोड़ रुपये हो गया। भारत का ग्रॉस डोमेस्टिक रेवेन्यू 10.1 प्रतिशत बढ़कर 1,25,334 करोड़ रुपये से 1,37,996 करोड़ रुपये हो गया।

महाराष्ट्र नंबर 1: बड़े राज्यों में महाराष्ट्र ने सितंबर में सबसे ज्यादा 29,986 करोड़ रुपये जीएसटी कलेक्शन दर्ज किया। यह एक साल पहले के 25,973 करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है। इसके बाद कर्नाटक का नंबर रहा, जहां कलेक्शन 16 फीसदी उछाल के साथ 13,884 करोड़ रुपये रहा । गुजरात का रेवेन्यू 17 प्रतिशत बढ़कर 12,222 करोड़ रुपये हो गया। उत्तर प्रदेश का रेवेन्यू सितंबर में 18 प्रतिशत बढ़कर 8,882 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले यह 7,516 करोड़ रुपये था। तेलंगाना में भी यह 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 5,327 करोड़ रुपये हो गया। पंजाब का रेवेन्यू 18 प्रतिशत बढ़कर 2,549 करोड़ रुपये रहा। असम में यह 88 प्रतिशत बढ़कर 2,415 करोड़ रुपये पहुंच गया। मणिपुर में 145 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ कलेक्शन 92 करोड़ रुपये रहा जबकि अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड में क्रमशः 46 प्रतिशत और 39 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

कहां आई गिरावटः हालांकि इस दौरान कई राज्यों के जीएसटी कलेक्शन में गिरावट भी देखी गई। सिक्किम में यह 51 प्रतिशत गिरकर 194 करोड़ रुपये रहा। जम्मू-कश्मीर का कलेक्शन 29 प्रतिशत गिरकर 487 करोड़ रुपये रहा जबकि उत्तराखंड में 23 प्रतिशत की गिरावट के साथ यह 1,277 करोड़ रुपये और हिमाचल प्रदेश में 21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 640 करोड़ रुपये रह गया। तमिलनाडु का जीएसटी रेवेन्यू सालाना आधार पर 5 प्रतिशत गिरकर 10,188 करोड़ रुपये रहा जबकि गोवा का कलेक्शन 7 प्रतिशत गिरकर 494 करोड़ रुपये रहा। पुडुचेरी में 31 प्रतिशत और मेघालय में 14 प्रतिशत गिरावट आई। केरल के जीएसटी रेवेन्यू 11 प्रतिशत बढ़कर 3,328 करोड़ रुपये रहा।

778.2 अरब डॉलर... भारत पर इतना विदेशी कर्ज कि गिनते-गिनते थक जाएंगे, विदेशी मुद्रा भंडार भी पड़ जाएगा कम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी कर्ज मार्च तिमाही के मुकाबले जून तिमाही में 15.4 अरब डॉलर बढ़कर 778.2 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बुधवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। हालांकि, जीडीपी

के अनुपात में विदेशी कर्ज जून, 2026 के अंत में घटकर 20.8 प्रतिशत रहा, जो 31 मार्च, 2026 को 20.9 प्रतिशत था। 18 सितंबर 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 765.901 अरब था। आरबीआई ने कहा, 'येन और यूरो जैसी प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की मजबूती से मूल्यांकन लाभ 90 करोड़ डॉलर रहा। मूल्यांकन प्रभाव को हटाने पर जून, 2026 के अंत में बाहरी कर्ज में 15.4 अरब डॉलर के बजाय 16.4 अरब डॉलर की वृद्धि होती।'

डॉलर में बड़ा हिस्सा

जून तिमाही में एक साल से अधिक की मूल परिपक्वता अवधि वाला दीर्घकालिक ऋण 624.7 अरब डॉलर रहा। यह मार्च, 2026 के मुकाबले 11.2 अरब डॉलर अधिक है। वहीं, कुल बाहरी कर्ज में एक साल तक की मूल परिपक्वता अवधि वाले अल्पकालिक ऋण की हिस्सेदारी जून, 2026 के अंत में बढ़कर 19.7 प्रतिशत हो गई, जो पिछली तिमाही के अंत में 19.6 प्रतिशत थी। इसी तरह, विदेशी मुद्रा भंडार की तुलना में अल्पकालिक ऋण का अनुपात जून, 2026 के अंत में बढ़कर 23 प्रतिशत हो गया, जो मार्च, 2026 के अंत में 21.6 प्रतिशत था। आरबीआई के अनुसार, अमेरिकी डॉलर में ऋण भारत के बाह्य ऋण का सबसे बड़ा हिस्सा रहा। जून, 2026 के अंत में इसकी हिस्सेदारी 54.8 प्रतिशत थी। इसके बाद भारतीय रुपये में ऋण की हिस्सेदारी 29.8 प्रतिशत, येन 6.9 प्रतिशत, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.1 प्रतिशत और यूरो की हिस्सेदारी 3.5 प्रतिशत रही।

सरकारी और गैर-सरकारी कर्ज

केंद्रीय बैंक ने कहा, 'जून, 2026 के अंत में सरकार और गैर–सरकारी, दोनों क्षेत्रों का बकाया ऋण मार्च, 2026 के मुकाबले बढ़ गया।' विदेशी ऋण में कर्ज सबसे बड़ा घटक रहा, जिसकी हिस्सेदारी 34.3 प्रतिशत थी। इसके बाद मुद्रा एवं जमा (22.2 प्रतिशत), व्यापार ऋण एवं अग्रिम (19.1 प्रतिशत) और ऋण प्रतिभूतियों (16.5 प्रतिशत का स्थान रहा। मूलधन और ब्याज भुगतान जून, 2026 के अंत में चालू प्राप्तियों का 5.6 प्रतिशत रहा। मार्च, 2026 में भी यह अनुपात इतना ही था।

टाटा ट्रस्ट्स के खिलाफ आई एक और चिट्ठी, टाटा संस के मामलों में 'दखल' पर उठे सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के सबसे बड़े शेयरहोल्डर टाटा ट्रस्ट्स की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। इसके चेयरमैन नोएल टाटा हैं। वेणु श्रीनिवासन के बाद टाटा ट्रस्ट्स के वाइस चेयरमैन और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी विजय सिंह ने भी महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर को एक पत्र लिखा है। उन्होंने टाटा ट्रस्ट्स के कामकाज और गवर्नेंस की तुरंत जांच की मांग की है। इसमें टाटा संस के कमर्शियल और स्ट्रैटेजिक मामलों में ट्रस्ट की भागीदारी भी शामिल है। सिंह ने बताया, 'जब वेणु श्रीनिवासन ने पत्र लिखा था, मैंने भी उसी समय चैरिटी कमिश्नर को चिट्ठी लिखकर अपनी चिंताएं जताई हैं।' टाटा ट्रस्ट्स के वाइस चेयरमैन और टाटा संस बोर्ड में इसके जॉइंट नॉमिनी डायरेक्टर श्रीनिवासन ने भी महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर को पत्र लिखकर नोएल टाटा की परपेचुअल ट्रस्टी के तौर पर नियुक्ति और उनके पद पर बने रहने की स्थिति की जांच की मांग की है। सिंह ने इस बात की भी जांच करने की मांग की कि श्रीनिवासन को अहम फैसलों की प्रक्रिया से क्यों अलग रखा गया। साथ ही उन्होंने टाटा संस के कमर्शियल और स्ट्रैटेजिक मामलों में उसके ट्रस्टियों की भागीदारी की जांच की मांग की है।

मछली पालन का प्रोजेक्ट कैसे शुरू करें कितना मिलेगा लोन, सब्सिडी समेत बड़ी बाते

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में मछली पालन का बिजनेस काफी बड़े स्तर पर होता है। घरेलू के अलावा दुनिया के कई देशों में मछलियों की सप्लाई होती है। फायदेमंद कारोबार में मछली पालन (मत्स्य पालन) भी शामिल है। ऐसे में कई लोग और किसान हैं, जो इस बिजनेस को शुरू करने की भी सोच रहे हैं।

देश में छोटे से लेकर बड़े स्तर तक मछली पालन का बिजनेस होता है। अगर आप भी इसको करना चाहते हैं तो यह खबर आपके लिए खास हो सकती है। मछली पालन प्रोजेक्ट को शुरू करने की बात करें तो आपको सबसे पहले इसके लिए प्लानिंग करनी होगी। आपको यह तय कर लेना होगा कि आप मछली पालन का प्रोजेक्ट कहां लगाना चाहते हैं, इसके लिए जगह, जमीन, जल की भरपूर उपलब्धता, मछली के प्रकार या बीज, बजट और बाजार को तय करना होता है। अगर आप तालाब में करना चाहते हैं तो आप नियम के तहत कर सकते हैं, इसके अलावा आप पानी के लिए टैंक का भी निर्माण कर सकते हैं। भारत में मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने मत्स्यपालन विभाग बना रखा है। इसके द्वारा आपको कई सारी सुविधाएं मिलती हैं। इस बिजनेस के लिए कई सारे लोन उपलब्ध हैं। इनमें आप प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना , किसान क्रेडिट कार्ड मत्स्य योजना समेत अन्य योजनाएं से भी लोन ले सकते हैं। देश में मछली पालन के लिए कितना लोन मिलता है, यह आपके बिजनेस की साइज और योजना के साथ आपकी पात्रता पर निर्भर करता है। वैसे छोटे से लेकर बड़े बिजनेस के लिए सरकार मछली पालन के लिए लोन देती है। इसकी साइज 50 हजार रुपये से लेकर 20 लाख रुपये तक की हो सकती है। किसान क्रेडिट कार्ड के तहत आपको बिना गारंटी करीब 2 लाख रुपये तक का लोन मिल सकता है। इसमें अगर समय पर लोन का भुगतान कर देते हैं तो आपको सालाना ब्याज दर 4 फीसदी ही पड़ती है।

एशियन पेंट्स वुड एडहेसिव ने हाइड्रोना और अल्ट्रा के साथ नए अध्याय की शुरुआत की

भोपाल, एजेंसी। एशियन पेंट्स वुड एडहेसिव ने एशियन पेंट्स हाइड्रोना और एशियन पेंट्स अल्ट्रा दो नए उत्पाद लॉन्च किए हैं। ये दोनों उत्पाद वुडवर्किंग से जुड़े पेशेवरों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए टिकाऊपन, आसान उपयोग और बेहतर प्रदर्शन प्रदान करने के लिए विकसित किए गए हैं। लॉन्च के अवसर पर देशभर के 250 डिस्ट्रीब्यूटर्स ने एक साथ मिलकर 384 वर्ग फुट का वुडन मोज़ेक तैयार किया, जिसे Asia Book of Records ने 'Largest Wooden Mosaic Artwork Created by an Organization' के रूप में मान्यता दी है। A Better Bond Starts Here की सोच पर आधारित इस विशेष पहल के माध्यम से एक उत्पाद के लाभ को सामूहिक अनुभव में बदला गया। प्रत्येक डिस्ट्रीब्यूटर ने नए लॉन्च किए गए एशियन पेंट्स हाइड्रोना एडहेसिव का उपयोग करके अलग–अलग लकड़ी के पैनलों को तैयार किया। इसके बाद इन पैनलों को एक बड़े और आकर्षक इंस्टॉलेशन में लगाया गया। इस तरह ट्रेड पार्टनर्स और नए उत्पाद, दोनों ही ब्रांड के लॉन्च की कहानी का अभिन्न हिस्सा बन गए। कंपनी ने घरों को लेकर अपनी समझ का विस्तार वुड एडहेसिव के क्षेत्र में करते हुए वुडवर्किंग इकोसिस्टम की एक महत्वपूर्ण जरूरत—लंबे समय तक टिकने वाले फर्नीचर—को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

ओप्पो ने भारत में के14 प्लस लॉन्च किया

भोपाल, एजेंसी। ओप्पो इंडिया ने आज ओप्पो के14 प्लस के लॉन्च की घोषणा की, जो के सीरीज में एक शक्तिशाली नया जोड़ है जो प्रदर्शन, इमर्सिव मनोरंजन, उन्नत इमेजिंग और लंबे समय तक चलने वाले टिकाऊपन को एक साथ लाता है। मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7360 मैक्स द्वारा संचालित, इस स्मार्टफोन में 1.5के 144एच5 अल्ट्रा ब्राइट डिस्प्ले , 6-साल तक टिकाऊ 8000एमएएच बड़ी बैटरी, 4के वीडियो के साथ 50एमपी ओआइएस मुख्य कैमरा और निरंतर प्रदर्शन के लिए 5000एमएम वेपर चेंबर है। ओप्पो के Powered to Perform Built to Last प्रस्ताव पर आधारित, के14 प्लस एक सहज भरोसेमंद अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो मांग वाले रोज़मर्रा के उपयोग के साथ तालमेल बिठाता है और लंबे समय तक प्रदर्शन और टिकाऊपन का विश्वास देता है।

भारत को आज नहीं मिला एक भी गोल्ड, नितेश को रजत

हॉकी और क्रिकेट टीमें फाइनल में

आइची नागोया (एजेंसी)। भारतीय दल के लिए एशियन गेम्स में आज का दिन मिलाजुला रहा। भारत को गुरुवार को एक भी स्वर्ण पदक नहीं मिले, लेकिन पदक जीतने का सिलसिला जारी रहा। भारत के कुल पदकों की संख्या 60 के पार पहुंच गई।

मानसी को मिली हार

भारतीय महिला पहलवान मानसी को 62 किग्रा भार वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। मानसी को मंगोलिया की अल्तजिन तोगतोख ने 5-2 से हराया और कांस्य पदक अपने नाम किया। अल्तजिन ने शुरुआत में 2-0 की बढ़त बनाई थी, लेकिन मानसी ने वापसी करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया था। इसके बाद मंगोलियाई पहलवान ने जोरदार वापसी की और मैच अपने नाम कर लिया।

पुरुष स्क्वाश टीम ने जीता कांस्य

भारतीय पुरुष स्क्वाश टीम ने कांस्य पदक जीत लिया है। भारत को मलयेशिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह टीम स्वर्ण पदक मुकाबले में नहीं पहुंच सकी और उन्हें कांस्य से संतोष करना पड़ा। इससे पहले, भारतीय महिला स्क्वाश टीम को भी कांस्य पदक मिला था।

नितेश ने जीता रजत पदक

भारतीय ग्रीको रोमन पहलवान नितेश सिवाच ने पुरुष 97 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीता है। नितेश को फाइनल में जापान के युरी नाकाजातो से 0-4 से हार मिली और वह स्वर्ण पदक लाने से चूक गए। हालांकि, नितेश देश को रजत पदक दिलाने में सफल रहे। पहलवान नितेश का ग्रीको रोमन 97 किग्रा का फाइनल मुकाबला जारी है। नितेश का फाइनल में युरी नाकाजातो से सामना हो रहा है। जापान के पहलवान फिलहाल आगे चल रहे थे।

इनुंगनबी ताखेल्लामबाम कांस्य पदक से चूकीं

भारत की इनुंगनबी ताखेल्लामबाम एशियन गेम्स 2026 में महिला 70 किग्रा जूडो वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में हार गईं। उन्हें मंगोलिया की अनु उरान-उल्जीई ने मात दी। ताखेल्लामबाम ने रेपेचेज में वॉकओवर मिलने के बाद कांस्य पदक मुकाबले में जगह बनाई थी।

जूडो में इनुंगनबी ताखेल्लामबम कांस्य पदक के मुकाबले में उतरेंगी

इनुंगनबी ताखेल्लामबम महिलाओं के 70 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में मंगोलिया की अनू उरान-उल्जी से भिड़ेंगी। इनुंगनबी को क्वार्टर फाइनल में उत्तर कोरिया की सोंग हुई मुन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने रेपचेज मुकाबला वॉकओवर से जीतकर पदक के मुकाबले में जगह बनाई। इससे पहले भारतीय जुडोका ने राउंड ऑफ-16 में नेपाल की पुनम श्रेष्ठा को इप्पोन के जरिए हराया था।

- **स्क्वैश में भारत का सेमीफाइनल में मलयेशिया से मुकाबला** – नागोया में एशियन गेम्स के पुरुष स्क्वैश सेमीफाइनल में भारत का सामना मलयेशिया से होगा। गत चैंपियन भारत ने कुवैत को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। वीर चोटरानी और अभय सिंह ने भारत के लिए जीत दर्ज की थी। दूसरी ओर, पाकिस्तान पहले ही फाइनल में पहुंच चुका है। उसने हॉन्गकॉन्ग को 2–1 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।

भारत ने आखिरी मिनट में गोल कर पाकिस्तान को हराया

एशियन गेम्स में पुरुष हॉकी के फाइनल में पहुंचा, कप्तान हरमनप्रीत के 2 गोल

नागोया (जापान) (एजेंसी)। भारत ने बेहद रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 4-3 से हराकर एशियन गेम्स मेंस हॉकी के फाइनल में जगह बना ली है। अभिषेक ने मैच के आखिरी मिनट में गोल कर भारत को जीत दिलाई।गोल्ड मेडल के लिए 3 अक्टूबर को भारत का सामना कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

मैच के बाद हाथ मिलाते भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ी। एशियन गेम्स के प्रोटोकॉल के तहत मैच के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों का हाथ मिलना जरूरी।मैच के बाद हाथ मिलाते भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ी। एशियन गेम्स के प्रोटोकॉल के तहत मैच के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों का हाथ मिलना जरूरी।

23 मिनट में ही 3-0 से आगे हो गया था भारत – भारत ने मैच के 23वें मिनट तक 3-0 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद पाकिस्तान ने अगले 26 मिनट में तीन गोल कर मैच 3-3 से बराकर कर दिया। 59 मिनट तक मैच बराबरी पर था। फाइनल हूटर बजने से करीब 50 सेकेंड पहले अभिषेक ने फील्ड गोल कर भारत को जीत दिला दी।

एशियन गेम्स 2026

स्वर्ण पदक के लिए भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

- **टीम इंडिया ने श्रीलंका पर हासिल की सबसे बड़ी जीत**

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट सेमीफाइनल में श्रीलंका को 124 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने 170 रन का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 45 रन पर सिमट गई। अब तीन अक्तूबर को स्वर्ण पदक के लिए भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियाड के सेमीफाइनल में श्रीलंका को 124 रन से हरा दिया है। भारत ने 170 रन का लक्ष्य दिया था। जवाब में श्रीलंका की पूरी टीम 9.5 ओवर में 45 रन पर सिमट गई। अब तीन अक्तूबर को स्वर्ण पदक के लिए भारत का सामना साहिबजादा फरहान की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम से होगा। 124 रन से जीत भारत की श्रीलंका पर सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले भारत की श्रीलंका पर रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत 93 रन की थी। भारत ने 2017 में कटक में श्रीलंका को 93 रन से हराया था। भारतीय महिला क्रिकेट टीम लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीत चुकी है। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम भी लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतने उतरी है। हांगझोउ में 2023 में ऋतुराज गायकवाड़ की अगुआई में भारत ने स्वर्ण पदक जीता था।

दो बिहारियों ने बरपाया कहर – टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 169 रन बनाए। ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी ने मिलकर भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। वैभव ने 21 गेंद में छह चौके और दो छक्के की मदद से 38 रन की पारी खेली। वहीं, ईशान 46 गेंद में चार चौके और पांच छक्के की मदद से 80 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके अलावा छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। अभिषेक शर्मा सात रन, संजू सैमसन सात रन, अक्षर पटेल आठ रन, तिलक वर्मा दो रन और शिवम दुबे तीन रन बनाकर आउट हुए। वॉशिंगटन सुंदर सात रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान श्रेयस अय्यर 13 रन बना सके। श्रीलंका की ओर से थारिंदु रत्नायके और कप्तान सहान अराचिगे ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, वानुजा सहान, लसिथ क्रूसपूले और नुवानिदु फर्नांडो को एक-एक विकेट मिला।

श्रीलंका के छह बल्लेबाज खाता नहीं खोल पाए – 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका टीम कभी मुकाबले में दिखी ही नहीं। उसके शीर्ष तीन बल्लेबाज तो खाता ही नहीं खोल सके। सिर्फ नुवानिदु फर्नांडो ने दहाई का आंकड़ा पार किया। वह 15 रन बना सके। सिनेथ जयवर्धने, लसिथ क्रूसपूले, सोहन डी लिवेरा, अशेन बंडारा और बिनुरा फर्नांडो खाता खोले बिना आउट हुए। वहीं, कप्तान सहान अराचिगे ने नौ रन बनाए। चमिका करुणारत्ने चार रन, वानुजा सहान एक रन और थारिंदु रत्नायके पांच रन बनाकर आउट हुए। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा को दो-दो विकेट मिले। वॉशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया। श्रीलंका के तीन खिलाड़ी रन आउट हुए। इस तरह पूरी टीम 9.5 ओवर में 45 रन पर सिमट गई।

दोनों स्क्वॉड इस प्रकार है

भारत – वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), ईशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, विप्रज निगम।

पाकिस्तान – साहिबजादा फरहान (कप्तान), सैम अयूब, उस्मान खान (विकेटकीपर), हसन नवाज, हैदर अली, अब्दुल समद, मोहम्मद वसीम जूनियर, अबरार अहमद, सूफियान मुकिम, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद, अराफात मिनहास, साद मसूद, माज सदाकत, अली रजा।

इन रंगों जैसा कुछ नहीं, फाइनल में पहुंचने पर ईशान किशन ने जताई खुशी

नागोया, जापान (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट सेमीफाइनल में भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। भारत की इस शानदार जीत के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने सोशल मीडिया पर खास अंदाज में खुशी जाहिर की। ईशान ने मुश्किल पिच पर 46 गेंदों में नाबाद 80 रन की तूफानी पारी खेलकर भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया और जीत की नींव रखी।

ईशान किशन ने खास अंदाज में मनाया जीत का जश्न – श्रीलंका के खिलाफ सेमीफाइनल जीतने के बाद ईशान किशन ने इंस्टाग्राम पर भारतीय टीम की जर्सी में तस्वीर शेयर की। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, इन रंगों जैसा कुछ नहीं।ईशान की इस पोस्ट के जरिए भारतीय टीम के रंगों और देश के लिए खेलने को लेकर उनका गर्व साफ नजर आया। उनकी पारी भी भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण रही, क्योंकि एक समय टीम मुश्किल स्थिति में थी और शीर्ष क्रम के कई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके थे।

87/4 के बाद ईशान ने संभाली भारत की पारी – श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। भारत की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और टीम ने चुनौतीपूर्ण पिच पर नियमित अंतराल में विकेट गंवाए। वैभव सूर्यवंशी ने 21 गेंदों में 38 रन की उपयोगी पारी खेली, जिसमें छह चौके और दो छक्के शामिल थे।वहीं, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन एकल अंक के स्कोर पर आउट हो गए। भारत का स्कोर जब 87/4 था, तब ईशान किशन ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों पर नाबाद 80 रन बनाए। उनकी पारी में चार चौके और पांच छक्के शामिल रहे और उनका स्ट्राइक रेट 173.91 का रहा।

ईशान ने विराट कोहली का रिकॉर्ड किया पीछे – ईशान किशन ने इस पारी के साथ इस साल टी20 इंटरनेशनल में एक खास उपलब्धि भी हासिल की। उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए सबसे ज्यादा 50+ स्कोर के मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है।ईशान का इस साल यह आठवां 50+ स्कोर रहा।

मेरे शरीर के हर हिस्से में क्रैम्प है, ऐतिहासिक दोहरे शतक के बाद शुभमन गिल का बयान

गुवाहाटी (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में 406 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 8 विकेट से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस जीत के हीरो कप्तान शुभमन गिल रहे, जिन्होंने नाबाद 223 रनों की रिकॉर्डतोड़ पारी खेली। हालांकि, गुवाहाटी की तेज गर्मी और लगातार बल्लेबाजी के बीच गिल की हालत भी खराब हो गई थी। मैच के बाद उन्होंने बताया कि उनके शरीर का लगभग हर हिस्सा क्रैम्प कर रहा था।

406 रन के लक्ष्य का ऐतिहासिक पीछा – वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 405/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में भारत ने 406 रनों के लक्ष्य को सिर्फ 39 गेंद शेष रहते 8 विकेट से हासिल कर लिया। यह वनडे क्रिकेट के इतिहास में सफलतापूर्वक हासिल किया गया दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य है।

संक्षिप्त समाचार

भारत ने वनडे में अपना सबसे बड़ा रनचेज किया

- **शुभमन गिल ने सबसे तेज दोहरा शतक जड़ा, रोहित शर्मा के 12 हजार रन पूरे**

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत ने वेस्टइंडीज को दूसरे वनडे में 8 विकेट से हरा दिया। टीम ने 406 रन का टारगेट 43.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। यह भारत का वनडे में सबसे बड़ा रनचेज है। 20 साल बाद किसी टीम ने 400 रन चेज किए हैं। 2006 में साउथ अफ्रीका ने यह कारनामा किया था। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 223 रन की पारी खेलते हुए वनडे का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ दिया। यह रनचेज में किसी खिलाड़ी का सबसे बड़ा स्कोर भी है। वहीं मैच में शतक लगाने वाले रोहित शर्मा ने वनडे क्रिकेट में अपने 12 हजार रन पूरे कर लिए।

13 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा – भारत ने वनडे में अपना सबसे बड़ा रन चेज किया। इससे पहले टीम ने 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 360 रन का टारगेट हासिल किया था। ओवरऑल यह वनडे क्रिकेट का दूसरा सबसे बड़ा सफल रनचेज है। पहले स्थान पर साउथ अफ्रीका है, जिसने 2006 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 435 रन चेज कर दिए थे। भारत के नाम वनडे में सबसे ज्यादा 400+ स्कोर भारत ने वनडे में सबसे ज्यादा बार 400+ रन बनाए हैं। टीम ने 9 बार ऐसा किया है।

वैभव सूर्यवंशी टाइम मैगजीन के 100 राइजिंग स्टार्स में

- **लिस्ट में सबसे युवा खिलाड़ी, 7 एथलीट्स में इकलौते भारतीय**

नईदिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी को टाइम मैगजीन ने 2026 के टॉप-100 राइजिंग स्टार्स की लिस्ट में जगह दी है। यह अमेरिकी मैगजीन हर साल अलग-अलग फील्ड के टॉप युवा अचीवर्स के लिए टाइम मैगजीन नाम की लिस्ट जारी करता है। 15 साल के बल्लेबाज सूर्यवंशी लिस्ट में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। साथ ही वे लिस्ट में सबसे कम उम्र के सदस्य भी हैं। वैभव 7 खिलाड़ियों में इकलौते क्रिकेटर लिस्ट में 7 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इनमें वैभव एकमात्र क्रिकेटर हैं। अमेरिकी फुटबॉलर आर्चीबाल्ड मैनिंग, एनबीए खिलाड़ी टाइरिस मैक्सी, फुटबॉलर नाओमी गिरमा और फोलारिन बालोगन, टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा ईला और बास्केटबॉल खिलाड़ी ओलिविया माइल्स भी लिस्ट में शामिल हैं।

प्रसिद्ध कृष्णा वेस्टइंडीज सीरीज से बाहर हुए

- **दूसरे वनडे में चोट लगी, अंशुल कंबोज को मौका; सुंदर की जगह नमन धीर टी-20 टीम में**

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 अक्टूबर को होने वाले तीसरे वनडे से बाहर हो गए हैं। उन्हें गुवाहाटी में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट आई थी।प्रसिद्ध की जगह अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया गया है। साथ ही नमन धीर को वॉशिंगटन सुंदर की जगह टी-20 टीम में मौका दिया गया है।सिलेक्शन कमिटी ने नवंबर में होने वाली न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज को देखते हुए यह फैसला लिया है। सुंदर इससे पहले 11 अक्टूबर से शुरु हो रहे रणजी ट्रॉफी में खेलेंगे, ताकि उन्हें रेड बॉल प्रैक्टिस के लिए पर्याप्त मैच मिले।

बल्लेबाज ने वक्त बर्बाद किया तो 5 रन की पेनाल्टी

महिला-पुरुष क्रिकेट में गेंद का वजन और साइज अलग होगा, आईसीसी के 9 नए नियम

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने गुरुवार को नए क्रिकेट नियम जारी किए हैं। अब बैटिंग के दौरान समय बर्बाद करने पर तीसरी और हर अगली गलती पर फील्डिंग टीम को 5 पेनल्टी रन मिलेंगे। इसके अलावा पुरुष, महिला और जूनियर क्रिकेट की गेंद के साइज और वजन की अलग-अलग सीमा तय की गई है। सभी नए नियम 1 अक्टूबर 2026 या उसके बाद शुरू होने वाली इंटरनेशनल सीरीज पर लागू होंगे। पहले से चल रही सीरीज पुराने नियमों के मुताबिक ही खेली जाएंगी।

टेस्ट में पिंक बॉल से ट्रायल होगा – दिन के समय टेस्ट मैच में पिंक बॉल के इस्तेमाल की ट्रायल की जा सकेगी। इसका मकसद खराब रोशनी के कारण खेल रुकने से होने वाले समय के नुकसान को कम करना है।पिंक बॉल से खेलने के लिए दोनों टीमों की टेस्ट शुरू होने से पहले सहमति जरूरी होगी। एक बार फैसला हो जाने के बाद पूरे मैच में उसी गेंद का इस्तेमाल होगा। मैच शुरू होने के बाद रेड से पिंक बॉल पर स्विच नहीं किया जा सकेगा।इंटरनेशनल टेस्ट मैचों में पहली बार 2015 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच डे-नाइट टेस्ट में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया गया था।

- **गेंद हाथ में होना जरूरी नहीं, अंपायर तय करेंगे कब 'सेटल्ड' हुई** – अब गेंद को 'फाइनली सेटल्ड' मानने के लिए उसका गेंदबाज या विकेटकीपर के हाथ में होना जरूरी नहीं होगा। अंपायर के पास यह तय करने की ज्यादा गुंजाइश होगी कि गेंद कब पूरी तरह से सेटल हुई। यह बदलाव खासकर मैच की आखिरी गेंद जैसे करीबी मौकों पर अहम रहेगा।
- **गेंद छूना काफी नहीं, स्टंपिंग-रन आउट के लिए पूरा कंट्रोल जरूरी** – रन आउट या स्टंपिंग के समय फील्डर के पास गेंद का पूरा कंट्रोल होना जरूरी होगा। सिर्फ गेंद को हाथ से छूते हुए स्टंप गिराने पर फील्डर के पास गेंद का कब्जा नहीं माना जाएगा।
- **आखिरी ओवर में विकेट गिरने से दिन का खेल खत्म नहीं होगा** – अब दिन के आखिरी ओवर में विकेट गिरने पर खेल अपने आप खत्म नहीं होगा। अगर ओवर पूरा नहीं हुआ है और मौसम व परिस्थितियां खेलने के अनुकूल हैं, तो बची हुई गेंदें उसी दिन कराई जाएंगी। आईसीसी के मुताबिक, इन गेंदों को अगले दिन कराने से समय की बचत नहीं होती। नए नियम से फील्डिंग टीम को फायदा मिलेगा और मैच में रोमांच भी बना रहेगा।

महिला और जूनियर क्रिकेट में अब अलग साइज की गेंद- अब पुरुष, महिला और जूनियर क्रिकेट के लिए गेंद के साइज और वजन की अलग-अलग सीमा तय होगी। पुरुषों की गेंद का वजन 155.9 से 163 ग्राम और साइज 22.4 से 22.9 सेमी रहेगा। महिलाओं की गेंद का वजन 140 से 151 ग्राम और साइज 21 से 22.5 सेमी होगा।

वायुसेना अड्डे के पास संदिग्ध आतंकी घटना में ईरान की भूमिका

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने बुधवार को कहा कि ब्रिटेन का मानना है कि दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के एक गांव में रॉयल एयर फोर्स के अड्डे के पास हुई घटना में ईरान की भूमिका थी। इस घटना की जांच देश की आतंकवाद रोधी पुलिस कर रही है। रविवार को पांच ब्रिटिश नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। सभी की उम्र 20 साल के आसपास है। पुलिस को विलफोर्ड गांव में एक सूचना मिली थी। यह गांव रॉयल एयर फोर्स के फेयरफोर्ड अड्डे के पास है। सूचना मिलने के बाद पुलिस वहां पहुंची थी। इसके बाद पांचों लोगों को गिरफ्तार किया गया। बाद में सभी को जमानत पर छोड़ दिया गया।

बर्नहम ने क्या बताया?: इस अड्डे पर बड़ी संख्या में अमेरिकी वायुसेना के जवान और अभियान मौजूद हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संदिग्धों को जमानत दिए जाने पर सवाल उठाया है। बर्नहम ने पत्रकारों से कहा, इस बात के मजबूत संकेत हैं कि ईरान की इसमें भूमिका थी। फिर भी यह पुलिस की एक जटिल और बेहद गंभीर जांच है। इसलिए इस समय मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। उन्होंने बताया कि उन्होंने सोमवार को कैबिनेट कार्यालय में आपात बैठक की अध्यक्षता की थी। इसे कोबरा बैठक कहा जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार इस बात की पुष्टि होने का इंतजार कर रही थी कि वह क्या जानकारी सार्वजनिक कर सकती है। अब सरकार यह पुष्टि कर सकती है कि उसका मानना है कि ईरान की इसमें भूमिका थी। ईरान पहले ही इस घटना में किसी भी तरह की भूमिका से साफ इनकार कर चुका है। लंदन स्थित ईरानी दूतावास ने इसे 'ईरान को लेकर डर फैलाना' बताया था। बर्नहम से पूछा गया कि मामले की गंभीरता के बावजूद गिरफ्तार किए गए पांच लोगों को जमानत क्यों दी गई। इस पर उन्होंने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि रिहा किए जाने का मतलब वैसा नहीं है, जैसा आम तौर पर समझा जाता है। उन्होंने कहा कि इन लोगों को जमानत की बेहद कड़ी शर्तों के साथ छोड़ा गया है। उन्होंने आगे कहा कि अधिकारी मामले पर पूरी तरह नजर रख रहे हैं। उनके पास इस पर कड़ा नियंत्रण है। उन्होंने लोगों को इसका भरोसा भी दिलाया। इस बीच, 'द टाइम्स' ने खबर दी कि गिरफ्तार किए गए पांच संदिग्धों में से एक ने घटना से करीब एक घंटे पहले खुद अधिकारियों से संपर्क किया था। ब्रिटेन की आतंकवाद रोधी पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। मंगलवार को पुलिस ने कहा कि अड्डे के पास रोकी गई गाड़ियों में कोई विस्फोटक उपकरण नहीं मिला। हालांकि, पुलिस को गाड़ियों से कुछ मात्रा में पेट्रोल मिला है। फेयरफोर्ड वायुसेना अड्डे का इस्तेमाल हाल के महीनों में अमेरिकी सेना ने ईरान पर हवाई हमले करने के लिए किया है। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा था कि इस घटना में 'स्पष्ट रूप से किसी विदेशी पक्ष का हाथ' है। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में कोई और जानकारी नहीं दी थी।

अमेरिका और ईरान के बीच क्या हुआ रुबियो ने ईरानी प्रतिनिधिमंडल को तुरंत न्यूयॉर्क से जाने को कहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने आए उनके प्रतिनिधिमंडल को तय कार्यक्रम से पहले न्यूयॉर्क छोड़कर वापस ईरान जाने का आदेश दिया है। अमेरिका के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ट्रंप प्रशासन ने ईरान के साथ युद्ध के बावजूद ईरानी राष्ट्रपति और विदेश मंत्री समेत उनके प्रतिनिधिमंडल को संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक में हिस्सा लेने के लिए वीजा दिया था। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र में संबोधन के एक दिन बाद न्यूयॉर्क से रवाना हो गए थे। वहीं, विदेश मंत्री अब्बास अराघची न्यूयॉर्क में रुके हुए थे। बताया गया था कि वह अमेरिका के साथ परोक्ष वार्ता में हिस्सा लेने वाले थे। इन वार्ताओं का मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने, संघर्ष समाप्त करने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत फिर से शुरू करने के मुद्दों पर चर्चा करना था। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, अराघची की बुधवार तक न्यूयॉर्क में रहने की योजना थी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, सप्ताहांत में ईरान और कतर के मध्यस्थों के बीच हुई बैठकों में कोई खास प्रगति नहीं हुई, जिसके बाद अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो का धैर्य जवाब दे गया।

संक्षिप्त समाचार

धोखे से बुलाया कॉलेज के बाहर, फिर कर दी 19 वर्षीय छात्र की चाकू मारकर हत्या

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में बुधवार को एक निजी कॉलेज के बाहर 19 वर्षीय छात्र की चाकू मारकर

हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, दो छात्र समूहों के बीच विवाद के दौरान यह घटना हुई। मृतका का नाम योगेश है। वह नगरभावी स्थित एक निजी कॉलेज में बी.कॉम प्रथम वर्ष का छात्र था। पुलिस ने बताया कि योगेश क्लास में बैठा था, तभी उसके एक दोस्त ने उसे बाहर बुलाया। कॉलेज से बाहर निकलते ही दो छात्र समूहों के बीच अनजान मुद्दे को लेकर झगड़ा शुरू हो गया। इस विवाद के दौरान एक व्यक्ति ने चाकू निकालकर योगेश पर हमला कर दिया। योगेश गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, इस घटना में चार से पांच लोग शामिल होने का संदेह है। अभी तक उनमें से सिर्फ एक की पहचान हो पाई है। पुलिस ने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद घटना का असली मकसद और परिस्थितियां साफ होंगी। आगे की जांच जारी है।

निशुल्क बस यात्रा के लिए एनबीएसटीसी ने मांगे 25 करोड़

कोलकाता, एजेंसी। सरकारी बसों में महिलाओं की निशुल्क यात्रा के बढ़ते दबाव के बीच उत्तरबंग राज्य परिवहन निगम (एनबीएसटीसी) ने राज्य सरकार से 25 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मांगी है। निगम के प्रबंध निदेशक अश्विनीकुमार राय ने बताया कि नवंबर तक महिला यात्रियों की निशुल्क यात्रा का खर्च संभालने के लिए यह राशि मांगी गई है। राज्य सरकार पहले ही दो चरणों में निगम को 23 करोड़ 74 लाख रुपये दे चुकी है, जो अब खत्म होने के करीब है। निगम के अनुसार, निशुल्क यात्रा की सुविधा शुरू होने के बाद बसों में महिला यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पूजा के दौरान लंबी दूरी की बसों में अग्रिम बुकिंग भी बढ़ी है और इनमें बड़ी संख्या महिला यात्रियों की है। यात्रियों की सेवा सामान्य बनाए रखने के लिए निगम ने अतिरिक्त राशि की मांग की है। पूजा से पहले उत्तर बंगाल के कई रूटों पर बस सेवा फिर शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इनमें दिनहाटा के कई रूट भी शामिल हैं, जहां विभिन्न कारणों से पहले बस सेवा बंद हो गई थी। यात्रियों की मांग को देखते हुए इन मार्गों पर दोबारा बसें चलाने की तैयारी है।

केरलम में बढ़ा राजनीतिक तनाव, भाजपा मुख्यालय और पार्टी नेता की गाड़ी पर हमला

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरलम में बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच भाजपा ने बुधवार को आरोप लगाया कि तिरुअनंतपुरम स्थित उसके राज्य मुख्यालय पर अज्ञात लोगों ने हमला किया। पार्टी के अनुसार, हमलावरों ने इमारत पर बोतलें और पत्थर फेंके। इससे पहले शाम को भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पीके कृष्णदास के वाहन पर भी हमला किया गया। भाजपा ने दोनों घटनाओं की निंदा करते हुए कहा कि पार्टी कार्यालय पर हमला लोकतंत्र के मूल्यों के लिए चुनौती है। पार्टी ने कहा कि राजनीतिक रूप से सामना करने में असमर्थ होने पर हिंसा का सहारा लेना लोकतांत्रिक राजनीति के अनुरूप नहीं है। कृष्णदास के वाहन पर हमला नेय्याट्टिनकारा में हुआ। भाजपा ने आरोप लगाया कि वाहन में तोड़फोड़ की गई। इसके बाद पार्टी ने गुरुवार को पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की। ये घटनाएं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हालिया कोल्लम दौरे के दौरान हुए काले झंडे के विरोध के बाद बढ़े राजनीतिक तनाव के बीच सामने आई हैं। इससे पहले कांग्रेस ने भी अपने कार्यालयों पर हमले और स्थानीय नेताओं को धमकाने के आरोप लगाए थे। भाजपा ने जवाब में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर अपने तिरुअनंतपुरम दक्षिण जिला अध्यक्ष बीजू पर हमले का आरोप लगाया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,